



SDGs

शिक्षकों एवं युवाओं के लिए
रचनात्मक विचारों की हैंडबुक



UNDP is the leading United Nations organization fighting to end the injustice of poverty, inequality, and climate change. Working with our broad network of experts and partners in 170 countries, we help nations to build integrated, lasting solutions for people and the planet.

In India, we have been working for seven decades in almost all areas of human development. Together with the Government of India, we work towards eradicating poverty, reducing inequalities, protecting the planet, enhancing community resilience, and accelerating sustainable development for all.

With projects & programmes in every state and union territory in India, UNDP works with national and subnational governments, and diverse development actors to deliver people-centric results, particularly for the most vulnerable and marginalized communities.

Copyright @ UNDP, 2023

Citation: *SDGs: A book of action for educators & young learners*; 2023; UNDP India

SDGs

शिक्षकों एवं युवाओं के लिए
रचनात्मक विचारों की हैंडबुक





प्राक्कथन

में अत्यंत गर्व और खुशी के साथ आपको सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर प्रकाशित इस पुस्तिका से परिचित करा रही हूँ, जो विशेष रूप से शिक्षार्थी और अध्यापन-कर्ता के लिए तैयार की गई है। SDGs को आमतौर पर पृथ्वी को बेहतर बनाने और लोगों की सुरक्षा के लिए सत्रह वैश्विक लक्ष्यों के संग्रह के रूप में जाना जाता है। हालाँकि, SDG केवल महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का एक समूह नहीं हैं; वे पृथ्वी, वनस्पतियों-जीवों और मानव की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कार्यरत होने का आहवाहन हैं। 17 लक्ष्यों में गरीबी और भूख उन्मूलन से लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और जेंडर समानता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। वे 2030 तक एक टिकाऊ, समृद्ध और न्यायसंगत भविष्य के लिए बानी मूल-योजना (ब्लूप्रिंट) हैं।

यह पुस्तिका ऐसे उपयुक्त समय पर आई है जब दुनिया इन वैश्विक आकांक्षाओं को पूरा करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। इस पुस्तिका की एक बड़ी ताकत यह है कि यह महज परिभाषा और तथ्यों से परे है। यह पुस्तिका आपके अंदर जिज्ञासा पैदा करती है और आपको महत्वपूर्ण मुद्दों की गहराई से जाँच करने के लिए प्रोत्साहित करती है। सहभागितापूर्ण कथन और आकर्षक सामग्री के साथ लक्ष्यों को स्पष्ट तरीके से प्रस्तुत करने के लिए मैं लेखकों की सराहना करती हूँ। सरल, आयु-उपयुक्त गतिविधियों और SDG से जुड़े हुए मुद्दों पर पहले से ही प्रभावशाली काम कर चुके लोगों की प्रेरक कहानियों के माध्यम से, शिक्षार्थियों को सामूहिक कार्यवाही की शक्ति की सराहना करने और उनके हाथों में मौजूद अपार संभावनाओं को उजागर करने के लिए, यह प्रेरित किया जाता है।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तिका युवाओं को सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगी। यह आपके लिए स्वयं के जुनून को खोजने, अपनी अद्वितीय शक्तियों को पहचानने और परिवर्तन लाने वालों के वैश्विक समुदाय में शामिल होने का एक उत्कृष्ट अवसर है। यह हमारे भविष्य को आकार देने और सभी के लिए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और टिकाऊ विश्व के वादे को पूरा करने की दिशा में एक दिशा सूचक यंत्र के रूप में काम कर सकता है।

मैं माता-पिता और शिक्षकों से से अनुरोध करती हूँ, कि वे युवा शिक्षार्थियों को अपने साथ लेते हुए इस पुस्तिका के माध्यम से एक रोमांचक यात्रा का आरम्भ करें।

23.08.2023

मीनाक्षी कटेल
मुख्य सलाहकार (SDG एडसेलेशन)



प्रस्तावना

महीनों के कठोर शोध के बाद, हम SDG पर इस पुस्तिका को छात्र समुदाय को समर्पित करने के लिए उत्साहित हैं। यह पुस्तिका आपको स्थानीय स्तर पर वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर ढंग से सक्षम बनाने का हमारा विनम्र प्रयास है।

इस पुस्तिका की कल्पना एक 'बुक ऑफ़ एक्शन' के रूप में की गई है जो आपको महत्वाकांक्षाओं को कार्यों में बदलने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसे आपको कक्षा से परे सोचने और यह महसूस करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि सीखना जीवन के सभी पहलुओं में व्याप्त है। यह छात्रों को SDG हासिल करने में मदद करने के लिए शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका भी है। जैसे-जैसे आप पृष्ठों पर आगे बढ़ेंगे, आप कहानियों, वास्तविक जीवन के उदाहरणों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से 17 SDG के बारे में जानेंगे। हमारा मानना है कि सीखना मज़ेदार होना चाहिए और इसलिए हमारे युवा पाठकों के लिए SDG पर आधारित गेम और पोस्टर के रूप में अतिरिक्त शिक्षण सामग्री की एक दिलचस्प श्रृंखला तैयार की गई है। आप इन्हें www.sdgknowledgehub.undp.org.in पर देख सकते हैं।

इस हैंडबुक की खूबसूरत यात्रा के अंत तक, हम आशा करते हैं कि आप SDG की जटिलताओं को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होंगे, लक्ष्यों की परस्पर संबद्धता और अपने जीवन के लिए उनकी प्रासंगिकता की सराहना करेंगे।

ज्ञान में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की शक्ति होती है। इसलिए, आपको प्रचार-प्रसार करने, विचार साझा करने और समान लक्ष्यों की दिशा में काम करने वाले समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमें अगले सात वर्षों और उससे आगे का नेतृत्व करने के लिए यथासंभव अधिक से अधिक युवाओं की आवश्यकता है। और हम अपने युवा शिक्षार्थियों पर भरोसा करते हैं कि वे एक ऐसी दुनिया का नेतृत्व करेंगे जहां SDG केवल आकांक्षाएँ नहीं बल्कि रोजमर्रा की वास्तविकताएँ हैं।

अंत में, सबसे अविश्वसनीय सह-निर्माता होने के लिए ITOWE की असाधारण टीम को कोटि-कोटि धन्यवाद। अथक शोध और समृद्ध चर्चाओं के लिए धन्यवाद। अपने चित्रों के माध्यम से हमारी सामग्री में जान डालने के लिए चारकोल-द स्टूडियो को हार्दिक आभार।

सीखने का आनंद!

23.08.2023

विद्या चक्रपाणि वारियर
SDG एसोसिएट (नॉलेज हब)



आभार

महत्वाकांक्षी टिकाऊ विकास लक्ष्यों (SDG) को हासिल करने के लिए दुनिया के पास सात साल बाकी हैं। छात्र - हमारे भविष्य के नेता और परिवर्तन निर्माता - SDG यात्रा में महत्वपूर्ण हितधारक हैं। आवश्यक कौशल और अवसर प्रदान किए जाने पर, युवा सतत विकास का समर्थन करने में एक प्रेरक शक्ति बन सकते हैं। यह पुस्तिका सभी हितधारकों के लिए SDG पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने और वैश्विक लक्ष्यों को तेज़ी से पूरा करने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के हमारे प्रयास का हिस्सा है।

हम शिक्षकों और छात्रों के समुदाय को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमें इस पुस्तक को लाने के लिए प्रेरित किया और आशा करते हैं कि यह पाठकों को SDG के साथ अपनी गतिविधियों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

यह पुस्तिका हमारे भागीदारों के अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं होती। इस अद्भुत शिक्षण संसाधन के सह-निर्माण में उनके समर्पण और जुनून के लिए आई टू वी डेवलपमेंट फाउंडेशन की उत्कृष्ट टीम को हमारा हार्दिक धन्यवाद। हम क्रिएटिविटी और डिज़ाइन के लिए चारकोल-द स्टूडियो के अद्भुत रचनात्मक कृति के लिए आभारी हैं।

संचार टीम के सहयोगियों - श्री जेम्स जोस और श्री अभीर अवस्थी - को डिज़ाइन तत्वों पर उनके बहुमूल्य सुझाव के लिए और सुश्री ऐश्वर्या एस कुमार को अंतिम समीक्षा के दौरान उनकी प्रतिक्रिया के लिए हमारा हार्दिक आभार।

अंत में, इस पुस्तिका को उस रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी निभाने के लिए मेरी सहयोगी सुश्री विद्या चक्रपाणि वॉरियर की हार्दिक सराहना।

23.08.2023

जैमोन उत्थुप

नीति विशेषज्ञ (SDG)



अध्यायों की सूची



गरीबी की पूर्णतः समाप्ति

10



साफ पानी और स्वच्छता

62



टिकारू शहरी विकास

112



शांति और न्याय के लिए मज़बूत व्यवस्था

166



भुखमरी की समाप्ति

18



सभी के लिए स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा

72



जिम्मेदारी-पूर्ण उपभोग और उत्पादन

122



SDGs के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए साझेदारी

174



उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

28



गुणवत्तापूर्ण रोज़गार और आर्थिक विकास

82



जलवायु परिवर्तन

132



मिशन SDG: ये योगदान दे रहे हैं! क्या आप भी जुड़ना चाहेंगे?

180



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

38



उद्योग, नवाचार, तथा औद्योगिक सुविधाएँ व व्यवस्था

90



जलीय जीवन

144



पारिभाषिक शब्दावली

188



जेंडर समानता

50



असमानता में कमी

100



स्थलीय जीवन

154



किताब के विषय में उपयोगकर्ताओं के लिए जानकारी

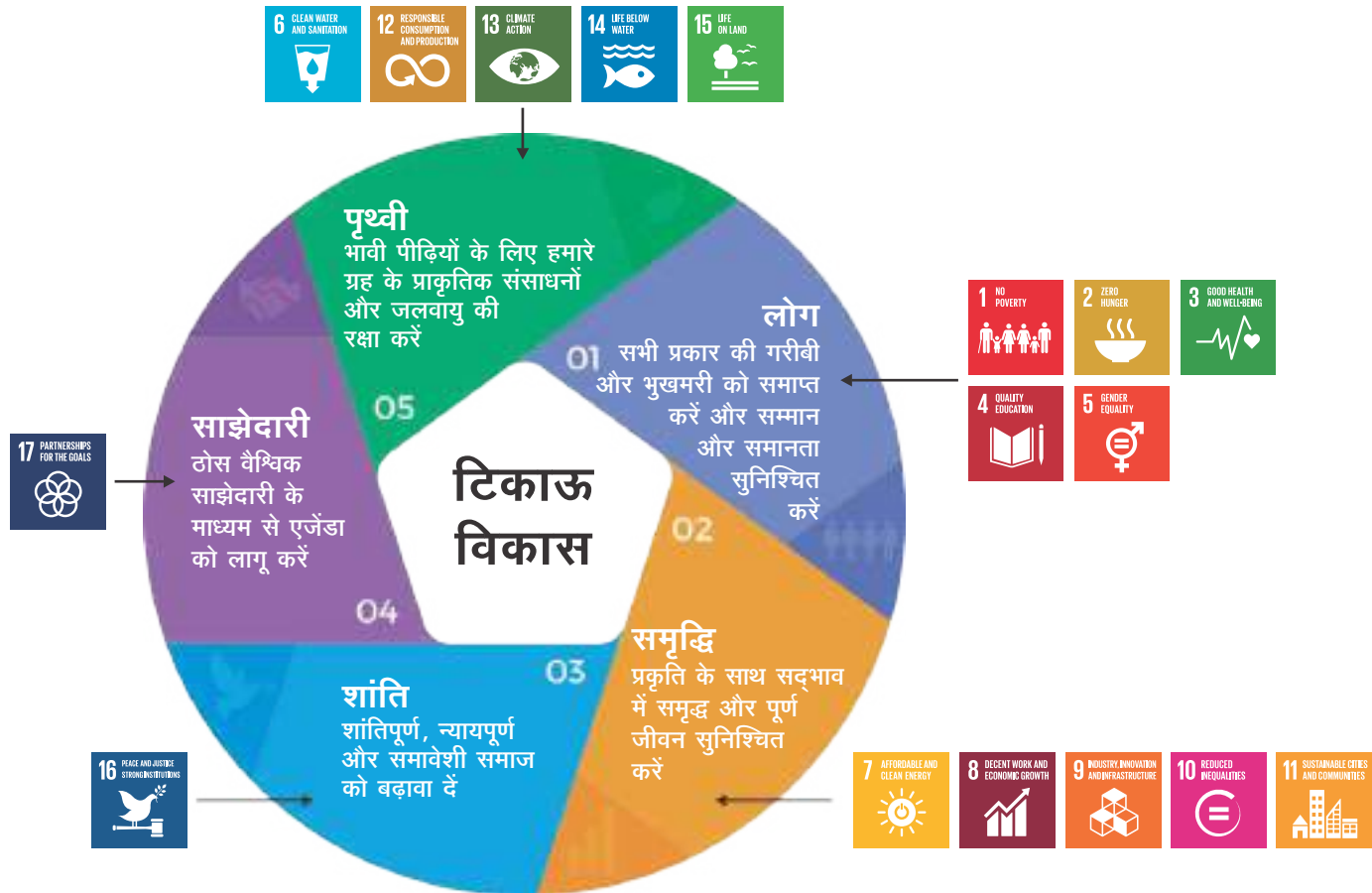
टिकाऊ विकास वह विकास है जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।

आज हमारा विश्व, गरीबी, भुखमरी, बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानताओं, महामारी संभावित बीमारियों के प्रकोप, सशस्त्र संघर्ष और मानवाधिकारों के उल्लंघन जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है। कमज़ोर होती अर्थव्यवस्थाओं और बेरोज़गारी की बढ़ती दरों से लेकर प्रदूषण के बढ़ते स्तर और जैव विविधता के विनाशकारी नुकसान जैसे बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय खतरों तक - दुनिया का सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय ताना-बाना खतरों में है। हालाँकि ये चिंताएँ और चुनौतियाँ बहुधा प्रकार की प्रतीत होती हैं, जिनके लिए मिश्रित समाधानों की कार्यनीति की आवश्यकता है, किन्तु ये भी सही है कि ये भिन्न व एक-दूसरे से विविध प्रतीत होती समस्याओं का हल एक परिपूर्ण तथा व्यापक कार्यनीति में निहित है, जिसमें परस्पर जुड़े समाधान व उपाय सम्मिलित हैं। मानव-समाज में आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों की परस्पर निर्भरता के कारण आज हमें एक नए दृष्टिकोण से सोचने व नयी रणनीति से काम करने की आवश्यकता है। तब ही हम वास्तव में एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने में सक्षम बनेंगे, जहाँ मानव-समाज और प्रकृति सह-अस्तित्व में हों, और जहाँ गरीबी न हो, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग न हो। जहाँ सभी सामान नज़रिये से देखे जाएँ और जहाँ सभी कि आवाज़ सुनी जाती जाए। यही टिकाऊ विकास का सार है।

टिकाऊ विकास को पूर्ण रूप से समझने के लिए आवश्यक है कि हम पृथ्वी को एक प्रणाली-गत (systemic) इकाई के रूप में देखें - एक इकाई जो स्थान और समय की सीमाओं से परे निर्बाध रूप से जुड़ी हुई है! जब हम दुनिया को स्थान की सीमाओं से परे एक प्रणाली के रूप में सोचते हैं, तो हमें यह समझने में मदद मिलती है कि भूमि से घिरे क्षेत्र में किया गया कीटनाशकों का छिड़काव, समुद्र की मछलियों को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है? और जब हम इस पृथ्वी को एक कालातीत प्रणाली के रूप में सोचते हैं, तो हमें यह समझने में मदद मिलती है कि उपभोग पैटर्न के संबंध में हमारे पूर्वजों ने जो विकल्प और निर्णय लिए थे, वे आज तक भूमि, नदियों और खेती पर प्रभाव डाल रहे हैं। इसलिए यह स्पष्ट है कि आज हमने जीवन-शैली और विकास का जो मार्ग चुना है, वह इस ग्रह पर दीर्घकालिक प्रभाव और छाप छोड़ेगा।

टिकाऊ विकास के लिए

‘टिकाऊ विकास’, एजेंडा 2030 का मूल आधार है, जो हमारे ग्रह को स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित बनाए रखने के लिए एक उल्लेखनीय और परिवर्तनकारी वैश्विक कार्य-योजना है। इस एजेंडा को 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों द्वारा अपनाया गया है। यह एजेंडा लोगों और पृथ्वी के लिए शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए वैश्विक स्तर की एक मूल-योजना है - वर्तमान समय के लिए और भविष्य के लिए भी। एजेंडा 2030 के केंद्र में 17 टिकाऊ विकास लक्ष्य (SDGs) हैं। इनके अंतर्गत विकसित और विकासशील सभी देशों को साथ मिल कर SDGs के लिए कार्य करने का आह्वाहन निहित है।



टिकाऊ विकास के 5 स्तंभ और 17 एसडीजी

SDGs: 17 वादे

एजेंडा 2030 का मूल सिद्धांत है 'कोई भी पीछे न छोटे'। SDGs गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और हर जगह, हर किसी के जीवन और संभावनाओं में सुधार करने की आकांक्षाओं की एक महत्वाकांक्षी श्रृंखला का विस्तार करते हैं। 17 SDGs टिकाऊ विकास के तीन स्तंभों के आसपास संरचित हैं और 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले 169 लक्ष्यों द्वारा निर्धारित किए गए हैं। विश्व इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की यात्रा का आधा पड़ाव पहले ही पार कर चुका है। वादों को पूरा करने के लिए हमारे पास 7 साल ही बचे हैं।

परिवर्तन लाने में प्रमुख भूमिका अदा करने और भविष्य के नीतिकारों के रूप में, आज हम युवा शिक्षार्थियों पर भरोसा करते हैं। सही ज्ञान और संसाधनों से लैस, हम आपसे SDGs का प्रचार करने और निर्धारित समय के भीतर उन्हें हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आग्रह करते हैं।

SDGs के लिए रचनात्मक विचारों और शैक्षणिक प्रवृत्तियों की यह पुस्तिका (1) स्कूली छात्रों के साथ SDGs के लिए युवा कार्यों के बारे में प्रासंगिक जानकारी और विचारों को साझा करने के लिए डिज़ाइन की गई है; और (2) स्कूली शिक्षकों को SDGs पर भारत और युवाओं की प्रासंगिक जानकारी और शैक्षणिक रूप से सुदृढ़ प्रवृत्ति साझा करना, जो शिक्षक अपनी कक्षा में SDG से जुड़े मुद्दे सीखने-सिखाने के लिए उपयोग कर सकें।

इस पुस्तिका के आने वाले अध्यायों में, हम आपके लिए एक-एक करके 17 SDGs लाएंगे, प्रत्येक SDG के सन्दर्भ और आवश्यकता को आपके साथ साझा करेंगे; उस SDG के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या किया जा रहा है, इस पर भारत भर से कुछ कहानियाँ और कुछ केस-स्टोरीज; और युवाओं द्वारा SDGs के लिए किये जा सकने वाले आइडियाज प्रस्तुत किए गए हैं। हमें उम्मीद है कि SDGs पे आधारित यह पुस्तिका युवा भारतीय नागरिकों को पृथ्वी को एक टिकाऊ, लचीला और न्यायसंगत ग्रह में बदलने के इन 17 वादों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी!

**“ Dream, Dream, Dream
Dreams transform into thoughts
And thoughts result in action.”**

Dr. A P J Abdul Kalam



गरीबी की पूर्णतः समाप्ति

दुनिया के हर देश में सभी लोगों की अत्यधिक गरीबी सभी स्वरूप में समाप्त करना

1 NO POVERTY



यदि आपके पास अपने जीवन के इस दिन को जीने के लिए केवल डेढ़ सौ रुपये हों, तो आप इन रुपयों से क्या खरीदेंगे?

आपके मन में क्या विचार आया? पानी, भोजन, स्वच्छता एवं स्वच्छता उत्पाद, कपड़े? हो सकता है कि आप सूची में से पानी हटा दें, क्योंकि भोजन के लिए कुछ अतिरिक्त रुपये बचाने के लिए आप सार्वजनिक पेयजल सुविधा का उपयोग करने के बारे में सोच सकते हैं; लेकिन याद रखें 'भोजन' खरीदा जाने वाला 'एकल उत्पाद' नहीं है, बल्कि हमारी दैनिक आवश्यकताओं में भोजन जैसे और भी कई वस्तुओं और साधनों की एक सूची होती है। तो अब प्रश्न पर पुनर्विचार करें - केवल एक सौ पचास रुपये के साथ, क्या आप अपने जीवन के इस दिन को अच्छी तरह से जी पाएंगे? आप 'अच्छी तरह' को कैसे परिभाषित करते हैं?

गरीबी: एक उभरती हुई समस्या

SDG 1 अत्यधिक गरीबी (दैनिक उपभोग के लिए 1.9 अमेरिकी डॉलर से कम होने की स्थिति) को समाप्त करने के बारे में है। यह सभी को स्वस्थ, गरिमापूर्ण जीवन जीने में मदद करने के बारे में है। SDG 1 में कहा गया है, अत्यधिक गरीबी सभी स्वरूप में, सभी जगह समाप्त करना।

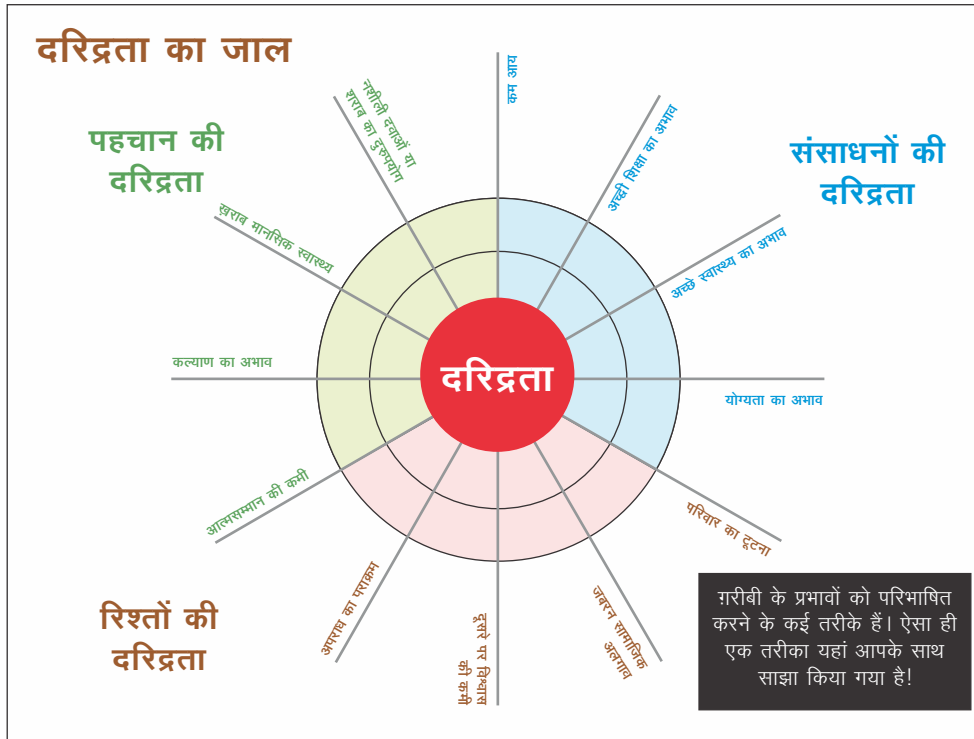
‘सभी स्वरूप में’ वाक्यांश का क्या अर्थ है? गरीबी अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग स्वरूप ले सकती है। उदाहरण के लिए, यदि किसी संपन्न परिवार की कोई लड़की पारिवारिक मान्यताओं या अपने घर से स्कूल की लंबी दूरी, या असुरक्षित शहर या गाँव के माहौल जैसे कारणों से स्कूल जाने में असमर्थ है; तो ऐसी स्थिति इस बच्ची को आर्थिक रूप से नहीं बल्कि सामाजिक रूप से गरीब बना देती है; इसी तरह यदि एक महिला अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने से वंचित है, जैसे कि उसकी उच्च शिक्षा, शादी, नौकरी आदि से जुड़े निर्णय, तो वह एक पुरुष की तुलना में अधिक गरीब है। आमतौर पर, सामाजिक मानदंडों, वर्जनाओं और प्रथाओं के कारण महिला जेंडर को कमजोर लिंग बना दिया जाता है। जेंडर-आधारित भेदभाव लड़कियों और महिलाओं को मौलिक मानवाधिकारों से वंचित कर गरीबी को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, गरीबी पीढ़ियों तक बनी रह सकती है, और इसलिए आने वाले दशकों और पीढ़ियों तक किसी राष्ट्र की प्रगति और विकास पर इसका असर पड़ सकता है।

2005-06 और 2019-21 के बीच भारत में गरीबी लोगों की संख्या में लगभग 41.5 करोड़ की गिरावट आई है। यह एक ‘ऐतिहासिक परिवर्तन’ है। SDG 1 का मिशन गरीबी में जी रहे पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के अनुपात को कम से कम 50% कम करना है।



क्या गरीबी व्याप्त है?

'गरीबी' की अवधारणा के 'कई आयाम' हैं - भोजन, आवास, स्कूली शिक्षा, रोजगार जैसे संसाधनों तक पहुँचने की क्षमता; व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों को प्रबंधित करने की क्षमता; और सामाजिक प्रक्रियाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेने की क्षमता; और अपने जीवन के पहलुओं के संबंध में चुनाव करना। इनमें से अधिकांश क्षमताएँ व्यक्ति की आय और व्यय क्षमता से जुड़ी हुई हैं!



क्या आप जानते हैं?

अत्यधिक गरीबी से अपराध में वृद्धि हो सकती है! ऐसे समाज, राष्ट्र और शहर जहां कुछ अमीर लोग और बहुत सारे गरीब लोग हैं; जहां संसाधनों और धन का अत्यधिक असमान वितरण है; उन्हें अपराध की उच्च दर, अधिक असामाजिक गतिविधियों और उच्च सामाजिक अशांति का सामना करना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अत्यधिक गरीबी किसी व्यक्ति की जीवित रहने की क्षमता को खतरे में डाल सकती है। इसलिए इनमें से कई लोग जीवित रहने के लिए अपराध का रास्ता चुन लेते हैं।

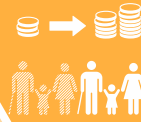


SDG 1 के अंतर्गत आए लक्ष्य



गरीबी को 50% या 50% से ज़्यादा ख़त्म करना

2



1



अत्यधिक ग़रीबी और भूख का उन्मूलन



स्वामित्व, बुनियादी सेवाओं, प्रौद्योगिकी और आर्थिक संसाधनों पर समान अधिकार सुनिश्चित करना

4



3



सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ लागू करना



ग़रीबी ख़त्म करने के लिए नीतियों को लागू करने के लिए संसाधन जुटाना

A



5



पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक आपदाओं के प्रति लचीलापन सुनिश्चित करना



B



ग़रीब के अनुरूप और जेंडर-संवेदनशील नीतियाँ बनाना



उन्होंने कर दिखाया!

साझा करने की परवाह!

जो कुछ भी आप अपनी ओर से 'अति-उपभोग' समझते हैं उसे दान करें! अपनी 'इच्छाओं' को कम कर आप किसी को उनकी बुनियादी ज़रूरतें पूरी करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद शहर, 'मानवता की दीवार' के माध्यम से अपने नागरिकों को अपने अप्रयुक्त कपड़ों को दूसरों की मदद करने की भावना से साझा करने के लिए प्रेरित करता है। आवश्यकतानुसार, कोई भी ऐसा ज़रूरतमंद व्यक्ति साझा किये कपड़ों का पुनः उपयोग कर सकते हैं।

ऐसी ही एक पहल आम दवाओं को ऐसे नागरिकों तक पहुँचाने के लिए की गई है जो आवश्यक दवाएँ खरीदने में असक्षम हैं। इस पहल के अंतर्गत नागरिक बची हुई (अच्छी) दवाएँ एक बॉक्स में छोड़ सकते हैं और ज़रूरतमंद व्यक्ति वो दवा प्रयोग में ले सकते हैं।

कुछ ऐसी ही सोच से, RadioMirchi ने आवासीय सोसाइटियों में एक सामान्य रेफ्रिजरेटर प्रदान कर, अभियान शुरू किया, जहां बचे हुए लेकिन अच्छी गुणवत्ता वाले भोजन को उन लोगों के लिए स्टॉक किया जा सकता है जो उस दिन पका हुआ भोजन नहीं खरीद सकते थे!



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. आप यह सुनिश्चित करके SDG1 में योगदान कर सकते हैं कि निम्नलिखित विशेषाधिकारों तक सभी को समान पहुँच प्राप्त है:
 - A. काम करने और कमाने का अवसर।
 - B. भोजन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन जैसी आवश्यक सेवाएँ।
 - C. जीवन बीमा सुनिश्चित करने की क्षमता।
 - D. संचार प्रौद्योगिकी।
2. अपना समय सामाजिक गतिविधियों के लिए स्वेच्छा से दें।
3. वृद्धाश्रमों और अनाथालयों जैसी सुविधाओं में अपनी सेवाएँ प्रदान करें।
4. नीचे दिए गए जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्वैच्छिक सेवाओं का हिस्सा बनें:
 - A. भारत स्काउट्स एवं गाइड्स
 - B. राष्ट्रीय समाज सेवा
 - C. जब आपके शहर के नगर निगम, या शहर/ग्राम प्रशासन प्राधिकारियों द्वारा बुलाया जाए



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



अल्लादीन का चिराग

उद्देश्य

छात्रों को 'जरूरतों और इच्छाओं' और इनका समाज पर हो रहे प्रभाव को समझने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- विद्यार्थियों को 5-6 के समूहों में बाँटें।
- प्रत्येक समूह को यह कल्पना करने के लिए कहें कि यदि उनके पास अल्लादीन का चिराग हो, और ये वरदान हो कि वो कोई तीन इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं तो वे क्या चाहेंगे और क्यों?
- समूहों से कहें कि वे आपस में अपनी इच्छा सूची की संभावनाओं पर चर्चा करें।
- अब उनसे कहें कि सूचित इच्छाओं को प्राथमिकता का क्रम देना शुरू करें। इसके लिए समूह के सदस्यों को आपस में चर्चा करनी होगी. चर्चा द्वारा प्रत्येक समूह को अपनी सूची में से अंत में 3 सबसे महत्वपूर्ण इच्छाओं को चुनना है।
- हर समूह को अब उनकी 3 सबसे महत्वपूर्ण इच्छाओं और उन इच्छाओं को प्राथमिकता पर रखने के कारणों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए कहें।
- उनसे चर्चा करें कि एक इंसान को स्वस्थ, खुश और सम्मान के साथ जीने के लिए क्या-क्या चाहिए? ये ही 'मानवीय जरूरतें' हैं, बाकी सब हमारी इच्छाएँ हैं। 'जरूरतों' का होना गलत नहीं है, लेकिन जब 'जरूरतों' का अनुपात बढ़ने लगता है, तभी समस्याएँ भी आने लगती हैं। उन्हें 'अपनी जरूरतों' से ज्यादा उपभोग करने जैसे मुद्दों पर विचार करने के लिए कहें। क्या आप किसी और के संसाधनों का प्रयोग और शोषण कर रहे हैं?
- उनसे यह सोचने के लिए भी कहें कि क्या वे स्वयं की जीवनशैली में थोड़े से बदलाव के द्वारा किसी और को उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम कर सकते हैं?



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



उन्हें बाहर निकलने में मदद करें

उद्देश्य

छात्रों को गरीबी उन्मूलन के लिए कार्य करने में सक्षम बनाना।

एक्टिविटी का विवरण

- यह एक व्यक्तिगत गतिविधि है।
- सभी विद्यार्थियों से उन लोगों की सूची बनाने के लिए कहें जो उन्हें अपना रोजमर्रा का जीवन आराम और गुणवत्ता के साथ जीने में मदद करते हैं। उन्हें उदाहरण दीजिए, यह एक सब्जी विक्रेता, एक ड्राइवर, या यहां तक कि एक घरेलू सहायक, या यहां तक कि एक दोस्त भी हो सकता है।
- अब उनसे इस व्यक्ति का नाम एक सादे कागज़ के बीच में लिखने के लिए कहें।
- उनसे उस प्रकार की गरीबी के बारे में सोचने के लिए कहें जिसका यह व्यक्ति सामना कर रहा है - उदाहरण के लिए एक घरेलू कामगार को 'मुख्यधारा के समाज से बहिष्कार' के कारण सामाजिक गरीबी का सामना करना पड़ सकता है; या कोई मित्र गरीब हो सकता है क्योंकि वह स्वयं के लिए निर्णय लेने में असमर्थ है', आदि।
- जब गरीबी के मुख्य स्वरूप की पहचान हो जाती है, तो प्रत्येक शिक्षार्थी को उन तरीकों को लिखना चाहिए जिनसे वे इस व्यक्ति को गरीबी के पहचाने गए स्वरूप से बाहर आने में मदद कर सकते हैं - यह उनकी पढ़ाई में मदद करके हो सकता है; उन्हें डिजिटल साक्षरता बढ़ाने में मदद करना; उन्हें बैंक खाता खोलने में मदद करना, आदि।
- 'मदद की पेशकश' पर निर्णय लेने की एकमात्र शर्त यह है कि 'वे उस व्यक्ति को पैसे की पेशकश नहीं कर सकते'।
- अब उनसे स्वेच्छा से अपने कागज़ की शीट दूसरों के साथ साझा करने के लिए कहें।
- उन्हें याद दिलाएँ कि गरीबी के कई स्वरूप हैं और हम सभी कम से कम एक व्यक्ति को 'गैर-मौद्रिक' सहायता देकर उनकी गरीबी के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं।





भुखमरी की समाप्ति

भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा

2 ZERO HUNGER



क्या आपने कभी अपने स्कूल के टाइम-टेबल में दिए हुए रीसेस (recess breaks) के बारे में सोचा है! अपने स्कूल के टाइम-टेबल के बारे में थोड़ा गौर दें। आप इसे अपने बैग पैक करने के लिए प्रतिदिन उपयोग करते हैं, है ना? क्या यह नीचे दिए गए टाइम-टेबल जैसा दिखता है?

अवधि	1	2	3		4	5		6	7		8	9	
समय	8.15 to 8.55 am	8.55 to 9.35 am	9.35 to 11.15 am	11.15 to 11.25 am	11.25 to 12.05 pm	12.05 pm to 12.45 pm	12.45 to 1.30 pm	1.30 to 2.10 pm	2.10 to 2.50 pm	2.50 to 3.00 pm	3.00 to 3.40 pm	3.40 to 4.20 pm	
सोम				रि से स			रि से स			रि से स			
मंगल													
बुध													
गुरु													
शुक्र													
शनि													

क्या आपने कभी सोचा है कि स्कूल के टाइम-टेबल में 3 रिसेस (ब्रेक) क्यों होते हैं? ये ब्रेक कैसे तय होते हैं? क्या आप जानते कि इसके पीछे विज्ञान है? हाँ हमारे पाचन तंत्र का विज्ञान। भोजन के बाद, भोजन को पेट और छोटी और बड़ी आंतों के माध्यम से धकेल कर हमारा जठरांत्र पथ धीरे-धीरे खाली हो जाता है। इस प्रक्रिया में लगभग 130 मिनट का समय लगता है। खाने के लगभग 2 से 2.5 घंटे बाद, हमारा मस्तिष्क हमारे पेट से संदेश प्राप्त करता है और हमें बताता है कि यह हमारे अगले भोजन का समय है। स्कूल टाइम-टेबल में छोटे ब्रेक और लंबे लंच ब्रेक का आधार यही विज्ञान है।

आज दुनिया में लगभग 35,00,00,000 (350 मिलियन) बच्चों और उनके परिवारों के पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है। SDG 2 का लक्ष्य 2030 तक दुनिया से भुखमरी की समाप्ति करना है। विशेष रूप से, SDG 2 का लक्ष्य 'भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और पोषण में सुधार करना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है।'

SDG 2 के अंतर्गत आए लक्ष्य



स्रोत: <https://www.wfpusa.org/articles/10-facts-child-hunger/> — United Nations World Food Programme



कुछ लोग इतना अधिक खाना लेते हैं कि वे पूरा खत्म नहीं कर पाते और उसका कुछ हिस्सा फेंक देते हैं, जबकि दूसरों के पास ज़रूरत भर का खाना खरीदने और पेट भरने का इंतज़ाम भी नहीं होता।



लम्बे समय तक एक ही प्रकार का भोजन खाने से कुपोषण हो सकता है



कुछ सलाह कि हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं!

माता-पिता, बच्चों और अन्य वयस्कों के बीच जागरूकता बढ़ाकर कुपोषण को कम करें



बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम करने में सहायक हों



छोटे किसानों और स्थानीय किराना विक्रेताओं का समर्थन करें



विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती और पशुपालन को बढ़ावा दें



क्या आप जानते हैं?

- तीन अरब लोग स्वस्थ आहार के लिए भोजन खरीदने में असमर्थ हैं, और दो अरब अत्यधिक भोजन और मोटापे से पीड़ित हैं।
- दुनिया भर में लाखों लोग भूख से पीड़ित हैं क्योंकि वे अपना भोजन खुद खरीदने या उगाने में सक्षम नहीं हैं। गरीबी और आय-वितरण में असमानता भूख के दो मूल कारण हैं।
- अल्पपोषण बहुत कम भोजन और 'मोटापाबहुत अधिक भोजन; एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों ही 'कुपोषण' नामक समस्या के प्रकार हैं।
- 0 से 2 वर्ष के दौरान कुपोषण बच्चे के विकास (शारीरिक और मानसिक) पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, जिससे बच्चा अविकसित रह जाता है, कुछ मामलों में इसका प्रभाव जीवन भर रहता है।
- विश्व स्तर पर 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

भुखमरी का दुश्चक्र

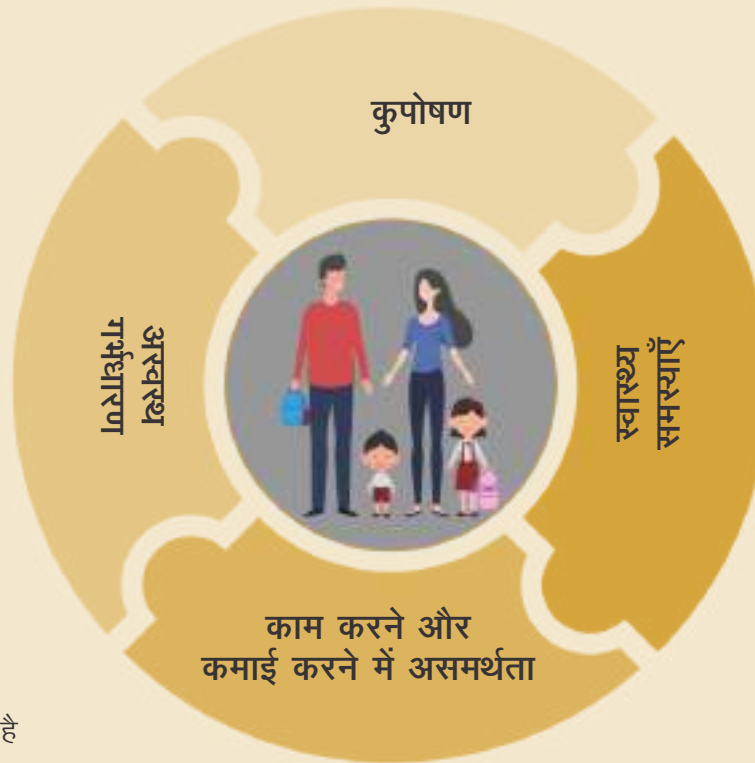
शरीबी के कारण उत्पन्न हुई भुखमरी से पैदा हुई परिस्थितियाँ एक दीर्घकालीन दुश्चक्र का निर्माण करती हैं, जिनसे कई पीढ़ियाँ ग्रस्त रहती हैं:



बालपन में
खराब पोषण शारीरिक
और मानसिक विकास
को रोकता है



परिवार में
गर्भावस्था के दौरान खराब
स्वास्थ्य के कारण बच्चा
कुपोषित हो जाता है और
दुश्चक्र फिर से शुरू हो जाता है



युवावस्था में
गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ
बच्चों को स्कूल से
दूर रखती हैं



वयस्कों में
शिक्षा का अभाव कार्य करने
और नौकरी प्राप्त करने
की क्षमता को सीमित
कर देता है

उन्होंने कर दिखाया!

चलो बेंगलुरु को खाना खिलाएँ

'लेट्स फीड बेंगलुरु अभियान' भुखमरी की समस्या का एक बहुत ही सरल समाधान प्रदान करता है—हर घर में थोड़ा अतिरिक्त भोजन पकाना और उसे ज़रूरतमंद तक पहुँचाना। हम हर महीने एक बार भोजन-अभियान (फूड-ड्राइव) चलाते हैं। जब भी हम भोजन-अभियान चलाते हैं तो हम हमारे कार्यक्रम से जुड़े खाद्य-दाताओं से उस दिन थोड़ा अतिरिक्त भोजन पकाने के लिए कहते हैं। यह अतिरिक्त भोजन उन डब्बों (कंटेनरों) में पैक किया जाता है जो हमने हमारे खाद्य-दाताओंको दिए हैं। फिर हमारे स्वयंसेवक उन सभी घरों से डब्बों में पैक किया गया अतिरिक्त भोजन शहर में स्थित हमारे अलग-अलग वितरण स्थल पर लाते हैं और वहां यह भोजन ज़रूरतमंद बच्चों और बुजुर्गों को परोसा जाता है।

युवा बिजनेस एकजीक्यूटिव और 'लेट्स फीड बेंगलुरु' के संस्थापक हर्षिल मित्तल बताते हैं, हमने इस अभियान की शुरुआत अक्टूबर 2015 में शुरू की थी, और आज 'लेट्स फीड बेंगलुरु' के साथ 750 पंजीकृत स्वयंसेवक जुड़े हैं, जो कि हजारों भूखे नागरिकों को खाना खिलाने में योगदान देते हैं।

स्रोत : <https://yourstory.com/socialstory/2019/03/lets-feed-bengaluru-food-drive-nhdbvgauw> <https://www.thebetterindia.com/56533/lets-feed-bengaluru-hunger-in-india/>

अक्षय-पात्र: जो लाखों भारतीय बच्चों को स्कूल तक पहुंचा रहा है

अक्षय-पात्र फाउंडेशन ने जून, 2000 में 5 सरकारी स्कूलों में 1,500 बच्चों को मुफ्त मध्याह्न भोजन प्रदान करके अपना मध्याह्न भोजन कार्यक्रम शुरू किया। आज यह संस्था 22,367 सरकारी स्कूलों में 20 लाख स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराती है। आज अक्षयपात्र भारत के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 66 रसोईघरों का प्रबंधन करता है। अक्षय-पात्र फाउंडेशन की यह पहल, विश्व में कोई भी गैर सरकारी संगठन द्वारा प्रबंधित किया जाने वाला सबसे बड़ा मध्याह्न भोजन कार्यक्रम है।

जिज्ञासा के लिए शायद आप यह जानना चाहेंगे कि 'अक्षय' का मतलब क्या है? और हिंदू पौराणिक कथाओं में 'अक्षयपात्र' का क्या महत्व है!



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. खाना बर्बाद न करें. विश्व के कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 17% भोजन बर्बाद हो जाता है। और भोजन की बर्बादी से संसाधन की बर्बादी हो सकती है, जिससे गरीबी बढ़ती है।
2. अपने आप को कई बार छोटे-छोटे हिस्सों में परोसेंहर बार यह सुनिश्चित करें कि आपने जो कुछ भी परोसा है उसे पूरा खा रहे हैं।
3. घर में बचे हुए खाने से नए व्यंजन बनाएँ।
4. मौसमी फलों/मसालों/सब्जियों को स्टॉक करने के लिए प्राकृतिक तरीकों (जैसे धूप में सुखाना या अचार बनाना) का उपयोग करें; इन्हें कोल्ड स्टोरेज से न खरीदें.
5. सुनिश्चित करें कि जब आप रसोई का सामान खरीदने के लिए बाहर जाएँ तो आप (और/या आपका परिवार) आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बना लें। इससे आपको अनावश्यक और अनायास खरीदारी से बचने में मदद मिलेगी।
6. खाना खराब होने से पहले ही खा लें.
7. स्थानीय और मौसमी फल और सब्जियाँ खाएँ, क्योंकि बेमौसमी भोजन आपकी थाली तक पहुंचने के लिए मौसमी और स्थानीय भोजन की तुलना में कई गुना अधिक संसाधनों और ऊर्जा का उपयोग करता है, और इसलिए गरीबी और प्रदूषण को जन्म देता है।
8. यदि आप कर सकते हैं तो कम से कम एक ऐसे व्यक्ति को खाना खिलाने का प्रयास करें जो भूख से पीड़ित हो।
9. भूखों को खाना खिलाने वाली एजेंसियों/पहलों/कार्यक्रमों में स्वयं को शामिल करें।
10. अगर आपको कोई भीख मांगते हुए मिले तो उसे पैसे की जगह फल/खाना दें।

संयुक्त राष्ट्र ने भारत सरकार की सिफारिश पर वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मिल्लेट्स (मोटे अनाज) वर्ष 2023' घोषित किया है।

वैश्विक समुदाय के समक्ष यह प्रस्ताव रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, भारत मिल्लेट्स (बाजरा जैसे मोटे अनाज) को लोकप्रिय बनाने में सबसे आगे होने पर सम्मानित महसूस कर रहा है। मिल्लेट्स का सेवन पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा देता है।



INTERNATIONAL YEAR OF
MILLETS
2023

भुखमरी और भारत: कुछ विडंबनाएँ



भारत पिछले 30 वर्षों में खाद्यान्न की कमी वाले देश से आत्मनिर्भर खाद्य-उत्पादक देश बन गया है। आज भारत में खाद्य सुरक्षा अच्छी है।

1950-51 से 2019-2020 के दौरान, भारत में खाद्यान्न उत्पादन 6 गुना बढ़कर 50 मिलियन टन से लगभग 300 मिलियन टन हो गया। परिणामस्वरूप हम खाद्य निर्यातक देश बन गये हैं। भारत दुनिया में कृषि उत्पादों का नौवां सबसे बड़ा निर्यातक है।

राष्ट्रीय पोषण मिशन (NNM: National Nutrition Mission), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, जीरो हंगर प्रोग्राम, ईट राइट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल और भूख मिटाने और फूड फोर्टिफिकेशन सुनिश्चित करने के प्रयास भारत सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

पीएम पोषण (पोषण शक्ति निर्माण) योजना सरकारी स्कूलों में ताजा पका हुआ गर्म भोजन प्रदान करती है (जिसे पहले 'स्कूलों में मध्याह्न भोजन का राष्ट्रीय कार्यक्रम' के रूप में जाना जाता था)। इसमें कक्षा I-VIII में पढ़ने वाले सभी स्कूली बच्चों को शामिल किया गया है।



भारत खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी चिंताओं की चुनौती का सामना कर रहा है। सिंचाई के लिए अनुपचारित पानी के उपयोग से वायरस और बैक्टीरिया द्वारा खाद्य संदूषण की समस्या, कीट संक्रमण, खराब स्वच्छता और खराब अपशिष्ट प्रबंधन भी शहरी गरीबों के स्वास्थ्य के संबंध में प्रमुख चिंताएँ हैं।

भूमि क्षरण भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। तेजी से घटती जैव विविधता भी खाद्य सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। उर्वरक का असंतुलित उपयोग और एक ही उर्वरक के अत्यधिक उपयोग के कारण भारत में कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा बंजर हो गया है।

सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के कारण महिलाओं और बच्चों का सही पोषण अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

कोविड-19 के प्रकोप ने किफायती और पौष्टिक भोजन तक आम व्यक्ति की पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। स्कूलों और आँगनवाड़ियों के बंद होने से मध्याह्न भोजन कार्यक्रम से बच्चों को मिल रहे पोषण पर भी दुष्प्रभाव पड़ा है।

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



साझा करने की चाह!

उद्देश्य

स्कूल को भूख से पीड़ितों की मदद करे।

एक्टिविटी का विवरण

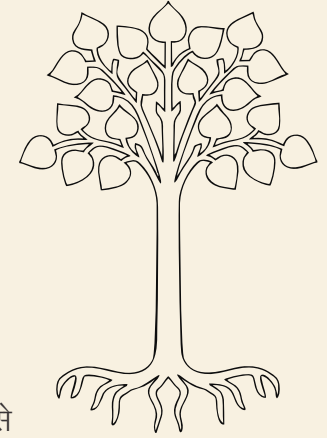
- अपने विद्यालय में 'केयर टू शेयर' क्लब लॉन्च करें।
- कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों को क्लब का प्रभारी बनायें।
- क्लब का मिशन 'भूख से पीड़ित लोगों को खाना उपलब्ध कराना व उनके स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल करना' हो सकता है।
- क्लब को कुछ स्टील के बड़े डिब्बे (कम से कम एक सब्जी, चपाती और चावल ले जाने के लिए पर्याप्त संख्या और डिजाइन वाले) और बड़े फलों की टोकरियाँ/थैलों की व्यवस्था करनी चाहिए।
- प्रत्येक वैकल्पिक दिन (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) को क्लब के सभी छात्र अपने-अपने लंच-बॉक्स में घर का बना कुछ अतिरिक्त भोजन और/या फल ले कर आएँ।
- सदस्यों द्वारा लाया गया अतिरिक्त भोजन बड़े कंटेनरों में अच्छी तरह से पैक करें और फिर क्लब उसे स्कूल-प्रबंधन को सौंप दें।
- फिर स्कूल-प्रबंधन इसे पास के अनाथालय और/या वंचितों के लिए किसी ऐसे स्कूल तक पहुँचा दें जो अपने छात्रों को मध्याह्न भोजन परोसने में सक्षम नहीं है।
- क्लब अपने सदस्यों के लिए प्रतियोगिताओं की घोषणा और आयोजन भी कर सकता है और विभिन्न पुरस्कार भी दे सकता है; इससे स्कूल के छात्र केयर टू शेयर पहल में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित होते रहेंगे।
- क्लब स्कूल में 'स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो' अभियान भी शुरू कर सकता है।



- क्लब किसी डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से भी अनुरोध कर सकता है कि वह आएँ और स्कूली बच्चों को अच्छे पोषण और शून्य अपव्यय प्रथाओं पर संबोधित करें।
- बच्चों को स्वस्थ भोजन करने, सही मात्रा में खाने और अपने भोजन के डिब्बे में पर्याप्त मात्रा में भोजन लाने के लिए प्रोत्साहित करके 'भोजन की बर्बादी न करें' अभियान का आयोजन करें।
- विद्यालय में 'बचे हुए भोजन से सर्वोत्तम व्यंजन बनाने की विधि' प्रतियोगिता आयोजित करें।
- पोषक तत्वों, फसलों और भोजन के बारे में जानने के लिए छात्रों के लिए बाज़ार, बड़े किराना स्टोर, स्थानीय खेत जैसे स्थानों पर किसानों के साथ बातचीत करने आदि के लिए एक्सपोज़र विजिट का आयोजन करें।
- स्कूल में 'खाद्य बैंक' शुरू करने के लिए भोजन दान करने के लिए एक अभियान चलाएँ, जिसे पास के अनाथालय या वृद्धाश्रम आदि से जोड़ा जा सकता है।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



समाधानों का पेड़

उद्देश्य

छात्रों को भुखमरी के मूल कारणों का पता लगाने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- विद्यार्थियों को 6-8 के समूह में काम करने दें। प्रत्येक समूह को कुछ चार्ट पेपर और स्केच पेन प्रदान करें; और उनसे चार्ट पर एक बड़ा पेड़ बनाने को कहें; प्रत्येक समूह को तीन प्रकार की चर्चा करने के लिए कहें:
 - ए) चर्चा करें कि 'भूख और भुखमरी' का निम्नलिखित पर क्या प्रभाव पड़ सकता है: (i) बच्चे; (ii) वयस्क; और (iii) उनका गांव/शहर/भारत; विद्यार्थियों को कुछ उदाहरण देकर इसे सुगम बनाएँ; जैसे कि भूख से बच्चा कमजोर हो सकता है और बार-बार बीमार पड़ सकता है, जिससे वह स्कूल से अनुपस्थित रह सकता है; या भूख किसी वयस्क को खाना/पैसा चुराने पर मजबूर कर सकती है; भूख मेरे गांव/शहर में अपराध की दर बढ़ा सकती है। उन्हें बताएँ कि जो प्रभाव उन्होंने सूचीबद्ध किए हैं, उन्हें अब 'उनके द्वारा चार्ट पेपर पे बनाये गए पेड़ के तने' में लिखा जाना चाहिए; बी) अब विद्यार्थियों के समूहों से भूख के संभावित कारणों पर चर्चा करने के लिए कहे। कुछ उदाहरण दें, जैसे कि आय का न होना, महँगाई, आदि। उनसे कहें कि वे भूख के इन कारणों को अपने द्वारा बनाए गए पेड़ की जड़ों पर लिखें; सी) चर्चा के अंतिम दौर में, उन्हें उन संभावित प्रयासों पर विचार-विमर्श करना चाहिए जो भूख और भुखमरी की समस्या को हल करने में मदद कर सकते हैं। समूहों से इन संभावित प्रयासों को पेड़ की पत्तियों पर लिखने के लिए कहें।
 - अब विद्यार्थियों के समूहों को बताएँ कि उन्होंने जो एक्टिविटी में अभी किया वो 'भूख' की समस्या का विश्लेषण था, जिसके लिए उन्होंने 'प्रॉब्लम ट्री' नाम का टूल इस्तेमाल किया। प्रत्येक समूह को उनके द्वारा बनाए गए 'प्रॉब्लम ट्री' को दूसरों के सामने प्रस्तुत करने के लिए कहें; विद्यार्थियों के अन्य समूहों को उनके साथ चर्चा में शामिल होने दें।
 - अंत में शिक्षक कुछ प्रश्न पूछकर व चर्चा कर के इस गतिविधि को समाप्त कर सकते हैं। जैसे कि: ए) क्या ऐसा कुछ है जिसे आम व्यक्ति भुखमरी की समस्या को कम करने के लिए कर सकता है; बी) क्या भुखमरी की समस्या हल हो सकती है? क्या युवा इस समस्या के समाधान में योगदान दे सकते हैं; सी) क्या प्रत्येक छात्र अपने आसपास रही भुखमरी की समस्या को कम करने में मदद करने के लिए एक अच्छी प्रथा/आदत का पालन करना चाहेगा?





उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन तंदुरुस्ती की बढ़ावा देना

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING



क्या आपने कभी किसी को यह कहते हुए सुना है,
'काश मैं स्वस्थ नहीं होता!'



क्या यह स्पष्ट नहीं है कि हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है; अगर इस पर कोई बहस नहीं है, तो दुनिया को स्वास्थ्य के बारे में बात क्यों करनी चाहिए और इसके लिए एक SDG समर्पित क्यों करना चाहिए? इससे पहले कि हम 'स्वास्थ्य पर चक्र क्यों' का जवाब जान सकें, आइए हम यह जानें कि आप स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को कैसे समझते हैं?

'स्वास्थ्य' आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। आप अपने स्कूलों में इसके बारे में सीखते हैं; आपकी विज्ञान की किताब में भी ऐसे अध्याय हैं जो स्वास्थ्य, बीमारी और बीमारियों की रोकथाम के बारे में चर्चा करते हैं।

'क्या स्वास्थ्य केवल शारीरिक है? क्या आपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पढ़ा है? हमें किस-किस प्रकार से स्वस्थ रखता है? स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के विभिन्न पहलुओं के बारे में और अधिक पता लगाने की कोशिश करें।

SDG 3 के अंतर्गत आए लक्ष्य

3.1

वैश्विक मातृत्व-मृत्यु दर को 100,000 जन्मों पर 70 से कम करना



3.2

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों मृत्यु दर को लगभग शून्य करना



3.3

संचारी रोगों को फैलने से रोकना



3.4

गैर-संचारी रोगों से हो रही मृत्यु के दर को कम करना और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना



3.5

मादक द्रव्यों के सेवन को रोकना और इलाज करना



3.6

सड़क दुर्घटनाएँ तथा उनसे होने वाली मृत्यों को कम करना



3.7

यौन और प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध करना



3.8

स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सार्वभौमिक बनाना



3.9

खतरनाक रसायनों और प्रदूषण से होने वाली बीमारियों और मृत्यु को कम करना



3

स्वस्थ जीवन और सभी के लिए तंदुरुस्ती पर केंद्रित है



हम स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों के बारे में चिंता क्यों करें ?

अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण एक मानव अधिकार है। स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी उम्र के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना एक समृद्ध समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए यह ज़रूरी है कि सरकार और अन्य एजेंसियाँ यह सुनिश्चित करें कि सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ और सुविधाएँ उपलब्ध हों।

अब हम वापस उस सवाल की चर्चा करें - यदि हम सभी स्वस्थ बने रहना चाहते हैं तो समस्या वास्तव में क्या है? इसे समझने के लिए, आइए हम सड़क पर चल रही एम्बुलेंस की कल्पना करें, एम्बुलेंस को कई अवरोधों का सामना करना होगा। जैसे कि किसी भी शहर में ट्रैफिक सिग्नल, ट्रैफिक जाम, या गाँव वाली परिस्थिति में शायद संकीर्ण रास्ते, गड्ढे, आदि। इसी तरह हालाँकि सभी लोग अच्छे स्वास्थ्य की चाह रखते हैं पर अक्सर अच्छे स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य परिबल, जैसे कि पौष्टिक खाना, डॉक्टर और अस्पतालों की सुविधा, दवाइयों की उपलब्धि, सभी नागरिकों की पहुँच में नहीं होती। कुछ प्रमुख अवरोधक जो अच्छे स्वास्थ्य में बाधा बनते हैं, उनका उल्लेख यहाँ दिए गए चित्र में वर्णित है।





उन्होंने कर दिखाया !

108 का जादू!

15 अगस्त, 2005 को हैदराबाद के एक भारतीय व्यवसायी श्री वेंकट चंगावल्ली द्वारा 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। 108 एम्बुलेंस सेवा ने कॉल-सेंटर तकनीक का प्रयोग करते हुए पूरे भारत में आपात कालीन चिकित्सा सेवाओं को प्रदान करना शुरू कर दिया। इस टोल-फ्री सेवा के लिए 108 नंबर को चुना गया था क्योंकि इसे भारत में प्रचलित कई धर्मों में एक शुभ संख्या माना जाता है।

आज 108 नंबर जीवन रक्षक का पर्याय बन गया है। 108 एम्बुलेंस सेवा 18 वर्षों से अधिक समय से सक्रिय है। अनुमान है कि अब तक 108 एम्बुलेंस सेवा ने डेढ़ लाख से अधिक लोगों की जान बचाई है। आज भी 108 दुनिया की सबसे बड़ी आबादी को सेवा प्रदान कर रहा है।

क्या आपने कभी सड़क पर 108 एम्बुलेंस को देखा है?



स्रोत: <https://www.dailyrounds.org/blog/the-108-ambulance-story-how-gvk-emri-has-revolutionized-emergency-services-in-india/>



दवाओं को सभी के लिए किफायती बनाना

सभी भारतीयों के लिए उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण (साधारण) दवाएँ उपलब्ध कराने के लिए, भारत सरकार ने 2008 में जन-औषधि अभियान शुरू किया। इस अभियान के अंतर्गत, देश के विभिन्न जिलों में 'प्रधान मंत्री जन-औषधि केंद्र' नामक बिक्री दुकानों के माध्यम से जेनेरिक दवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

अपने घर के निकटतम जनऔषधि केंद्र का पता लगाने का प्रयास करें।

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. पैक किए गए और संचित खाद्य पदार्थों की बजाय ताज़ा पकाया गया स्वस्थ भोजन करें;
2. अपनी दिनचर्या में व्यायाम, टहलना या योग जैसी आदतों को शामिल करें;
3. बाहर खेले जाने वाले खेल और गेम्स खेलना अपनी आदत में शामिल करें;
4. व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करें; और अपने परिवार से भी ऐसा करने का अनुरोध करें;
5. सड़क पर होने पर, सुनिश्चित करें कि आप एम्बुलेंस को रास्ता दें;
6. जब आप किसी बीमारी या संक्रमण से पीड़ित हों तो योग्य डॉक्टर की सलाह लें और उस सलाह का पालन करें;
7. यदि आप किसी योग्य डॉक्टर से परिचित हैं, तो उनसे अपने आस-पड़ोस / गांव / स्कूल के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करने का अनुरोध करें;
8. सोशल मीडिया पर किसी भी स्वास्थ्य/संक्रमण संबंधित संदेश प्राप्त करते समय, 'फैक्ट चेक' चरण का पालन करें; अनचाहे संदेशों को आगे न फैलाएँ;
9. अपने स्कूल में 'स्वास्थ्य क्लब' की शुरुआत करें/जुड़ें;
10. नजदीकी सरकारी/सार्वजनिक क्लिनिक या अस्पताल को स्वेच्छा से समय और सेवाएँ प्रदान करें।



क्या आप जानते हैं?

- योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। योग सचेतनता, संयम, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यों पर जोर देता है।
- भारतीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करके विश्व स्तर पर स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने का सुझाव दिया।
- तदनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग के अभ्यास के कई लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।



Yoga for Harmony & Peace

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



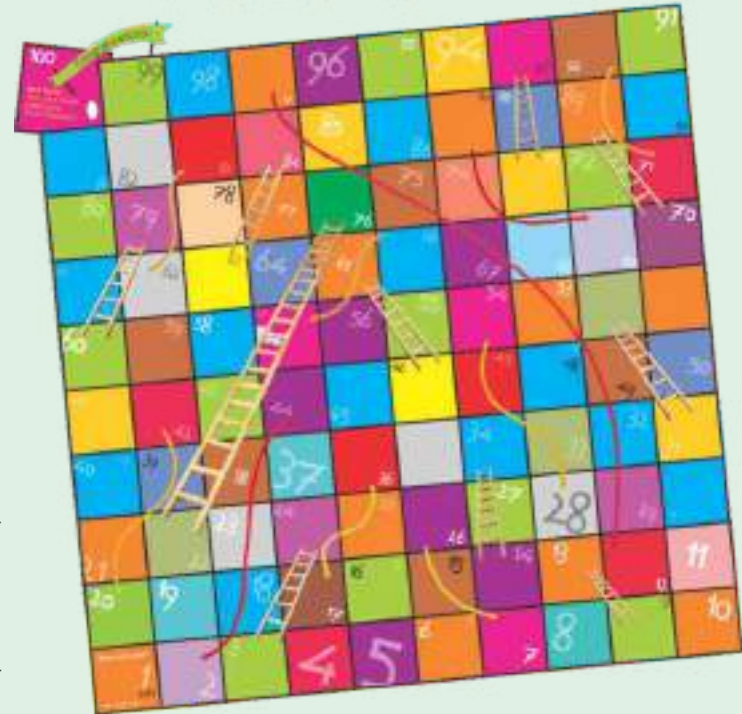
रस्सी और सीढ़ी का खेल

उद्देश्य

बच्चों को स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर प्रभाव डालने वाले सकारात्मक और नकारात्मक कारकों की पहचान करने में सहायता करना।

एक्टिविटी का विवरण

- खेल प्रसिद्ध 'साँप सीढ़ी' बोर्ड गेम के बहुत ही समान है।
- स्कूल को इस खेल के ढांचे को एक बड़े फैब्रिक पर पेंट करवाना चाहिए और क्यूब के आकार वाले एक बड़े तकिए को पासा बना देना चाहिए। (यदि स्कूल में जगह है, तो इस बोर्ड को स्थायी रूप से स्कूल के लॉबी/कोरिडोर में पेंट भी करवाया जा सकता है)।
- नीचे स्वास्थ्य और कल्याण के समर्थकों और निवारकों की एक सूची दी गई है। शिक्षक इस सूची में और भी जोड़ सकते हैं, साथ ही हर एक को एक बड़े आकार के A4 शीट पर प्रिंट करवा के लैमिनेट करवा भी सकते हैं ताकि वे अधिक समय तक टिके रहें।
- अब आप छात्रों को प्रत्येक राउंड में 4-5 के समूहों में इस गेम को खेलने की अनुमति दे सकते हैं।





स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती: व्यक्तिगत आदतें



समर्थक

जब आपको झूले से गिरकर चोट लगी थी तब आपने एंटी-टेटेनस इंजेक्शन लिया था।

आपने भोजन करने से पहले साबुन और पानी से हाथ धोये थे।

आपने अपने दोस्त के साथ स्वस्थ भोजन शेयर किया था।

आपने अपने सहपाठियों को परेशान नहीं किया।

आपने रसोई में रखा खाना ढक दिया था।

आपने स्कूल के लंच-बॉक्स में घर की बनी सब्जी-पराठा/चावल लाए थे।

आपने पर्याप्त मात्रा में पानी पिया था।

आपने गर्मी में नींबू-पानी / छाछ पी थी।

जब आपको वायरल बुखार हुआ था तब आप घर पर ही रहे और आराम किया था।

आपने छींकते समय मुँह को ढंकने के लिए रुमाल का उपयोग किया था।

मानसून के बाद आपने घर के बाहर पड़े सभी कबाड़ बर्तनों और गड्ढों से पानी खाली कर दिया था।

आप अपने स्कूल के स्वास्थ्य क्लब के सदस्य हैं।

निवारक

आपने अपने टिफिन बॉक्स में घर का बना खाना ले जाने से इनकार कर दिया।

आपने पिछले 4 दिनों में लंच ब्रेक के दौरान चिप्स और बिस्किट के पैकेट खाये हैं।

आपने और आपके दो दोस्तों ने एक साथ बाइक की सवारी की थी।

आपने खांसी और जुकाम होने के बावजूद नई फिल्म देखने के लिए थिएटर जाने का निर्णय लिया था।

प्यास बुझाने के लिए आप हमेशा एरिटेड कोल्ड ड्रिंक पीना पसंद करते हैं।

आप और आपके घरवाले, अपने घर का कचरा अपनी ही गली के एक खाली प्लाट में डालते हैं।

आप शायद ही कभी अपने नाखून काटते हैं।

आपने अपनी छोटी बहन को टीकाकरण के लिए क्लिनिक / घुम (सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र) ले जाने से इनकार कर दिया था।

आप स्कूल हेल्थ क्लब की पिछली 3 बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं।

आपने अपने डॉक्टर द्वारा निर्धारित एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा नहीं किया था।

आपने उपयोग के बाद शौचालय को फ्लश नहीं किया था।

आपने अपनी बाइक चलाते समय एम्बुलेंस को रास्ता नहीं दिया था।

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



मुझे तनाव दूर करने में मदद करो!

उद्देश्य

वरिष्ठ किशोरों और युवाओं को तनाव का सामना करने और उस से निपटने के तरीके सीखने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- पूरी क्लास को 2-2 की जोड़ियों में बांट दें (बेहतर होता है कि छात्रों को अपने साथी चुनने की अनुमति दी जाए)।
- प्रत्येक जोड़ी को एक-दूसरे से बात करने के लिए 10 मिनट का समय दें: उन्हें शर्त दें कि इन 10 मिनटों के दौरान, दोनों साथी एक-एक करके आपस में बात करें।
- दोनों साथियों को आपस में होने वाली बातें पूर्ण रूप से गोपनीय रखनी चाहिए।
- उनसे कहें कि वे फैसला करें कि दोनों साथियों में से कौन पहले बात करेगा और कौन बाद में।
- अब जब प्रत्येक जोड़ा तैयार हो जाए, तो उन्हें बताएँ कि 'एक स्थिति / चीज जो उन्हें अभी सबसे ज्यादा परेशान कर रही है' के बारे में बात करने का समय शुरू हो गया है;
- उन्हें बताएँ कि 'सुनने वाला साथी', अपने वक्ता साथी के लिए 'सक्रिय श्रोता' होना चाहिए; और यदि उनके साथी केवल मदद / राय / सलाह चाहते हैं तो ही उन्हें बोलना चाहिए;
- 5 मिनट के बाद, उन्हें भूमिकाएँ बदलने के लिए कहें- वक्ता श्रोता बने और श्रोता वक्ता;



- 5-5 मिनट के दो राउंड पूरे होने के बाद और जब दोनों साथी एक दूसरे से बात कर चुके हों तब आप उन्हें बातचीत समाप्त करने के लिए कह सकते हैं;
- अब प्रत्येक छात्र से 1 से 5 के पैमाने पर अपनी 'खुशी / मानसिक राहत / शांति' को रेट करने के लिए कहें, जिसमें 5 सबसे शांतिपूर्ण हैं और 1 सबसे अधिक तनावग्रस्त है।
- चर्चा करें, यदि समग्र रूप से, क्या कक्षा में सभी लोग इस गतिविधि से पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं।

संबंधित प्रतिभागियों को सूचित करें कि 'मानसिक स्वास्थ्य' 'समग्र कल्याण' का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तनाव और परेशानी हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल सकते हैं और नींद की कमी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग / व्यसन, अत्यधिक खाने के विकार, वजन में वृद्धि, हार्मोनल असंतुलन, पिंपल्स आदि जैसी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियों को सूचित करें कि जीवन में समस्याएँ और तनाव होना सामान्य है। हम सभी के पास हमारा 'तनाव का बकेट' होता है, जहाँ हम अपनी समस्याएँ और तनाव पार्क करते हैं। हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि हमें इस बाल्टी को ओवर-फ्लो नहीं होने देना चाहिए; और इसे रोकने के लिए हमें अपने तनाव बकेट के नीचे एक नल लगाना चाहिए।

इस ऐक्टिविटी में, हमारा 'सुनने वाला साथी' वास्तव में हमारे तनाव बकेट का एक नल था, जिसने हमारे तनाव बकेट को ओवर-फ्लो होने से रोकने में मदद की।

वरिष्ठ छात्रों को समझाने के लिए शिक्षक द्वारा कुछ और प्रश्न/प्संकेत हैं जो विचार को गहराई से समझाने में मदद कर सकते हैं:

- कुशलता / कल्याण को कैसे मापा जाता है?
- सबसे महत्वपूर्ण जीवन शैली से जुड़ी ऐसी क्या चीज़ें हैं जो किसी व्यक्ति की कुशलता में योगदान करते हैं?
- क्या किसी समुदाय के जीवन स्तर और समुदाय के सदस्यों की कुशलता के बीच कोई संबंध है?
- किसी व्यक्ति या समुदाय की तंदुरुस्ती को कैसे सुधारा जा सकता है?
- क्या कुशलता डिप्रेसन और आत्महत्या जैसी चीज़ों से संबंधित है?
- यदि आप समुदाय में लोगों की कुशलता में सुधार करने के लिए एक काम कर सकते हैं तो यह क्या होगा?
- आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?
- कुछ ऐसी चीज़ें क्या हैं जो आप अपनी निजी कुशलता को बेहतर बनाने के लिए कर सकते हैं?





गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

समावेशी और न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कर सभी के लिए आजीवन शिक्षा प्राप्ति के अवसरों को बढ़ावा देना

4 QUALITY EDUCATION



ध्याना की कहानी, ध्याना की जुबानी

मैंने उनसे अपनी ज़रूरतों के विषय में बातचीत शुरू की। मैंने कहा, 'मैं स्कूल वापस जाना चाहती हूँ, लेकिन समस्या यह है कि आप चाहते हैं कि मैं पूरे दिन घर का काम करूँ और अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल करूँ। और यही कारण है कि मैं स्कूली शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हूँ।'

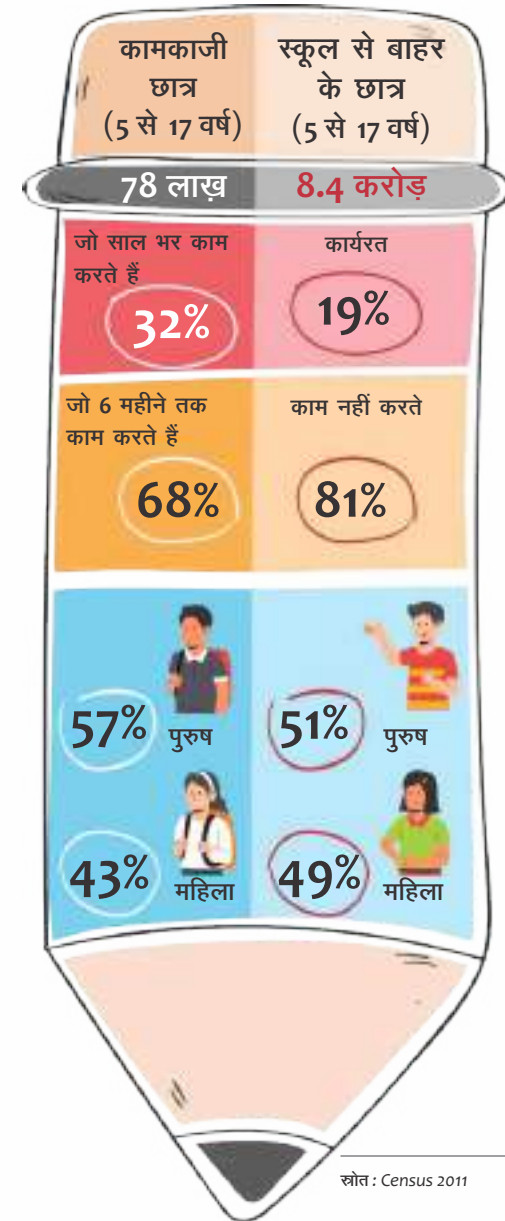
मेरे माता-पिता ने मुझे अपना दृष्टिकोण दिखाया। मेरी माँ ने कहा, 'ध्याना, तुम्हें पता है कि तुम्हारे पिता और मुझे, दोनों को घर का खर्च चलाने के लिए पूरे दिन काम करना पड़ता है तुम्हारे पिता दिन में खेत में काम करते हैं और रात में मिट्टी के बर्तन बनाते हैं, और मुझे पूरे दिन गाँव के बाज़ार में ये बर्तन बेचने के लिए रुकना पड़ता है। तुम परिवार की सबसे बड़ी बच्ची हो, और इसलिए घर और रसोई के काम-काज करने में और तुम्हारे छोटे भाई-बहन की देखभाल करने के लिए हमें तुम्हारी ज़रूरत रहती है। मैंने कहा, 'मैं यह जानती हूँ और समझती भी हूँ कि मुझे आपके और पिताजी के साथ घर ज़िम्मेदारी पूरी करने में मदद करनी होगी। उसके लिए यदि हम ऐसा करें कि प्रतिदिन माँ तुम गाँव के बाज़ार में मिट्टी के बरतन बेचने में समय लगाओ, उसकी जगह मैं ये बर्तन हर रविवार



पास वाले शहरी बाज़ार में बेचने जाऊँ तो? तो शायद हम रविवार अकेले में ही उतनी कमाई कर पाएँ जितनी कि पूरे सप्ताह में माँ कर पाती हैं ? और बाकी के दिन क्योंकि अब माँ को बाज़ार नहीं जाना होगा तो माँ तुम दिन भर के घर के काम और भाई-बहन की देखभाल का काम देख लेना । और शाम को मैं और पिताजी मिल कर रसोई के काम निपटा दिया करेंगे। इस प्रकार अपनी ज़रूरत की कमाई तो होगी ही और मैं स्कूल भी जा पाऊँगी.

ध्याना की खुशी के लिए, उसके माता-पिता उसके प्रस्ताव पर सहमत हो गए। ध्याना स्कूली शिक्षा फिर से शुरू करने में सक्षम हो गई है, और वह हर रविवार शहर के बाज़ार में अपने पिताजी के बनाये अत्यंत सुन्दर मिट्टी के बर्तन बेच कर अपनी पारिवारिक आय में भी योगदान देती है!

स्कूली शिक्षा और परिवार की कमाई और काम की ज़रूरत के बीच ताल-मेल बिठाने की दुविधा का सामना करने वाली ध्याना अकेली बच्ची नहीं है। भारत और विदेश में ऐसे लाखों बच्चे हैं जो स्कूल जाने या स्कूली शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हैं। स्कूली शिक्षा को बाधित करने वाले कई परिबल हैं, जैसे कि बुनियादी ढांचे, गरीबी, युद्ध, राजनीतिक संघर्ष आदि। कई बार, सामाजिक मान्यताएँ या प्रथाएँ भी बाधाओं के रूप में कार्य करती हैं, उदाहरण के लिए कुछ समुदायों/क्षेत्रों में केवल लड़के ही स्कूल जा पाते हैं, जबकि लड़कियों को घर पर रहना पड़ता है या कम उम्र में शादी करनी पड़ती है।



स्रोत : Census 2011

SDG 4 के अंतर्गत आए लक्ष्य



SDG 4 का महत्व

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर SDG 4 समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने के बारे में है। ऐसे कई कारक हैं जो एक नागरिक के 'जीवन की गुणवत्ता' को प्रभावित करते हैं। इनमें से 'शिक्षा' एक कारक है। हालाँकि, शिक्षा एक 'सुपर फैक्टर' भी है! ऐसा इसलिए है, क्योंकि यह बाकी कारकों को भी संचालित करती है। शिक्षा सोच को विकसित करती है, मुक्त करती है; शिक्षा कल्पना-शक्ति को बढ़ाती है और आत्म-सम्मान के लिए मौलिक रूप से अनिवार्य है। शिक्षा समृद्धि की कुंजी है और अवसरों की दुनिया खोलती है। प्रत्येक शिक्षित नागरिक प्रगतिशील एवं स्वस्थ समाज बनाने में योगदान दे पाता है। शिक्षा से प्रत्येक मनुष्य को लाभ होता है और यह सभी के लिए उपलब्ध होनी चाहिए।

शिक्षण: परिवरुओं का भी परिवल



'जीवन की गुणवत्ता' को प्रभावित करने वाले परिवल

क्या आप जानते हैं?

- मानव जीवन-चक्र के जन्म से छह वर्ष तक के चरण को 'प्रारंभिक बचपन' कहा जाता है। मानव मस्तिष्क का ८५ प्रतिशत विकास इसी चरण के दौरान होता है। इसका मतलब यह है कि इस चरण के दौरान बच्चे को जो वातावरण, अनुभव और एक्सपोजर प्रदान किया जाता है, वह बच्चे के शेष जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डालता है। शिक्षा मनुष्य की पूर्ण क्षमता का एहसास करने, एक समतापूर्ण और निष्पक्ष समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मौलिक अनिवार्यता है।
- बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम या शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009, इस तथ्य पर आधारित है कि शिक्षा 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। अधिनियम सरकार को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी देता है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे की स्कूल तक पहुँच हो और उसे स्कूल तक परिवहन, मध्याह्न भोजन, पाठ्यपुस्तकें आदि जैसी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जाएँ ताकि हर बच्चा स्कूल जा सके। अधिनियम में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को समान उम्र के छात्रों के बराबर लाने के लिए और स्कूल में वापस दाखिल करने के लिए विशेष प्रशिक्षण का भी प्रावधान है।
- भारत की औपचारिक शिक्षा प्रणाली में नवीनतम सुधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के माध्यम से लाया गया है। 'भारत के लिए 2040 तक एक ऐसी शिक्षा प्रणाली बनाने का लक्ष्य होना चाहिए जो किसी से पीछे न हो, जिसमें सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी शिक्षार्थियों के लिए उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा तक प्रत्येक भारतीय की समान पहुँच हो।' - एनईपी 2020।

निपुण (NIPUN) भारत: एक मौलिक कदम

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य किसी व्यक्ति के भीतर कौशल, योग्यता और अवधारणाओं को विकसित करना है ताकि उन्हें बाद में जीवन में स्वतंत्र रूप से सफल होने में मदद मिल सके। इस प्रकार एक शिक्षक को भावनात्मक और शैक्षणिक रूप से मानव-मस्तिष्क को आकार देने और विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि एक अच्छा शिक्षक मानव मस्तिष्क के विज्ञान को समझे! मानव मस्तिष्क को जीवित रहने और फलने-फूलने के लिए उत्तेजना और जुड़ाव की आवश्यकता होती है। अन्य मस्तिष्कों से जुड़े बिना एक मस्तिष्क सिकुड़ जाएगा और अंततः मर जाएगा। यही कारण है कि करीबी सहायक रिश्ते इंसानों में सकारात्मक भावनाओं और सीखने को प्रोत्साहित करते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षक कक्षा में सकारात्मक सामाजिक अनुभव पैदा करें। स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्ष भविष्य के वैश्विक नागरिकों के विकास की नींव रखते हैं।

इस दिशा में, भारत सरकार द्वारा 5 जुलाई 2021 को एक समर्पित मिशन 'निपुण भारत' शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा 2026-27 तक ग्रेड 3 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त कर ले।

सीखना सीखें

3-6 वर्ष

खेल आधारित शिक्षा
प्री-स्कूल/आंगनवाड़ी/
बालवाटिका प्रारंभिक बचपन शिक्षा (ईसीई)



पढ़ना सीखें

6-8 वर्ष

ग्रेड 1, 2, और 3
मूलभूत साक्षरता एवं
संख्यात्मकता (एफएलएन)



सीखने के लिए पढ़ें

8+ वर्ष
ग्रेड 4+



उन्होंने कर दिखाया!

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान सीखना: गुजरात ने किया मार्गदर्शन

COVID 19 लॉकडाउन के दौरान, अन्य सभी प्रतिष्ठानों की तरह, स्कूल भी बंद कर दिए गए थे। इस अवधि के दौरान, गुजरात ने इस वाक्यांश को साकार कर दिखाया कि 'स्कूल बंद हो सकते हैं, लेकिन सीखना नहीं!'. गुजरात राज्य ने - 'घरे सीखिए' (आओ घर पर सीखें) शीर्षक के तहत ऑफ़लाइन, घर-आधारित, स्व-शिक्षा की शुरुआत करी। गुजरात शैक्षिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी परिषद (GCERT) ने इस अभिनव कार्य का नेतृत्व किया और UNICEF के सहयोग से ITOWE डेवलपमेंट फाउंडेशन नाम की संस्था ने इसमें अकादमिक तथा तकनीकी सहयोग दिया।



इस कार्य में जो अभिनव प्रयोग हुआ वो था इतनी कम उम्र के विद्यार्थियों (6 से 14 वर्ष) को बिना शिक्षक के मार्गदर्शन के, स्व-शिक्षा वाले मटेरियल का स्वयं उपयोग करना व सीखना! यह प्रयोग सफल रहा. जून से दिसंबर 2020 तक, शिक्षकों की गाइडबुक के साथ 4 घरे सीखिये मॉड्यूलस (कक्षा 1 से 8 के सभी विषयों के लिए डिज़ाइन किया गया) की एक श्रृंखला, लगभग 33000 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के 50,00,000 से अधिक बच्चों तक पहुँची।

स्रोत: श्री पार्थेश पंड्या, CEO, ITOWE डेवलपमेंट फाउंडेशन, गुजरात द्वारा बताया गया

भिलार : भारत का पहला 'पुस्तकों का गाँव'!

भिलार, महाराष्ट्र का एक गाँव है जिसे भारत का पहला पुस्तक गाँव होने का गौरव प्राप्त है। 'पुस्तक' गाँव की यह अवधारणा राज्य मराठी विकास संस्था और तत्कालीन शिक्षा मंत्री, श्री विनोद तावड़े, द्वारा प्रतिपादित की गई है। 4 मई, 2017 को गाँव को 'पुस्तकांचे गाओ' या 'पुस्तकों का गाँव' के रूप में औपचारिक पहचान मिली। गाँव को एक विशाल पुस्तकालय सुविधा के रूप में आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। इस पहल के हिस्से के रूप में, गाँव की दीवारों को वहां रखी जाने वाली पुस्तकों की शैली के आधार पर सुंदर ग्राफिक्स से चित्रित किया गया था। गाँव में 25 स्थानों को 'रीडिंग हॉटस्पॉट' में बदलने के लिए चुना गया था, जिन्हें कविता, इतिहास, आत्मकथाएँ, त्योहार विशेष, जीवनियाँ, साहित्य और कई अन्य श्रेणियों में विभाजित किया गया था। ये पढ़ने के हॉटस्पॉट या तो चयनित ग्रामीणों के घर थे, जो इस पहल का हिस्सा बनने के इच्छुक थे, या कुछ सरकार द्वारा चयनित आम-स्थल थे। 2017 में, गाँव के 25 घरों में 15,000 मराठी पुस्तकों का संग्रह था। 2021 तक, गाँव के 35 घरों में अंग्रेजी और हिंदी सहित 30,000 पुस्तकें थीं और आज ये संख्या बढ़ती जा रही है!

स्रोत: <https://timesofindia.indiatimes.com/travel/destinations/bhilar-indias-first-book-village-welcomes-you-to-test-your-reading-skills/articleshow/64734558.cms>

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. प्रत्येक, एक को सिखाएकिसी ऐसे व्यक्ति तक पहुँचे जिसे बुनियादी पढ़ने-लिखने के कौशल हासिल करने के लिए आपकी सहायता की आवश्यकता है। यह कोई भी हो सकता है - आपके दादा-दादी, माता-पिता या आपके घर और परिवार के बाहर भी कोई!
2. कम से कम एक व्यावसायिक/कौशल शिक्षण के कोर्स में रजिस्टर करें (ऑफ़लाइन, ऑनलाइन)। ऐसा कौशल चुनें जो आपको पसंद हो। यह फोटोग्राफी, मिट्टी के बर्तन बनाना, साइकिल की मरम्मत करना, नर्सिंग या बाग़बानी करना, आदि हो सकता है।
3. स्कूल के बाहर भी सीखने की कोशिश करें. अपने रोजमर्रा के अनुभवों से सीखें।
4. आपके भाई-बहन, चचेरे भाई-बहन, दोस्त या अन्य व्यक्ति ऐसे व्यक्ति जिन्होंने चुनौतियों के बावजूद अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखी/पूरी की है, उनकी कहानियाँ साझा करें। दूसरों को भी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित करें।
5. शिक्षा के लिए काम कर रहे चैरिटी स्कूलों, गैर सरकारी संगठनों आदि का समर्थन करें और उन्हें सहयोग दें। यह सहयोग आपका समय भी हो सकता है और स्वयं-सेवा भी।
6. सुनिश्चित करें कि जो लोग आपके परिवार के लिए काम करते हैंजैसे कोई जो घर की सफ़ाई में मदद करता है, या खेती, खाना पकाने आदि में मदद करता हैउनके बच्चे नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं। ऐसे बच्चों को सीखने और पढ़ने से संबंधित किसी भी आवश्यकता में मदद करें।
7. सार्वजनिक पुस्तकालयों या पब्लिक स्कूलों को पुस्तकें दान करें।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



हमारा प्यारा स्कूल!

उद्देश्य

छात्रों को स्कूल जाने के महत्व के बारे में जागरूक करना।

एक्टिविटी का विवरण

- विद्यार्थियों को बताएँ कि वे आज एक रचनात्मक कार्य करने जा रहे हैं: (ए) वे आज एक कविता लिखेंगे; और (बी) वे एक 'भावनात्मक दीवार' भी बनाएंगे।
- अब उनके साथ 'हाइकु' लिखने की कला साझा करें। (एक पारंपरिक जापानी हाइकु सत्रह अक्षरों वाली तीन पंक्तियों वाली कविता है, पहली पंक्ति में 5, दूसरी पंक्ति में 7 और तीसरी पंक्ति में फिर 5)।
- उन्हें हाइकु का एक उदाहरण दिखाएँ; उदाहरण के लिए:

*खेल-कूद की फुहार-बुहार
स्कूल लाया है हमारे लिए खेलने का अवसर
मेरी पसंद का खेल*

अब उनसे स्वयं एक हाइकु लिखने को कहें। इसके लिए, उनका मार्गदर्शन करें:

ए) स्कूल से संबंधित विषय का चयन करें. यह स्कूल, शिक्षक, खेल का मैदान, पाठ्यपुस्तकें, कोई विषय आदि हो सकता है।

बी) उन्हें चुने गए विषय को कविता की पहली पंक्ति के रूप में लिखने दें।

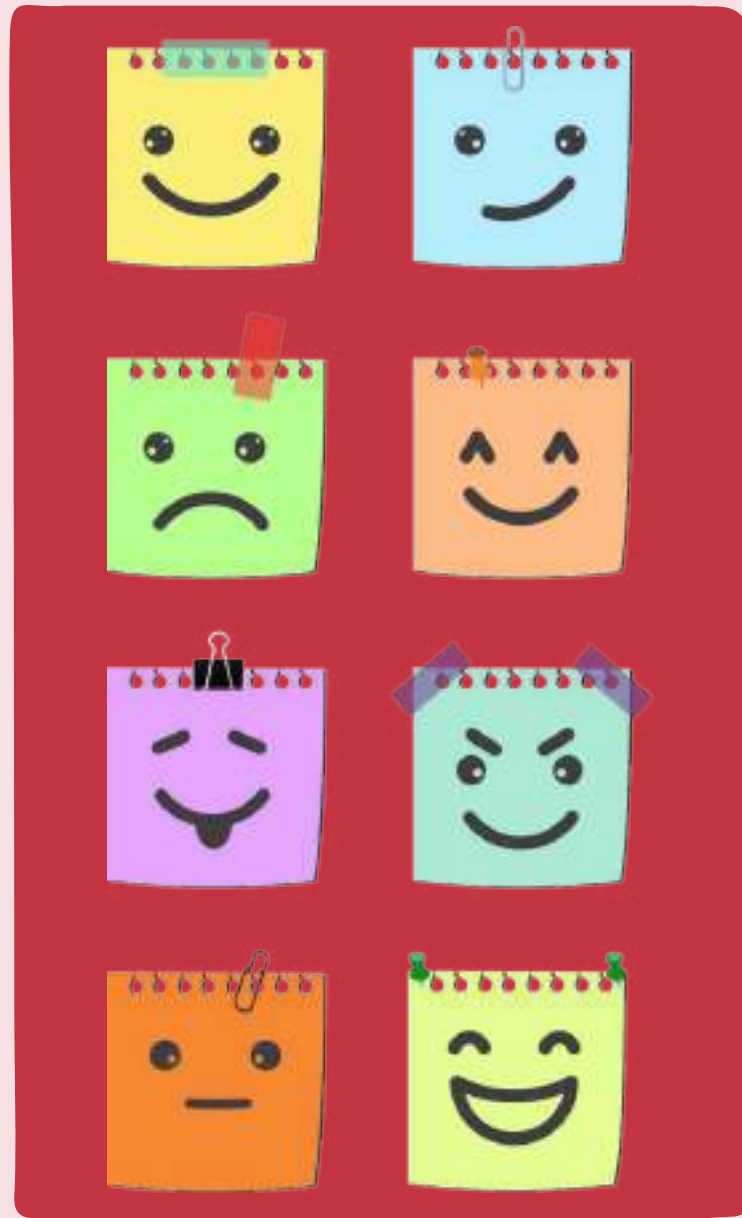
सी) दूसरी पंक्ति में उन्हें विषय से संबंधित किसी क्रिया का वर्णन करने के लिए कुछ क्रियाओं और/या क्रियाविशेषणों का उपयोग करना चाहिए, जैसे पढ़ना, पसंद करना, आनंद लेना आदि।

डी) अंतिम पंक्ति में वे विषय को परिभाषित करने के लिए विशेषणों के एक सेट का उपयोग कर सकते हैं, जैसे 'मेरा विद्यालय' या 'खुशहाल विद्यालय' या 'पूर्ण शिक्षा', 'जीवन भर मित्र', आदि।

- अब सभी छात्र स्कूल और शिक्षा पर स्व-निर्मित हाइकु के साथ तैयार होंगे। उनसे अपनी स्व-लिखित कविता एक-दूसरे के साथ साझा करने के लिए कहें। एक बार जब सभी छात्र अपने हाइकु साझा कर लें, तो आप यह बताकर उन सभी को प्रोत्साहित कर सकते हैं कि प्रत्येक छात्र ने कितना रचनात्मक और अच्छा काम किया है।
- आइए अब इस गतिविधि का दूसरा भाग संचालित करें: 'भावनाओं की दीवार' बनाना। शिक्षक को (पहले से ही तैयारी के तौर पर) कक्षा की दीवार के एक हिस्से पर खाली चार्ट पेपर चिपका देना चाहिए। चार्ट पेपर ऐसी ऊंचाई पर होने चाहिए जो छात्रों की पहुंच में हो।
- अब विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक में दो प्रकार की 'भावनाएँ' लिखने के लिए कहें: (ए) पहली वह भावना जो उन्हें स्कूल आते समय होती है और (बी) दूसरी वह भावना जो उन्हें स्कूल छोड़ते समय होती है।
- जब सभी छात्र इन दो भावनाओं को अपनी नोटबुक में लिख लें, तो उनसे ऐसे 'इमोटिकॉन' बनाने के लिए कहें जो इन भावनाओं का वर्णन करते हों। इसके बाद उन्हें इन इमोटिकॉन्स को एक कागज के टुकड़े पर बनाने, इन्हें रंगने और दीवार पर लगे चार्ट पेपर पर चिपकाने के लिए कहें।
- जब सभी छात्र दीवार पर अपने इमोटिकॉन्स लगाना पूरा कर लें, तो आप उनसे 'भावनाओं की दीवार' पर एक नज़र डालने के लिए कह सकते हैं, जिसे उन्होंने संयुक्त रूप से बनाया है।

चर्चा

बच्चों ने जिस तरह की कविताएँ लिखी हैं और जिस तरह की भावनाओं को उन्होंने दीवार पर प्रदर्शित किया है, उसे संदर्भ के रूप में ले कर शिक्षक को छात्रों के साथ इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि शिक्षा मानव जीवन के लिए बुनियादी और मौलिक है और यह शिक्षा कैसे एक समाज को प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और टिकाऊ बनाती है।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



बच्चे स्कूल में नहीं हैं!

उद्देश्य

छात्रों को उन परिबलों के बारे में जानने में मदद करना जो बच्चों को स्कूली शिक्षा से दूर रख सकते हैं।

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को 7-8 के समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को 'शिक्षक की डायरी से कहानी' की एक प्रति प्रदान करें।
- एक बार जब उन्हें यह कहानी मिल जाए, तो समूहों से इसे पढ़ने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि कहानी का कोई अंत नहीं दिया गया है, क्योंकि अंत उन्हें ही बनाना है।
- समूह के सदस्य चर्चा करें कि 'मीना और श्याम' के साथ क्या हुआ होगा'?
- समूहों से उन सभी संभावित कारणों पर विचार करने कहें कि ये दोनों बच्चे स्कूल से गायब क्यों थे? उन्हें उनकी अनुपस्थिति के कम से कम 5 ऐसे कारण बताने के लिए प्रोत्साहित करें और उनकी एक सूची बनाने कहें।
- एक बार जब वे इन्हें सूचीबद्ध कर लें, तो उन्हें कहें कि ये सूची का शीर्षक 'शिक्षा में बाधाएँ' दें।
- अब उनसे प्रत्येक सूचीबद्ध बाधाओं को दूर करने के संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए कहें।
- एक बार जब वे ऐसा कर लें, तो उन्हें संबंधित बाधा के सामने उसके संभावित समाधान लिखना चाहिए। इस सूची को 'शिक्षा के समाधान/समर्थक' शीर्षक दें।
- अब समूहों से कहें कि वे अब तक हुई चर्चा के आधार पर कहानी पूरी करें। कहानी के अंत को कम से कम 2 चरणों में पूरा किया जाना चाहिए 1. कहानी का वह कथानक लिखना जिसमें बताया गया हो कि लापता बच्चे कहाँ हैं और किस काम में लगे हैं? 2. इस कथानक के आधार पर उन्हें कहानी का अंत बनाना होगा।
- उपरोक्त कार्यों को पूरा करने के लिए समूहों को लगभग 40 मिनट का समय दें।
- अब आप समूहों को शेष कक्षा के सामने निम्नलिखित 3 चीजें प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं (चार्ट पेपर पर लिखकर या स्लाइड बनाकर, या बोर्ड पर लिखकर): 1. 'शिक्षा में बाधाओं' की सूची; 2. प्रत्येक बाधा के सामने 'शिक्षा को सक्षम बनाने वाले समाधानों' की सूची; और 3. 'कहानी के अंत' का उनका संस्करण।

चर्चा

जब सभी समूह प्रस्तुत कर देंगे, तो आप उन चुनौतियों पर चर्चा का नेतृत्व कर सकते हैं जिनका सामना एक औसत भारतीय बच्चे को स्कूल तक पहुँचने में करना पड़ता है। फिर आप चर्चा कर सकते हैं कि एसडीजी 4 के लिए काम करने वाली सरकारें और अन्य एजेंसियां बच्चों और उनके परिवारों को शिक्षा में इन बाधाओं को खत्म करने में कैसे मदद कर रही हैं।

एक शिक्षक की डायरी से...

“मैं एक सरकारी प्राथमिक शिक्षक हूँ। शिक्षकों को भी प्रशिक्षण की जरूरत है। इसलिए, वर्ष के दौरान समय-समय पर, सरकार हमें विभिन्न विषयों पर कई ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नामांकित करती है।

ऐसे ही एक प्रशिक्षण के दौरान, मुझे सुश्री सुजैन नाम की एक वरिष्ठ सरकारी शिक्षिका ने प्रशिक्षित किया था। हम सब उसे सुजैन टीचर कहते थे। वह बहुत वरिष्ठ और नेक दिल इंसान थीं। वह एक प्रेरक प्रशिक्षक भी थीं और हमेशा हमें अपने कर्तव्यों को अच्छी तरह से पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करती थीं। वह शहर के नगर निगम विभाग का हिस्सा थीं जो शिक्षा की देखभाल करता था। उनका काम यह सुनिश्चित करना था कि शहर के उनके वार्ड का हर बच्चा स्कूल जाए। शिक्षक-प्रशिक्षण सत्रों में वह हमारी पसंदीदा प्रशिक्षक थीं। मेरे प्रशिक्षण के सरकारी आदेश के अनुसार, सुजैन टीचर इस प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों में से एक थीं। मैं उससे देबारा मिलने के विचार से बहुत उत्साहित था! लेकिन प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचने पर, मुझे निराशा हुई जब सुजैन शिक्षक कुछ दिनों तक हमारी कक्षा लेने नहीं आईं। फिर, मुझे बहुत राहत मिली, जब वह हमारे प्रशिक्षण के तीसरे दिन आईं, मैं बहुत रोमांचित था। उसने अपनी अनुपस्थिति के बारे में बताया - उसने हमें बताया कि वह अपने लापता छात्रों की तलाश में गई थी। 'कौन से छात्र गायब हैं?' हम प्रशिक्षु शिक्षकों ने पूछा। फिर सुजैन टीचर ने हमें बताया कि वह पिछले दो दिनों से क्या कर रही थी। “हम सभी बच्चों को स्कूल भेजने की पूरी कोशिश करते हैं। ये बच्चे गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। जब कोई बच्चा तीन से चार दिनों से अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है, तो मैं यह देखने के लिए उनके घर जाती हूँ कि क्या समस्या है,” सुजैन शिक्षिका ने कहा।

इस बार मेरे स्कूल के दो बच्चों मीना और श्याम ने स्कूल आना बंद कर दिया। वे निर्माण श्रमिकों के बच्चे थे। मैं अपने स्कूल के पास निर्माण स्थल पर मीना और श्याम के माता-पिता से मिलने गया। लेकिन मैं उन्हें ढूँढ नहीं सकी”





जेंडर समानता

जेंडर-आधारित समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के प्रयास को बढ़ावा देना

5 GENDER EQUALITY



यहाँ दिए गए चित्रों को देखें; क्या आपको इन सबमें कोई समानता नज़र आती है?

निस्संदेह, ये सभी 'एक्शन' दृश्य हैंइन सभी में कुछ न कुछ काम किया जा रहा है। थोड़ा गहराई से सोचो-क्या काम और काम करने वाले के बीच कोई संबंध है? क्या इनमें आप कोई पैटर्न देख सकते हैं? ध्यान दें कि आम तौर पर महिला से ही खाना पकाने, घर की सफ़ाई करने, या बच्चे को पालने की अपेक्षा की जाती है; जबकि पुरुष से अपेक्षा की जाती है कि वह परिवार के लिए आजीविका कमाने के लिए नौकरी या बिज़नेस करे, मनोरंजन के लिए परिवार को बाहर घुमाने ले जाए, खेलकर या टीवी देखकर अपना मनोरंजन भी करे, आदि।

महिला-पुरुष और लड़की-लड़के के आधार पर किए गए ऐसे भेदों को 'जेंडर-आधारित' भूमिकाएँ कहा जाता है; और ये सभी समाजों में मौजूद हैं। जब जेंडर-आधारित भेद-भाव किसी भी समाज में गूढ़ और गहरे स्थान ले लें तब वे समाज की प्रगति में बाधा उत्पन्न करते हैं। ऐसे भूमिका भेद से अक्सर 'लड़कियों और महिलाओं के लिए भेदभाव और मानवाधिकारों का उल्लंघन' होता है। SDG 5 इसी समस्या को संबोधित करता है।



लिंग और जेंडर

लिंग एक जैविक अवधारणा है। यह किसी की प्रजनन प्रणाली की शारीरिक रचना को संदर्भित करता है और परिभाषित करता है कि कोई बच्चा लड़की या लड़के के रूप में पैदा हुआ है। जबकि जेंडर एक सामाजिक संरचना है और यह किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान को संदर्भित करता है, उदाहरण के लिए माता या पिता; बेटा या बहु, आदि।

पुरुषों और महिलाओं, और लड़कों और लड़कियों को आमतौर पर उनके जेंडर की पहचान के आधार पर उनसे व्यवहार और जिम्मेदारियों और विकल्पों में प्रतिबंधित किया जाता है क्योंकि पुरुष या महिला के रूप में समाज उनसे क्या अपेक्षा करता है। इन्हें जेंडर-भूमिकाएँ और लैंगिक रूढ़ियाँ कहा जाता है।



जेंडर समानता पर SDG क्यों?

जेंडर समानता एक मौलिक मानव अधिकार है। फिर भी विश्व के लगभग सभी समाजों में जेंडर असमानताएँ बड़े पैमाने पर बनी हुई हैं। जेंडर आधारित भेदभाव इस हद तक एक गंभीर वैश्विक मुद्दा है कि संयुक्त राष्ट्र ने 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में घोषित किया है।

“लड़कियों को दुनिया भर में हर दिन भेदभाव, हिंसा और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। यह चिंताजनक वास्तविकता अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आधारित है, जो लड़कियों को सशक्त बनाने और उनके मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने के महत्व को उजागर करने के लिए एक नया वैश्विक दिवस है।”

बन की-मूँ , पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव, 9 अक्टूबर 2012

उसे पैदा भी नहीं होने दिया जाता!

वैज्ञानिक तकनीक के अनुसार गर्भवती महिलाओं की अल्ट्रासाउंड जाँच के दौरान यह अजन्मे बच्चे का (जिसे भ्रूण कहते हैं) लिंग जाना जा सकता है। परन्तु कानून के अनुसार भारत में चिकित्सकों द्वारा भ्रूण लिंग का खुलासा करना गैरकानूनी है। फिर भी हमारे देश में ‘कन्या-भ्रूण’ की चयनात्मक हत्या बड़े पैमाने पर होती है। बड़ी संख्या में ऐसे मामलों की रिपोर्टें हैं जहाँ माता-पिता और चिकित्सा विशेषज्ञ इस कानून को तोड़ते हैं; और परिवार चुनिंदा तरीके से निर्णय लेते हैं कि बच्चे को जन्म दिया जाए या नहीं! अगर यह लड़की का भ्रूण है तो उसे पैदा होने से पहले ही मार दिया जा सकता है! इसे ‘कन्या भ्रूण हत्या’ कहा जाता है। कन्या भ्रूण हत्या से पुरुष-महिला अनुपात में असंतुलन पैदा हो सकता है। इस तरह के विषम लिंगानुपात से समाज में लिंग-संबंधी अपराधों में वृद्धि हो सकती है।

SDG 5 के अंतर्गत आए लक्ष्य



अग्रणी भारतीय महिलाएँ: कुछ नाम

- श्रीमती इंदिरा गांधी: भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री (1966)
- श्रीमती किरण बेदी, आईपीएस (सेवानिवृत्त): भारत की पहली महिला भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी (1972)
- सुश्री बछेंद्री पाल: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला (1984)
- शिला डारवे: भारत की पहली महिला ऑटो-रिक्शा चालक (1988)
- फ्लाइट लेफ्टिनेंट हरिता कौर देयोल: भारतीय वायु सेना में अकेले उड़ान भरने वाली पहली महिला पायलट (1994)
- सुश्री हर्षिनी काहनेकर: भारत की पहली महिला फायर फाइटर (2006)
- श्रीमती प्रतिभा पाटिल: भारत की पहली महिला राष्ट्रपति (2007)

अपने गाँव / आवासीय सोसायटी की उस लड़की/महिला का पता लगाएँ जो निम्नलिखित कार्य करने वाली पहली लड़की थी	नाम
1. स्कूल/कॉलेज पूरा किया	
2. नौकरी ज्वाइन की या बिजनेस शुरू किया	
3. शहर/जिला स्तरीय खेल टूर्नामेंट में फुटबॉल/क्रिकेट/कबड्डी/मुक्केबाजी/भारोत्तोलन खेला	
4. शादी के बाद भी अपने माता-पिता को अपने साथ रखकर उनकी देखभाल की	
5. पुलिस/रक्षा बल में शामिल हुए	

लड़कों की तुलना में:

- लड़कियों के स्कूल से बाहर रहने की संभावना तीन गुना अधिक है।
- कुपोषण से लड़कियों के मरने की संभावना २ गुना अधिक है।
- लड़कियों को यौन हिंसा का शिकार होने की संभावना दोगुनी होती है।
- लड़कियों को तस्करी में धकेले जाने की संभावना दोगुनी है।
- हर सात सेकंड में 15 साल से कम उम्र की एक लड़की की शादी हो जाती है।
- भारत में लगभग 22 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए उपयुक्त शौचालय नहीं हैं और 58 प्रतिशत प्री-स्कूलों में शौचालय ही नहीं। अलग शौचालयों और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन सुविधाएँ उपलब्ध होने से लड़कियों को स्कूल में रहने में मदद मिलती है। और लड़कियाँ स्कूल न छोड़ें और अनुपस्थित न रहें इसमें मदद मिलती है।



क्या आपने अपने आसपास कुछ ऐसा अनुभव किया है?

आशा अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ एक गाँव में रहती है। वह 13 साल की है और उसका भाई उससे तीन साल छोटा है। आशा के पिता कम ज़मीन वाले किसान हैं। उनकी माँ घर की देखभाल करती हैं और कृषि गतिविधियों में आशा के पिता की भी मदद करती हैं। आशा और उसका भाई गाँव के स्कूल में पढ़ते हैं। स्कूल से लौटने के बाद आशा अपनी माँ को बर्तन, कपड़े धोने और घर की सफ़ाई करने में मदद करती है; जबकि उसका भाई बाहर खेलने जाता है। घंटों खेलने के बाद, वह और उसके दोस्त तैरने के लिए नदी पर जाते हैं, और देर शाम को घर लौटते हैं।

कहानी के निम्नलिखित पहलुओं पर विचार करें:

- बहन-भाई होते हुए भी क्या आशा और उसके भाई की दिनचर्या एक जैसी है या अलग-अलग?
- आशा और उसके भाई की परिवार द्वारा कैसे परवरिश की जा रही है?
- आपके अनुसार, परिवार को आशा और उसके भाई की परवरिश कैसे करनी चाहिए?
- क्या समाजीकरण की प्रक्रिया परिवार में विभेदित जेंडर भूमिकाएँ निर्मित कर रही है? यदि हाँ तो कैसे?

क्या आपने अपने आस-पास - अपने स्कूल, पड़ोस या शायद अपने परिवार में 'आशा' जैसी कहानियों का अनुभव किया है? क्या आपको लगता है कि आप अब अपने आसपास की 'आशा' जैसी लड़कियों की मदद के लिए कदम उठा सकते हैं? और अगर आपकी कहानी आशा से मेल खाती है, तो फिर आप किसकी मदद ले सकते हैं?



उन्होंने कर दिखाया!

जेंडर- रूढ़िवादिता की बाधाओं को तोड़ते हुए शोभिता आज भारतीय वायु सेना में अफसर की भूमिका में कार्यरत हैं

लैंगिक समानता का विषय इस बात का उल्लेख किए बिना अधूरा है कि कैसे महिलाओं ने विशेषज्ञता के उन क्षेत्रों में खुद को समान सहजता और सक्षमता के साथ आगे बढ़ाया है, जिन पर पारंपरिक रूप से उनके पुरुष समकक्षों का वर्चस्व था। प्रयागराज (यूपी) की स्कवाड्रन लीडर शोभिता दीक्षित ने जेंडर रूढ़िवादिता को तोड़ा और आज हमारे रक्षा बलों में एक ऐसी अधिकारी हैं, जो भारतीय वायु सेना की एक समर्पित और विशेष तकनीकी टीम का नेतृत्व कर रही हैं। (विवरण वर्गीकृत)।



शोभिता के लिए एक बी.टेक स्नातक से वायु सेना अधिकारी तक का सफर इतना आसान नहीं था। जब वह डुंडीगल (हैदराबाद) में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रशिक्षण अकादमी में प्रशिक्षु अधिकारियों के बैच में शामिल हुईं, तो महिला कैडेटों का प्रवेश कोई नई बात नहीं थी और महिला कैडेट के लिए कठोर प्रशिक्षण के मामले में कोई ढिलाई नहीं थी। हालाँकि वह दिमागी कौशल में तेज़ थी, लेकिन उनका दुबला-पतला शरीर होने के कारण डुंडीगल अकादमी में कई लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि शोभिता ट्रेनिंग के कठिन प्रशिक्षण को सहन नहीं कर पाएगी, क्योंकि ये ट्रेनिंग इतनी कठिन होती है कि इसे कभी-कभी पुरुष कैडेटों के लिए भी कठिन माना जाता है। हालाँकि, उन्होंने इस मिथक को खारिज कर दिया कि लड़कियाँ लड़कों की तुलना में कमजोर होती हैं। उन्होंने IAF प्रशिक्षण कोर्स के अपने बैच में टॉप किया और अंततः शोभिता अपने उत्कृष्ट व्यावसायिकता और सेवा के प्रति समर्पण के लिए 2018 में वायु सेना के उप प्रमुख द्वारा सराहना पाकर IAF के सम्मानित अधिकारियों में से एक बन गईं।

स्रोत: As shared by Squadron Leader Shobhita Dixhit

सखी-सहेली: 'विविध भारती' वास्तव में 2 दशकों से विविध है

प्रतिदिन अपराह्न 3-4 बजे रेडियो चैनल विविध भारती पर एक कार्यक्रम प्रसारित होता है। कार्यक्रम के उद्घोषक महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर मज़ेदार बातचीत करते हुए महिलाओं के दोस्तों की तरह ही लगते हैं; पुरानी बॉलीवुड धुनों के साथ। सखी-सहेली 20 वर्षों से अधिक समय से ऑल इंडिया रेडियो के विविध भारती चैनल पर एक लोकप्रिय शो रहा है।

क्या आप कोई विशेष रेडियो चैनल सुनते हैं? पता करें कि क्या इस चैनल का भी महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रम है? ऐसे कम से कम एक कार्यक्रम को सुनने का प्रयास करें और अपने परिवार/स्कूल में इस पर चर्चा करें।

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

“भारत की सोच सिर्फ महिलाओं को लाभ पहुँचाने वाले विकास तक सीमित नहीं है। भारत का सपना तो ऐसा विकास है जिसका नेतृत्व महिलाएँ करती हो ...लगभग 1.5 मिलियन निर्वाचित महिलाएँ विभिन्न स्तरों पर हमारा नेतृत्व करती हैं...आज महिलाएँ देश की सेना, नौसेना और वायु सेना में सेवा-नियुक्त हैं। दुनिया में प्रशिक्षित महिला पायलटों की प्रतिशत भी भारत में सबसे अधिक है...महिलाओं को सशक्त बनाना, देश में परिवर्तन लाने की एक अहम् रणनीति है।”

23 जून, 2023 को यूएसए की कांग्रेस की संयुक्त बैठक में पीएम मोदी का संबोधन



1. **लड़कियाँ:** स्कूली शिक्षा जारी रखें; अपनी अन्य लड़की-सहपाठियों को भी ऐसा करने और यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक की पहुँच के अपने अधिकार को पाने में सशक्त बनने में मदद करें।
2. **लड़के:** जेंडर समानता हासिल करने और स्वस्थ, सम्मानजनक रिश्तों को अपनाने के लिए लड़कियों के साथ मिलकर काम करें।
3. अपने माता-पिता/रिश्तेदारों/पड़ोसियों को ऐसी सांस्कृतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने और हानिकारक कानूनों को बदलने के लिए शिक्षित करें जो महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को सीमित करते हैं और उन्हें उनकी पूरी क्षमता हासिल करने से रोकते हैं।
4. अपने आप से प्रश्न पूछें कि 'क्या मैं अपने विचारों/कार्यों/निर्णयों में स्वयं या अपने आस-पास के किसी अन्य व्यक्ति के प्रति उनके जेंडर के कारण पक्षपाती हो रहा हूँ?' यदि उत्तर हाँ है, तो अपने कार्य/विचार की समीक्षा करने का प्रयास करें।
5. अपने परिवार में, अपने भाई-बहनों, माता-पिता, दादा-दादी के साथ बातचीत करने का प्रयास करें कि आपका परिवार एक ऐसा माहौल कैसे सुनिश्चित कर सकता है जहाँ हर कोई (उम्र और जेंडर की परवाह किए बिना) सम्मानित महसूस करे, और हर किसी को वो पढ़ने या बनने की स्वतंत्रता हो जो वे बनना चाहते हैं।
6. अपने स्कूल में, आपको मिल रहे अवसरों और विशेषाधिकारों को अपने जेंडर से प्रभावित न होने दें, बल्कि अपनी रुचि, भागीदारी और प्रदर्शन से संचालित होने दें। यदि आवश्यक हो तो जेंडर-मतभेद के खिलाफ आवाज़ उठाए।

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



जेंडर से जुड़े मुद्दे!

उद्देश्य

छात्रों को जेंडर-आधारित मुद्दों से जुड़ी उनके 'सोचने और महसूस करने' के तरीके की समीक्षा करने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

विद्यार्थियों को बताएँ कि आप कुछ विधान कहेंगे। विद्यार्थियों को यह तय करना होगा कि वे कहे गए विधान से सहमत हैं, असहमत हैं या निश्चित नहीं हैं कि वे उस विधान में कहे गए मुद्दे के विषय में क्या सोचते हैं। यदि वे सहमत हैं, तो वे बाईं ओर खड़े हो जाएँ, यदि वे असहमत हैं तो दाईं ओर और यदि अनिश्चित हैं, तो उन्हें बीच में खड़े होना होगा। जब सभी विद्यार्थी अपना स्थान ले लें, तो उनमें से कुछ से यह बताने के लिए कहें कि वे कहे गए विधान से सहमत या असहमत क्यों हैं, या अनिश्चितता क्यों है। चर्चा के दौरान शिक्षक को ध्यान रखना है कि वे मूल्य संबंधी निर्णय या टिपण्णी देने से बचें क्योंकि व्यक्तिगत मूल्य सही या गलत नहीं होते। परन्तु चर्चा में शिक्षक विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें। जब विद्यार्थी अलग-अलग दृष्टिकोण सुन चुके हों, तो पूछें कि क्या कोई अपनी स्थिति बदलना चाहता है। कक्षा के शेष सदस्यों से टिपणियाँ भी आमंत्रित करें।

कुछ विधान नीचे दिए गए हैं। शिक्षक चाहें तो ऐसे ही जेंडर से जुड़े और विधान भी बना सकते हैं:

- लड़कियाँ स्वाभाविक रूप से शर्मीली होती हैं।
- लड़के स्वाभाविक रूप से लड़कियों की तुलना में अधिक हिंसक होते हैं।
- इस स्कूल में लड़कियों और लड़कों के साथ हमेशा समान व्यवहार किया जाता है।
- हर किसी को अपने मानवाधिकारों का लाभ लेने में सक्षम होना चाहिए।
- समानता असंभव है, इसलिए यह प्रयास करने लायक नहीं है।
- पुरुष और महिलाएँ अलग-अलग हैं, इसलिए वे समान नहीं हो सकते।
- पुरुष या महिला होने से इस बात पर कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप काम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं या नहीं।
- 'एक लड़की की तरह' कुछ करना अपमान के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।
- गुलाबी रंग पहनने वाले पुरुष कमज़ोर होते हैं।
- लड़के और मर्द रोते नहीं हैं।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



आगे-पीछे!

उद्देश्य

छात्रों को यह एहसास कने में मदद करना कि जेंडर-आधारित भेदभाव पूरे समाज के विकास और प्रगति को प्रभावित करता है।

एक्टिविटी का विवरण

- इस गतिविधि को किसी खुले क्षेत्र जैसे स्कूल के मैदान या बड़े गलियारे में आयोजित करना बेहतर होगा; यदि यह संभव नहीं है तो कक्षा में ही कुछ खुली जगह बनाएँ।
- लगभग 12-15 विद्यार्थियों को खिलाड़ी के रूप में स्वेच्छा से काम करने के लिए कहें; कक्षा के बाकी सदस्य इस गतिविधि के पर्यवेक्षक होंगे।
- अब खुली जगह/कक्षा के मध्य में (चॉक से) एक रेखा खींचें।
- उन्हें बताएं कि यह शुरुआती लाइन है और सभी खिलाड़ियों को इस लाइन के ठीक पीछे खड़ा होना चाहिए।
- उनके अपना स्थान ग्रहण करने के बाद, उनमें से प्रत्येक को एक भूमिका (अगले पृष्ठ पर दी गई) सौंपें। उन्हें ऐसी भूमिकाएँ देने का प्रयास करें जो उनकी वर्तमान स्थितियों के विपरीत हों (जैसे लड़कियों के लिए पुरुष उन्मुख भूमिकाएँ)।
- अपनी भूमिकाएँ प्राप्त करने के बाद, उन्हें अपनी दी गई भूमिका के चरित्र में उतरने के लिए एक मिनट का समय दे। उन्हें बताएँ कि वह अन्य छात्रों के साथ अपनी भूमिकाओं पर चर्चा न करें।
- एक बार यह पूरा हो जाने पर, खिलाड़ियों को सूचित करें कि आप एक-एक कर कुछ वास्तविक जीवन से जुड़ी परिस्थितियों की एक श्रृंखला को ज़ोर से पढ़ेंगे। खिलाड़ियों को उनकी भूमिका के अनुसार इन परिस्थितियों के विषय में सोचना होगा। और यदि उक्त स्थिति की प्रतिक्रिया से उनकी भूमिका के पात्र के जीवन में पॉजिटिव असर होगा तो उन्हें एक कदम आगे बढ़ा कर खड़े होना होगा। परन्तु यदि स्थिति की प्रतिक्रिया उन्हें जीवन में पीछे खींच लेगी, तो उन्हें एक कदम पीछे हटना होगा। यदि दी गई परिस्थिति से उनकी भूमिका वाले पात्र के जीवन में कोई फर्क नहीं पड़ता है तो वे जहां हैं वहीं रहें।
- इन स्थितियों को एक-एक करके पढ़ें और खिलाड़ियों से उनकी भूमिका के अनुसार प्रतिक्रिया देने को कहें। सभी स्थितियों को पढ़ने के बाद खिलाड़ियों के स्थान में काफी बदलाव हो जायेगा। अब सभी विद्यार्थियों को बताएँ कि एक्टिविटी कि शुरुआत में सभी खिलाड़ी एक ही 'स्टार्ट लाइन' पे थे, किन्तु परिस्थितियों ने उन्हें आगे-पीछे कर दिया।
- कौन आगे आ पाए और कौन पीछे रह गए, यह जानने के लिए सभी खिलाड़ियों से उन्हें दी गई भूमिकाएँ पढ़ने के लिए कहें।
- अब पूरी कक्षा से इस बात पर चर्चा करने के लिए कहें कि क्यों कुछ भूमिकाएँ पीछे रह गयी और कुछ आगे आ पायीं ? ऐसे कौन से सामाजिक परिबल हैं जो पात्रों को आगे या पीछे रखते हैं ?

भूमिकाएँ (12-15 खिलाड़ियों को दी जाएँगी) (शिक्षक ऐसी और भूमिकाएँ बना सकते हैं या छात्र जिस प्रकार की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से आते हैं, उसके आधार पर नई भूमिकाएँ जोड़ भी सकते हैं)

- आप एक गाँव में रहने वाली 15 साल की लड़की हैं। आप दसवीं कक्षा में पढ़ती हैं। आपके गाँव में एक हाई स्कूल है लेकिन कोई सीनियर सेकेंडरी स्कूल नहीं है। आपके गाँव की कोई भी लड़की माध्यमिक शिक्षा के लिए कभी गाँव से बाहर नहीं गई है।
- आप 13 साल के लड़के हैं, जिसने अपनी माँ को कोविड के कारण खो दिया है।
- आप 16 साल के लड़के हैं, आपके माता-पिता डॉक्टर हैं.
- आप दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली 15 वर्षीय लड़की हैं। आप अपने स्कूल के ग्यारहवीं कक्षा के एक लड़के को पसंद करती हैं।
- आप 13 साल की लड़की हैं, आप एक बहुत अच्छे एथलीट हैं और आप 'अंडर-14 वर्ग' के राज्य एथलेटिक टूर्नामेंट के लिए आवेदन करना चाहते हैं, जो राजधानी शहर में आयोजित किया जाएगा।
- आप एक गरीब परिवार से हैं, दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पहली बार आप आगे की पढ़ाई के लिए अपने शहर से बाहर जा रहे हैं।
- आप ग्यारहवीं कक्षा के छात्र हैं; आप लिखित परीक्षा में सबसे ज्यादा पिछड़ते हैं और आपके दो बड़े भाई आईआईटी में पढ़ रहे हैं।
- आपके माता-पिता कभी स्कूल नहीं गए; आपने दसवीं कक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की; आपने अभी-अभी ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान प्रवाह में प्रवेश लिया है।
- आपके माता-पिता का तलाक हो चुका है. आप अपनी माँ के साथ रहते हैं जो एक रेस्तरां में काम करती है।

शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित जैसे प्रश्नों पर विचार करने के लिए कहकर इस गतिविधि को समाप्त कर सकते हैं:

1. प्रत्येक भूमिका ने अपनी यात्रा एक ही पंक्ति से शुरू की, लेकिन कुछ बहुत आगे बढ़ गए जबकि कुछ बहुत पीछे रह गए। क्यों?
2. कौन से कारक एक युवा लड़की या लड़के के जीवन में प्रगति को सक्षम या बाधित कर सकते हैं?
3. इस गतिविधि में छात्र कितने प्रकार के भेदभाव महसूस/देख सकते हैं- सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, लैंगिक आदि।
- 14 हम (शिक्षक और छात्र) कक्षा और स्कूल में किसी भी और सभी प्रकार के भेदभाव को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं?

परिस्थितियाँ (शिक्षक द्वारा श्रृंखलाबद्ध रूप से, एक-एक करके पढ़ी जाने वाली) (शिक्षक इन स्थितियों को अपने छात्रों के लिए यथासंभव वास्तविक जीवन जैसा बनाने के लिए जोड़ या संशोधित कर सकते हैं)

- मेरे सहपाठी मुझे चिढ़ाते नहीं हैं।
- मुझे मेरे परिवार द्वारा स्कूल से दूर पे जाने की अनुमति मिल जायेगी।
- मैं अगले वर्ष अपनी शिक्षा जारी रख सकूँगी।
- मैं उच्च स्तर के आत्मविश्वास के साथ सभी सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेता / लेती हूँ।
- मेरा सार्वजनिक रूप से कभी भी अपमान नहीं हुआ है।
- मैं जो भी पढ़ना चाहता / चाहती हूँ, उसे अध्ययन करने की अनुमति दी जाएगी।
- मुझे परीक्षा का कोई तनाव नहीं है।
- मैं बीमार होने पर डॉक्टर के पास जा सकती / सकता हूँ।
- मेरे माता-पिता मुझे सिटी बस में अकेले यात्रा करने की अनुमति दे देंगे।
- मैं अपनी व्यक्तिगत समस्याओं पर अपने परिवार के साथ चर्चा कर सकता / सकती हूँ।
- मेरा परिवार मुझे मेरे जन्मदिन पर विशेष महसूस कराता है।
- मैं वह खेल खेल सकती / सकता हूँ जो मुझे पसंद है।
- मेरे सहपाठियों ने मुझे कभी परेशान नहीं किया।
- मैं अपनी पसंद के कपड़े पहनकर शॉपिंग के लिए बाहर जा सकती हूँ।
- मैं सबके सामने रो सकता हूँ।
- मुझे नाचना पसंद है। मुझे डांसर बनने की इजाज़त मिल जाएगी।
- जब मुझे अपने परिवार के बारे में बात करनी होती है तो मुझे शर्मिंदगी महसूस होती है।





साफ पानी और स्वच्छता

सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना

6 CLEAN WATER AND SANITATION



2018 में प्रदूषित पानी से के कारण हुईं 7 मृत्यु प्रतिदिन

2018 में, चार प्रमुख जल-जनित बीमारियों - हैजा, तीव्र डायरिया रोग (एडीडी), टाइफाइड और वायरल हेपेटाइटिस के कारण 2,439 लोगों की मौत हो गई... पिछले पांच वर्षों में, इन बीमारियों से 11,768 लोगों की मौत हुई है - हर चार घंटे में औसतन 1 मृत्यु.

यदि आप भारत के प्रधान मंत्री होते और ऊपर लिखे हुए आँकड़े का आपको पता चलता, तो आपकी क्या कार्रवाई/प्रतिक्रिया होती? ऐसे 5 समाधानों की सूची बनाएँ जिन्हें आप ऐसी परिस्थिति में अपने देश के लिए लागू करते।

जी हाँ, जैसे अपने सोचा, वैसे ही भारत सरकार ने भी यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके सभी नागरिकों को सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता उपलब्ध हो, भारत कई प्रयास कर रहा है। इनमें से कुछ मुख्य प्रयास हैं:

- भारत में जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता को समर्पित एक विशेष विभाग बनाया गया है;
- सरकार ने ग्रामीण जल आपूर्ति (जल जीवन) मिशन शुरू किया है। इस मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और स्वच्छ जल प्रत्येक गाँव-वासी को प्रदान करना है। 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना।
- सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने के प्रयासों में तेजी लाने और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, भारत के प्रधान मंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को सम्पूर्ण भारत में स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया।

क्या आप जानते हैं?

- मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में झीलों, तालाब, नदियाँ, धाराएँ शामिल हैं; और साथ ही शामिल हैं—समय-समय पर पानी के नीचे पाए जाने वाले प्राकृतिक क्षेत्र।
- प्रदूषण के कारण मीठे पानी की जैव विविधता और पारिस्थितिकी निकेत नष्ट हो रहे हैं। इससे पृथ्वी के लाइफ-सपोर्ट-सिस्टम को खतरा है।
- पिछले 50 वर्षों में, मीठे पानी की प्रजातियों में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है, और मीठे पानी में स्थित लगभग 30 प्रतिशत पारिस्थितिकी निकेत नष्ट हो गए हैं।¹
- वनों की कटाई, बांध निर्माण, इंजीनियर्ड नदी के मोड़ और आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) में से अत्यधिक जल निकासी के कारण आज जलीय पारिस्थितिकी तंत्र, विशेषतः मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में हैं।



पानी की चिंता क्यों?

सभी के लिए स्वस्थ जीवन: संयुक्त राष्ट्र की सिफारिश है कि प्रत्येक व्यक्ति को पीने, खाना पकाने और सफाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति दिन लगभग 20-50 लीटर स्वच्छ पानी की आवश्यकता होती है।

मृत्युओं और बीमारियों कि रोकथाम: असुरक्षित पानी और/या अस्वास्थ्यकर स्थिति में रहने के कारण प्रति हफ्ते लगभग 30,000 मौतें होती हैं।

प्रदूषण कम करें: विकासशील देशों में, लगभग 90 प्रतिशत अपशिष्ट जल अनुपचारित ही झीलों नदियों और महासागरों में छोड़ दिया जाता है।

जलवायु परिवर्तन: वर्ष 1900 के बाद से सूखे के परिणामस्वरूप 110 लाख से भी अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

स्कूलों में अधिक लड़कियाँ: घर-घर और घर के आस-पास पानी कि उपलब्धिता न होने के कारण लगभग 54 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएँ तथा किशोर लड़कियाँ, हर दिन अनुमानित 35 मिनट अपने परिवार के लिए पानी जुटाने में बिताती है। गौर दें कि यह सालाना 27 दिनों के स्कूल या मजदूरी के नुकसान के बराबर है।

सभी के लिए स्वस्थ भोजन: विश्व स्तर पर, ताज़े पानी के कुल अपवाह का लगभग 70 प्रतिशत, अकेले खेतों से आता है;

जैव विविधता की रक्षा करें: 1970 और 2000 के बीच, मीठे पानी की प्रजातियों की आबादी में लगभग 55 प्रतिशत की गिरावट आई।

SDG 6 के अंतर्गत आए लक्ष्य

1



सुरक्षित एवं
किफायती
पेयजल

3



पानी की गुणवत्ता,
अपशिष्ट जल उपचार
में सुधार और पानी का
सुरक्षित पुनः उपयोग
सुनिश्चित करना

4



पानी के उपयोग की
दक्षता को बढ़ाना और
मीठे पानी की आपूर्ति
सुनिश्चित करना

2



खुले में शौच को
समाप्त करना और
स्वच्छता और
साफ-सफाई तक
सार्वभौमिक पहुँच

A



विकासशील देशों को
जल और स्वच्छता
सहायता प्रदान करना

5



एकीकृत जल
संसाधन प्रबंधन
(IWRM) को
लागू करना

6



जल से संबंधित
पारिस्थितिकी तंत्र की
रक्षा और पुनर्स्थापन
करना

B



जल और स्वच्छता
प्रबंधन में स्थानीय
भागीदारी का
समर्थन करना

उन्होंने कर दिखाया!

बच्चों ने कर दिखाया

यदि स्कूली बच्चों को सकारात्मक काम करने के लिए समर्थन दिया जाए तो बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है! पुणे के कुछ स्कूलों ने इस कथन को सही साबित कर दिया है! पुणे में, 7,000 स्कूली बच्चे अब पानी बचाने और संरक्षित करने के लिए सशक्त हैं। बच्चों ने जो किया वो आसान है बस उसे एक आदत बनाने की बात है: स्कूल के ये बच्चे अपनी पानी की बोतलों में बचा हुआ पानी स्कूल से वापस जाते समय स्कूल के गेट के पास रखे बड़े ड्रमों/बाल्टियों में डाल देते हैं। इन ड्रमों में इकट्ठा हुआ पानी, पौधों की क्यारियों में डाला जाता है और यदि पानी बचे तो उसका उपयोग स्कूल की सफाई करने में किया जाता है। यह नवीन विचार और अभियान एंटरप्रेन्योर वेदांत गोयल और यूसुफ सोनी का है। अब तक, उनके प्रयास पुणे के 7000 स्कूली बच्चों तक पहुँच चुके हैं। “हमारा लक्ष्य 10,000 बच्चों तक पहुंचना है। हमारे अभियान का उद्देश्य बच्चों को पानी के महत्व के बारे में शिक्षित करना और उपलब्ध संसाधनों का टिकाऊ उपयोग करना है।” वेदांत ने कहा। वर्तमान में, पुणे के दादा गुजर हाई स्कूल, साधना हाई स्कूल और विद्या निकेतन हाई स्कूल जैसे स्कूलों को अभियान के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है। छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, बचे हुए जल संग्रहण अभियान का विस्तार स्कूलों में काम करने वाले कर्मचारियों तक भी किया जाता है।



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

घर पर बरसात के पानी के संचयन का अभ्यास करें



उपयोग के लिए बाथरूम में बाल्टी में पानी भरकर रखें

शौचालयों में दोहरी फ्लश प्रणाली का उपयोग करें



टपकते नलों और फ्लश की मरम्मत करें

घर से बाहर निकलने से पहले सभी नल और वाल्व बंद कर दें



अपने दांतों को ब्रश करते समय नल को खुला न छोड़ें



बर्तन साफ करते समय नल खुला न रखें

पानी बचाने के बारे में दोस्तों और पड़ोसियों से बात करें

**पानी
बचाओ
अभियान**



सब्जियों को धोने के बाद बचे पानी का उपयोग पौधों को पानी देने के लिए करें



पहले पीने के लिए आधा गिलास पानी भरें; यदि आवश्यक हो तो फिर से भरें

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



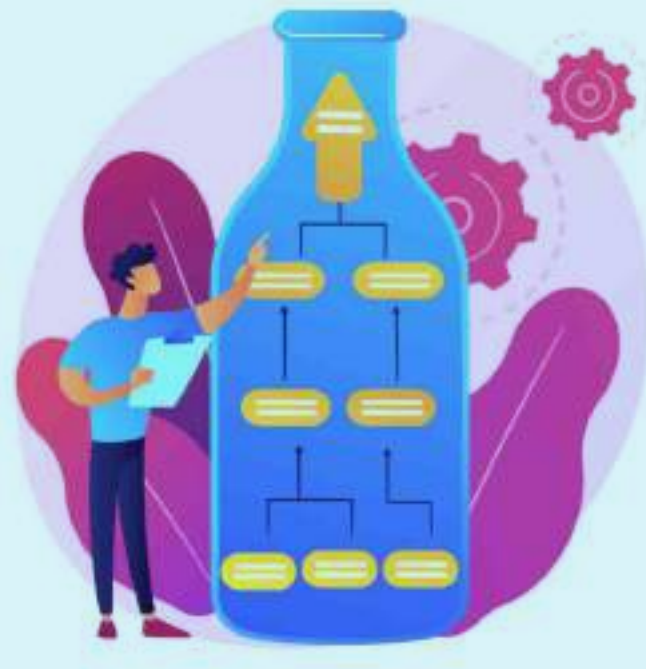
जल मूल्य

उद्देश्य

स्वच्छ जल के महत्व का विश्लेषण करना और समझना।

एक्टिविटी का विवरण

- प्रतिभागियों को 4-5 व्यक्तियों की टीम में बाँट लें।
- अब प्रत्येक टीम को चार्ट पेपर, पेन, पेंसिल, स्केच पेन आदि की मदद से एक प्रदूषण-विरोधी विज्ञापन बनाने के लिए कहें। उनका कार्य 'स्वच्छ पानी के मूल्य को बेचने वाला एक प्रदूषण-विरोधी विज्ञापन बनाना' है।
- विज्ञापन लोगों को कुछ ऐसा करने के लिए प्रेरित करने पर केंद्रित हो सकता है जिससे पानी का संरक्षण हो या यह लोगों को ऐसा कुछ ना करने के लिए प्रेरित कर सकता है जिससे पानी प्रदूषित हो सकता हो। विज्ञापन बनाने में अपनी कलात्मक प्रतिभा के साथ-साथ हास्य की भावना को भी आजमाएँ। विज्ञापन प्रिंट माध्यम के लिए हो सकता है; यह रेडियो के लिए एक स्क्रिप्ट हो सकती है; या किसी टीवी विज्ञापन के लिए स्क्रिप्ट और दृश्य विचारों का संयोजन।
- टीमों को सूचित करें कि उनके विज्ञापन हास्य पोस्टर या गंभीर रूप ले सकते हैं, वे कुछ मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए 1-3 मिनट की एक छोटी सी नाटिका भी बना सकते हैं।
- अब प्रत्येक टीम से अपने विज्ञापन प्रस्तुत करने को कहें।



चर्चा

कुछ मुद्दे जिनका उपयोग शिक्षक छात्रों के साथ इस मामले पर चर्चा करने के लिए कर सकते हैं:

ऐसा माना जाता है कि यदि मीठे पानी के संसाधनों का अच्छी तरह से प्रबंधन किया जाए तो अधिकांश वर्षों में देश में हुई कुल वर्षा देश के विभिन्न हिस्सों में मीठे पानी की आपूर्ति प्रदान करने के लिए पर्याप्त है। इस वास्तविकता को पूरा करने में एक बड़ी चुनौती है पानी का अनुचित और व्यर्थता-पूर्ण उपयोग। मीठे पानी का नियोजित और समझदारीपूर्ण उपयोग सभी के लिए अच्छी गुणवत्ता के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में मीठे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कर सकता है। पानी जीवन का अमृत है। मीठे पानी के संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और मीठे पानी के उपयोग की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने से यह सुनिश्चित करने में काफी मदद मिल सकती है कि सभी मनुष्यों को न केवल अपने अस्तित्व के लिए बल्कि आजीविका के लिए भी पानी उपलब्ध हो।

पानी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दिन

विश्व जल दिवस 22 मार्च को आयोजित एक वार्षिक संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित दिवस है जो मीठे पानी के महत्व पर प्रकाश डालता है। इस दिन का उपयोग मीठे पानी के संसाधनों के स्थायी प्रबंधन की वकालत करने के लिए किया जाता है।

विश्व शौचालय दिवस वैश्विक स्वच्छता संकट से निपटने के लिए कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए 19 नवंबर को एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया है। दुनिया भर में, 4.2 अरब लोग ऐसी परिस्थिति में रहते हैं जहाँ स्वच्छता प्रबंधन न के बराबर है, और लगभग 673 मिलियन लोग खुले में शौच जाने के लिए मजबूर हैं।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



जल प्रबंधन योजना

इस अध्याय की शुरुआत में छात्रों को डायरिया से होने वाली मौतों का चौंकाने वाला तथ्य दिया गया था। और उनसे पूछा गया कि अगर वे भारत के नेता होते तो वो कैसी कैसे प्रतिक्रिया देते ? इस एक्टिविटी द्वारा शिक्षक छात्रों को जल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में मदद करेंगे। छात्र यह भी अनुभव कर पाएंगे कि जल-प्रबंधन कि प्रक्रिया एक बहु-परिप्रेक्ष्य और बहु-आयामी कार्य है।

उद्देश्य

वरिष्ठ छात्रों को मीठे पानी के प्रबंधन से जुड़े कई कारकों, डोमेन और पहलुओं का अनुभव और समझ देना।

एक्टिविटी का विवरण

- प्रतिभागियों को 6-7 के समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को केस-स्टडी की प्रतियाँ प्रदान करें।
- प्रत्येक समूह को 'पलाकाड' के लिए 'जल प्रबंधन' योजना पर चर्चा करने और विकसित करने के लिए कहें।

पलाकाड की कहानी

केरल में हुई दो दलों के बीच की एक लड़ाई ने राष्ट्रीय और वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। पलाकाड जिले के एक गांव प्लाचीमाडा के एक अंतरराष्ट्रीय पेय पदार्थ की दिग्गज कंपनी कोका-कोला ने लगभग 38 एकड़ की ज़मीन पे एक फैक्ट्री बनाई। कोका-कोला कंपनी ने वहाँ फैक्ट्री लगाते समय कई स्थानीय लोगों को रोजगार की गारंटी दी थी, परन्तु जिस प्रकार से कोको-कोला कंपनी ने पानी और संबंधित प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग किया और अनुपचारित, अपशिष्ट पानी खुले में मैदान में ही प्रदूषण करने लगा, तब स्थानीय लोगों ने कंपनी के खिलाफ मोर्चा खड़ा किया। परिणामस्वरूप ये विवाद लंबे समय तक चला जिसके दोनों पक्षों के लिए गंभीर परिणाम हुए।

तकनीकी तौर पे ध्यान दे तो यह इलाका कृषि प्रधान है। और यहाँ स्थित फैक्ट्री को सरकार ने एक लीटर कोका कोला के लिए 3.8 लीटर पानी निकालने की अनुमति दी थी। भूजल के बड़े पैमाने पर पंप कर लेने के परिणामस्वरूप ज़मीन के नीचे के जल स्तर के स्तर में भारी कमी आई। आस-पास के जल निकायों में पानी के अनुचित उपचार और निर्वहन ने आसपास के क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता को भी प्रभावित किया।

हैवी मेटल (हानिकारक खनिज) से वह का पानी प्रदूषित हो गया और कृषि तथा पीने, दोनों ही कार्यों के लिए अनुपयुक्त हो गया।

पानी की कमी और भूजल की गिरती गुणवत्ता ने स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने के अलावा, क्षेत्र के कृषि उद्योग को भी बुरी तरह से प्रभावित किया। इसके परिणामस्वरूप कोको-कोला की फैक्ट्री को बंद करने और प्रभावितों को मुआवजे के प्रावधान की माँग को लेकर सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

चर्चा

- दोनों पक्षों के दृष्टिकोण से इस एक मुद्दे पर चर्चा करें।
- आपकी राय में, ऐसा क्या किया जा सकता था जिससे ऐसी परिस्थिति न बनती?
- पर्यावरण के ऐसे क्षरण से बचने के लिए, सरकार को संयंत्र के संचालन को कैसे विनियमित करना चाहिए था?

मीठे पानी के प्रबंधन के बहुआयामी विचार हैं। इन आयामों में शामिल हैं: पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण; आर्थिक नीति और बजट; सामाजिक प्रथाएँ; विश्वास और मूल्य; स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संबंधी मामले; विभिन्न हितधारक समूहों के बीच अधिकार और इक्विटी; राजनीतिक इच्छाशक्ति और हित; व्यवसाय और लाभ कमाने वाली गतिविधियाँ, आदि।



शिक्षकों के लिए सुझाव

- जल संरक्षण में युवा शिक्षार्थियों को शामिल करना।
- उन्हें जल बचाओ अभियान का चैंपियन बनने के लिए प्रेरित किया जाए।
- स्कूल और/या घर में जल बचाने की प्रथाओं के बारे में निर्णय लेने में उन्हें शामिल करें।
- उन्हें इस बात से अवगत कराएँ कि उन्हें पानी कहाँ से मिलता है - भूमिगत जल से स्रोत, नदी या पंचायत या नगर पालिका आदि से मिश्रित आपूर्ति।
- पानी की बर्बादी न करने और पानी के संरक्षण के बारे में उनका मार्गदर्शन करें।
- उन्हें छोटे-छोटे कार्यों की शक्ति के बारे में बताएं; उन्हें अपने स्कूल, दोस्तों, परिवारों और पड़ोसियों के लिए जल संरक्षण राजदूत बनने के लिए प्रोत्साहित करें।





सभी के लिए स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा

7 AFFORDABLE AND
CLEAN ENERGY



किफायती, आधारभूत, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक
सभी की पहुंच सुनिश्चित करना

हम जीवित हैं, क्योंकि हमारे पास ऊर्जा का स्रोत है!

याद रखें, ऊर्जा जीवन के लिए आवश्यक है।

यदि सूर्य न होता तो पृथ्वी एक जीवित ग्रह नहीं होती!

आइए अब हम अपने जीवन के दैनिक कार्यों पर एक नजर डालें। हम अपने जीवन के हर काम में ऊर्जा का उपयोग करते हैं। खेतों में अपना भोजन पैदा करने से लेकर, अपनी रसोई में खाना पकाने तक; जल आपूर्ति प्राप्त करना; यहां तक कि स्कूल जाने तक; हमारे दिन की प्रत्येक गतिविधि के लिए किसी न किसी प्रकार की ऊर्जा की आवश्यकता होती है। और यह एक तथ्य है कि हमारे लिए और इस पृथ्वी पर सभी प्राणियों के लिए, ऊर्जा का अंतिम स्रोत सूर्य है।

हमें SDG 7 की आवश्यकता क्यों है?

प्रारंभिक मानवों ने स्वयं की ऊर्जा की आवश्यकता को बड़े पैमाने पर भोजन और सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया; फिर हुआ आग का आविष्कार! और मानव द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा का स्वरूप काफी बदल गया। इसके अलावा, ऊर्जा के ऑटोमोबाइल और बिजली रूपों के आगमन ने पृथ्वी पर मनुष्यों के रहने के तरीके को ही बदल डाला। पावर ग्रिडों के निर्माण और स्थापना के साथ, हमारे जीवन का समर्थन करने वाली विभिन्न प्रणालियाँ भी बदल गईं। इसलिए बिजली और पेट्रोलियम तक पहुंच, या इसकी कमी व्यक्ति के जीवन जीने के तरीके को परिभाषित करती है।



चुनौतियां

प्रत्येक पांच व्यक्तियों में से एक तक अभी भी बिजली पहुँचनी बाकी है, और खाना बनाने के लिए तीन अरब लोग आज भी लकड़ी, कोयला या गोबर पर आश्रित हैं।



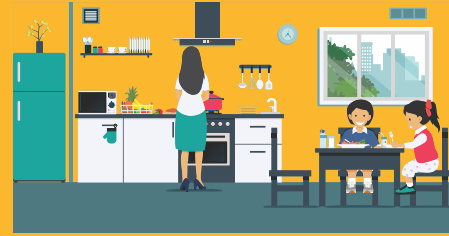
हर साल घरेलू (घर के अंदर) वायु प्रदूषण से 43 लाख मौतें होती हैं, जिनमें से अधिकतर महिलाएँ और बच्चे हैं।



जीवाश्म ईंधन जलाने से प्राप्त ऊर्जा जलवायु परिवर्तन का मुख्य योगदानकर्ता है, जो सभी ग्रीनहाउस गैस का 60% प्रतिनिधित्व करती है।



समाधान



सुनिश्चित करें कि सभी को स्वच्छ, किफायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा उपलब्ध हो



अक्षय ऊर्जा में निवेश करें और इसके उपयोग का प्रचार-प्रसार करें



ऊर्जा बचत नीतियां लागू करें

SDG 7 के अंतर्गत आए लक्ष्य

	आधुनिक ऊर्जा तक सार्वभौमिक पहुँच	1
	विश्व स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में 2 प्रतिशत की वृद्धि	2
	ऊर्जा दक्षता में दोगुना सुधार	3
	स्वच्छ ऊर्जा में अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और निवेश तक पहुंच को बढ़ावा देना	A
	विकासशील देशों के लिए ऊर्जा सेवाओं का विस्तार और उन्नयन	B



क्या आप जानते हैं?

क्या आपने कभी घर के उपकरणों पर या जब आप उन्हें खरीदने के लिए बाहर जाते हैं तो इन स्टार स्टिकर्स को देखा है? इन सितारों का क्या मतलब है? उपकरणों को ये सितारे कौन दे सकता है?

इन्हें बीईईई स्टार लेबल कहा जाता है और ये बताते हैं कि उपकरण एक वर्ष में कितनी बिजली की खपत करता है।

प्रत्येक उपकरण को एक से पांच स्टार के बीच मिलता है, पांच स्टार का मतलब है कि यह बेहद कुशल है और आपके बिजली बिल को नियंत्रण में रखने की संभावना है।

ये स्टार लेबल ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईईई) द्वारा जारी किए जाते हैं, जो एक भारतीय सरकारी एजेंसी है जो विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आती है।

आप इन बीईईई स्टार्स के बारे में

<https://beeindia.gov.in/content/star-labelled-appliances> पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बीईईई ने 'आपके विद्यालय में ऊर्जा प्रबंधन' पर एक मैनुअल भी विकसित किया है। इस संसाधन तक यहां पहुंचा जा सकता है:

<https://beeindia.gov.in/sites/default/files/guidebook-School.pdf>

बिजली और स्वच्छ ऊर्जा क्यों मायने रखती हैं?

सशिक्षा को सशक्त बनाना: बिजली हीटिंग, शीतलन और प्रकाश प्रदान करती है ताकि छात्र सीख सकें। स्कूल देर तक खुले रह सकते हैं, जिससे छात्रों को पढ़ने और शिक्षकों को तैयारी करने के लिए जगह मिलेगी।

सशक्त स्वास्थ्य देखभाल: स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और सुविधाओं को टीकों को ठंडा करने, उपकरणों को स्टरलाइज़ करने और बिजली देने और आपातकालीन प्रक्रियाओं के लिए रोशनी प्रदान करने के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, जो दिन के समय तक इंतजार नहीं कर सकते हैं, जैसे कि जब बच्चे का जन्म रात में होता है।



समुदायों को सशक्त बनाना: बिजली समुदायों को मजबूत बनाने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, प्रकाश व्यवस्था रात में समुदायों को सुरक्षित बनाती है, और बिजली पानी को पंप और फ़िल्टर कर सकती है, जिससे स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होता है। बिजली जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है।

व्यवसाय को सशक्त बनाना: व्यवसायों को रोशनी चालू करने, मशीनरी चलाने और बिजली संचार प्रौद्योगिकियों के लिए बिजली की आवश्यकता होती है।

कृषि को सशक्त बनाना: बिजली किसानों को फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण और भंडारण में सुधार करके उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाती है।

उन्होंने कर दिखाया!

ब्रह्मदीप एंटरप्राइज: एक शक्ति-पूर्ण पहल

महेंद्रभाई गुजरात के गांधीनगर के पास सदरा नाम के एक छोटे से शहर में रहते हैं। उनके घर में प्रतिदिन बिजली की खपत 12 किलोवाट थी। यह बिजली थर्मल पावर प्लांट से उत्पन्न की गई, जिससे वातावरण में 11 किलोग्राम CO₂ उत्सर्जित हुई। हाल ही में महेंद्रभाई ने अपने घर में सोलर पैनल रूफटॉप लगवाया है। उनका बिजली बिल अब शून्य है। परिणामस्वरूप, महेंद्रभाई ने न केवल पैसे बचाए हैं, बल्कि वे हर दिन 11 किलो CO₂ बचाकर एक स्वच्छ वातावरण का समर्थन करने में भी सक्षम हुए हैं। यह परिवर्तन कैसे हुआ? ऐसा इसलिए क्योंकि श्री कश्यप पंड्या ने महेंद्रभाई को यह लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

कश्यप गुजरात के अमरेली जिले में रहते हैं; प्रशिक्षण से एक शिक्षक, लेकिन जुनून और पेशे से एक सौर ऊर्जा टेक्नोक्रेट, कश्यप पंड्या ने अपनी पहल, ब्रह्मदीप एंटरप्राइज के माध्यम से, कई व्यक्तियों, घरों और संस्थानों के लिए स्वच्छ ऊर्जा को किफायती और सुलभ बना दिया है। सभी को कम लागत वाली और कम प्रदूषण फैलाने वाली बिजली उपलब्ध कराने में मदद करना उनका आदर्श वाक्य है। श्री कश्यप उन युवा छात्रों के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं भी चलाते हैं जो 'सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी' को अपना पेशा बनाना चाहते हैं; और भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत मिशन ने कश्यप को अपने मिशन का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने 500 किलोवाट से अधिक की सौर ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित की हैं, जिससे लगभग 2500 किलोग्राम CO₂ को वायुमंडल में प्रवेश करने से बचाया गया है।

“भारतीय संस्कृति पर्यावरण और हमारे ग्रह का गहरा सम्मान करती है। सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ, हमने अपनी सौर क्षमता में 2300% की वृद्धि की है!...हमने 2023 के लक्ष्य से नौ साल पहले, अपने ऊर्जा स्रोतों में नवीकरणीय ऊर्जा को 40% से अधिक बना दिया है।”

23 जून, 2023 को यूएसए की कांग्रेस की संयुक्त बैठक में पीएम मोदी का संबोधन



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

एक बार उत्पन्न हुई बिजली को संग्रहित नहीं किया जा सकता!!! इस प्रकार बिजली की माँग और आपूर्ति (जिसमें एक दिन के भीतर भी उतार-चढ़ाव होता है) के बीच संतुलन सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण और तकनीकी कौशल है जिसकी हमारे बिजली घरों को आवश्यकता है।

नागरिकों का ऊर्जा-आधारित व्यवहार और जीवनशैली उनके गांवों/शहरों/देशों को बिजली उत्पादन में कुशल बनाने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है कि सभी नागरिकों तक इसकी पहुंच हो। **आइए हम ऊर्जा के प्रति जागरूक होने का प्रयास करें:** हम सभी अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव कर सकते हैं और साथ मिलकर बहुत सारी ऊर्जा, विशेषकर बिजली बचाने में मदद कर सकते हैं। ऐसा करने के कुछ उपाय यहाँ नीचे दिए हैं:

1. हर सप्ताह अपनी कक्षा के लिए एक ऊर्जा मॉनिटर चुनें जो यह सुनिश्चित करेगा / करेगी कि ऊर्जा का उचित उपयोग हो रहा है।
2. यदि आप कमरे से निकलने वाले आखिरी व्यक्ति हैं, तो कृपया लाइट, पंखे, AC बंद करना सुनिश्चित करें।
3. कमरे की खिड़कियाँ और परदे उचित रूप से खोलकर अधिकतम संभव सूर्य के प्रकाश का उपयोग करने में सभी की मदद करें।
4. सुबह 5:00 बजे से 9:00 बजे और शाम 4:00 से 7:00 बजे तक बजे तक चरम ऊर्जा माँग वाले घंटों के दौरान वाँशर, ड्रायर और इलेक्ट्रिक ओवन जैसे बड़े उपकरणों को चलाने से बचें।
5. एनर्जी स्टार उपकरण, उत्पाद और लाइटें खरीदें जो अधिक कुशल हों।
6. एयर कंडीशनिंग इकाइयों को छाया देने के लिए पेड़ या झाड़ियाँ लगाएँ लेकिन हवा के प्रवाह को अवरुद्ध न करें। छाया में चलने वाली एक AC धूप में चलने वाली AC की तुलना में 10% कम बिजली का उपयोग करती है।
7. एलईडी (प्रकाश उत्सर्जक डायोड) रोशनी का उपयोग करें क्योंकि ये एक अत्यधिक ऊर्जा कुशल तकनीक हैं।
8. याद रखें, पानी बचाने से ऊर्जा भी बचती है; इसलिए घर पर पानी की बर्बादी कम करें।
9. इसी प्रकार एलपीजी जैसे खाना पकाने के ईंधन का उपयोग करने से भी ऊर्जा बचाने और प्रदूषण को कम करने में मदद मिलती है।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



ऊर्जा दौड़

उद्देश्य

छात्रों को यह सीखने में मदद करने के लिए कि हर बार ऊर्जा का उपयोग करने पर उसका एक हिस्सा बर्बाद हो जाता है।

एक्टिविटी का विवरण

- विद्यार्थियों को स्वयं को 15-20 की टीमों में संगठित करने दें।
- अब प्रत्येक टीम को एक पंक्ति में खड़े होने के लिए कहें; इसलिए यदि तीन टीमों हैं, तो वे लगभग एक दूसरे के समानांतर, तीन पंक्तियों में खड़ी होंगी।
- प्रत्येक टीम के पहले खिलाड़ी को एक कप पानी से भरा हुआ दें। सुनिश्चित करें कि सभी टीमों को समान मात्रा में पानी मिले; प्रत्येक टीम के आखिरी खिलाड़ी को एक खाली कप और बाकी सभी खिलाड़ियों को एक-एक चम्मच दें।
- सभी टीमों को एक्टिविटी की शुरुआत में मिले पानी की मात्रा को मापने दें - ऐसा करने के लिए वे पानी की बोतल के ढक्कन या एक गिलास या मापने वाले सिलेंडर का उपयोग कर सकते हैं।
- अब टीमों को घोषणा करें कि यह एक प्रतियोगिता है और जब 'प्रारंभ' की घोषणा की जाती है, तो प्रत्येक टीम का दूसरा खिलाड़ी पहले खिलाड़ी के पास जाएगा, पहले खिलाड़ी से एक चम्मच पानी लेगा और स्वयं के स्थान पर वापस जाकर खड़ा हो जाएगा; एक बार ऐसा हो जाने पर तीसरे खिलाड़ी को दूसरे खिलाड़ी के पास आना चाहिए और दूसरे खिलाड़ी के चम्मच से पानी अपने चम्मच में लेना चाहिए; अब चौथे खिलाड़ी को तीसरे खिलाड़ी के पास जाना चाहिए और उसके चम्मच में पानी लेना चाहिए, इस प्रकार प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक की टीम पहले खिलाड़ी के कप में भरा पूरा पानी आखिरी खिलाड़ी के कप में स्थानांतरित न हो जाए।
- बीच-बीच में यह घोषणा करते रहें कि पानी अनमोल है और इसलिए इस खेल को जीतने के लिए दो मानदंड हैं- पानी को तेज़ी से स्थानांतरित कर पाना और पहले खिलाड़ी को दिया गया सारा पानी अंतिम खिलाड़ी तक पूर्ण मात्रा में पहुँचना।
- आखिरी खिलाड़ी के कप में सारा पानी खाली हो जाने के बाद, प्रत्येक टीम के कुछ खिलाड़ियों को बुलाएँ और उन्हें अपनी टीम द्वारा स्थानांतरित किए गए पानी की मात्रा को मापने के लिए कहें (मापने वाले सिलेंडर या पानी की बोतल के ढक्कन का उपयोग करके - उसी कंटेनर का उपयोग करें जिसका उपयोग उन्होंने कप में मापने के लिए एक्टिविटी की शुरुआत में किया था)।

- उनसे सभी खिलाड़ियों को मापने वाला सिलेंडर दिखाने के लिए कहें ताकि वे आखिरी कप में पानी की मात्रा नोट कर सकें।

चर्चा

- उनसे पूछें, क्या कोई टीम 100 प्रतिशत पानी स्थानांतरित करने में सफल रही? क्यों?
- खेल के आरंभ में लिए गए पानी की तुलना में अंत में पानी की मात्रा कम क्यों हुई? उनसे पूछें कि गायब पानी कहाँ है?
- उन्हें बताएँ कि इस खेल में 'पानी' जो है वो 'ऊर्जा' का प्रतीक था। प्रत्येक बार चमच्च से स्थानांतरित किये गए पानी की तरह ही, ऊर्जा भी जितनी बार स्थानांतरित होती है तो उस ऊर्जा का कुछ प्रतिशत बर्बाद हो जाता है। यह एक शाश्वत वैज्ञानिक सिद्धांत भी है। स्थानांतरण के साथ कुछ मात्रा में ऊर्जा की हानि अवश्य होती है - चाहे वह हमारे घरों को आपूर्ति की जाने वाली बिजली हो, या रसोई गैस हो।
- उन्हें याद दिलाएँ कि बिजली ऊर्जा का अत्यधिक परिष्कृत रूप है जो उत्पन्न होने पर प्रक्रियाओं के कई चरणों से गुजरती है (कोयला या जलविद्युत परियोजनाओं या यहां तक कि परमाणु परियोजनाओं से)। और इन प्रक्रियाओं के हर चरण पे कुछ न कुछ ऊर्जा बर्बाद होती है।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



स्कूल एनर्जी क्लब

उद्देश्य

स्कूल के वरिष्ठ छात्रों को घर पर बिजली के उपयोग और संरक्षण का प्रभार लेने में सक्षम बनाना।

एक्टिविटी का विवरण

- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों (विशेषकर कक्षा 9 और 11) के लिए घोषणा करें कि उन्हें 'स्कूल एनर्जी क्लब' की स्थापना में नेतृत्व करने की आवश्यकता है।
- उन्हें कुछ मार्गदर्शन प्रदान करें कि स्कूल एनर्जी क्लब कैसा हो सकता है: इसके लिए एक अध्यक्ष, ऊर्जा प्रबंधक, ऊर्जा मॉनिटर, सहायता/प्रशासन स्टाफ और प्रत्येक ग्रेड (6 से 12) से एक ऊर्जा/ एनर्जी संरक्षण प्रतिनिधि की एक कोर टीम की आवश्यकता होगी।)
- क्लब प्रबंधन, चुनाव/नामांकन आदि के लिए दिशानिर्देश बनाने में उनका समर्थन करें।
- क्लब को स्कूल द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए और क्लब के सदस्यों को साप्ताहिक बैठकें आयोजित करने, एजेंडा को पूरा करने और कार्य करने के लिए समय और स्थान दिया जाना चाहिए।
- आमतौर पर क्लब की शुरुआत होगी:
 - ए) स्कूल के वर्तमान बिजली उपयोग पैटर्न की स्थापना; स्कूल का बिल पढ़ें;
 - बी) अच्छी प्रथाओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करें;
 - सी) स्कूल बिजली ऑडिट आयोजित करना;
 - डी) बिजली के उपयोग को और अधिक कुशल बनाकर उसमें सुधार लाने के लिए क्षेत्रों और कार्यों की पहचान करना;
 - ई) योजना को स्कूल प्रबंधन से अनुमोदित कराएँ और स्कूल में सभी को इसकी जानकारी दें;
 - एफ) योजना को क्रियान्वित करें।

- क्लब, स्कूल में ऊर्जा और पर्यावरण से संबंधित दिवस मना सकता है और माता-पिता और पड़ोसी समुदाय के लिए जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम, वार्ता और सेमिनार भी आयोजित कर सकता है।
- क्लब अपना स्वयं का लोगो भी डिज़ाइन कर सकता है; स्वयं के लिए एक 'टैग लाइन' या 'मिशन स्टेटमेंट' भी बना सकता है; सदस्यता बढ़ाने की योजनाएँ भी बना सकता है, आदि।
- अंत में हर साल निवर्तमान ग्रेड 9 और 11 (क्रमशः 10 और 12 के बोर्ड वर्षों में आगे बढ़ते हुए), क्लब चलाने की औपचारिकताओं को आने वाली कक्षा 9 और 11 को सौंप दें।

टिप्पणियाँ

- 2-4 शिक्षकों की एक टीम स्कूल एनर्जी क्लब के प्रभारी होने की जिम्मेदारी ले सकती है; शिक्षकों की यह टीम क्लब के सदस्यों का मार्गदर्शन करेगी और क्लब की बैठकों, गतिविधियों और प्रभावों की निगरानी भी करेगी।
- इस तरह स्कूल अपना स्वयं का 'सभी के लिए स्वच्छ ऊर्जा' घोषणापत्र भी विकसित कर सकता है!





गुणवत्तापूर्ण रोज़गार और आर्थिक विकास

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH



समावेशी,
सतत आर्थिक
विकास और
गुणवत्तापूर्ण,
तथा उत्पादक
रोजगार को
बढ़ावा देना

आपके सपनों का स्कूल!

आइए 'जीनी' - जो सिर्फ एक जादू की छड़ी से आपकी इच्छा पूरी कर सकती है - के साथ चलिए आप अपने सपनों के स्कूल की यात्रा पे!अपनी आँखें बंद करें...कल्पना करें, आप स्कूल के लिए तैयार हो रहे हैं; और आप वहां हैं, जी हाँ, अपने स्कूल जाने के लिए पूरी तरह तैयार..... आपके सपनों का स्कूल कैसा दिखता है? आप जिनी को अपने सपनों के स्कूल के बारे में क्या बताएँगे, उसे आपको कैसे स्कूल ले जाना चाहिए? आपके सपनों के स्कूल की इमारत किस प्रकार की है? खेल का मैदान कैसा दिखता है? वहां किस प्रकार की कक्षाएँ हैं? स्कूल की समय-सारणी में कक्षा-कार्य, खेल और विकास, अन्य पीरियड्स किस प्रकार की दिखती हैं? आप अपने सपनों के स्कूल में कौन से शिक्षक और सहपाठी चाहते हैं? अरे हाँ, आप वहाँ हैं, लगभग वहाँ, आप वास्तव में अपना सपनों का स्कूल देख सकते हैं! यही है ना!

अब अपनी आँखें खोलो. कम से कम 10 ऐसी चीज़ें याद करें जो आप अपने सपनों के स्कूल में चाहते थे और जो अभी अभी आपने बंद आँखों से अपने स्कूल में देखीं थीं! ये 10 चीज़ें उन चीज़ों का सारांश प्रस्तुत करती हैं जिन्हें आप यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं कि आप अपनी स्कूली शिक्षा एक खुशहाल, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण में पूरी करें।

ठीक इसी तरह, SDG 8 यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि सभी के लिए पर्याप्त काम और विकास के अवसर हों और सभी कार्यस्थल सभी श्रमिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ और मानवीय कार्य वातावरण और संसाधन प्रदान करें।

SDG 8 का क्या तात्पर्य है?

- 'गुणवत्तापूर्ण रोजगार और आर्थिक विकास' के कुछ संकेतक हैं:
- हर कोई स्वतंत्र रूप से एक सुरक्षित और उचित कमाई वाली सुरक्षित नौकरी चुन सके;
- किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जाता है या उसे काम के अवसरों तक पहुंचने से वंचित नहीं किया जाता है;
- प्रासंगिक कौशल और रोजगार में प्रशिक्षण (सरकार, संस्थानों और अन्य एजेंसियों द्वारा) अधिक लोगों को अच्छे काम के लिए योग्य और सक्षम बना सकता है। इससे अंततः बेरोजगारी में कमी आएगी।
- व्यवसाय, उद्योग और कार्यालय प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करते हैं;
- बलात् श्रम, बाल श्रम और श्रम के शोषण को गैरकानूनी बना दिया गया है और समाप्त कर दिया गया है;
- बेहतर अर्थव्यवस्था से हर कोई लाभान्वित हो सके।

क्या आप जानते हैं?

यदि आपकी आयु कम से कम 14 वर्ष है, तो भारत के कानून के अनुसार, आपको आयु उत्पन्न करने में अपने परिवार का समर्थन करने की अनुमति है। हालाँकि, आपको ऐसे वातावरण में काम नहीं करना चाहिए जो खतरनाक हो, उदाहरण के लिए, किसी रासायनिक कारखाने में, या खनन स्थल पर। इसके अलावा, जिस स्थान पर आप काम करते हैं, वहां कुछ शर्तें होनी चाहिए ताकि आपके स्वास्थ्य और सुरक्षा से समझौता न हो। इसके लिए, भारत ने बाल और किशोर (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 लागू किया है। इसके कुछ मुख्य अंश:

- कोई भी किशोर कर्मचारी प्रतिष्ठान के लिए तय और निर्धारित घंटों से अधिक समय तक काम नहीं करेगा।
- प्रतिष्ठान को काम के घंटे तय कर देने होंगे।
- बिना ब्रेक के कोई भी प्रतिष्ठान किसी किशोर से (14-18 साल) एक साथ 3 घंटे से ज्यादा देर तक काम नहीं करवा सकता। प्रति 3 घंटे के काम के बीच किशोरों को 1 घंटे का ब्रेक देना अनिवार्य है।
- किशोरों के लिए, एक दिन में अधिकतम कार्य घंटे छह होंगे, जिसमें एक घंटे का अंतराल भी शामिल है।
- कोई भी किशोर कर्मचारी शाम 7 बजे से सुबह 8 बजे के बीच काम नहीं करेगा।
- एक किशोर एक ही दिन में दो प्रतिष्ठानों में काम नहीं कर सकता।
- सप्ताह में एक अवकाश अर्थात् छुट्टी का दिन अनिवार्य है।

उन्होंने कर दिखाया!

सभी के लिए खुला स्कूल!













यदि आपकी उम्र 14 वर्ष या उससे अधिक है, और आप काम करना चाहते हैं और कमाई में अपने परिवार का समर्थन करना चाहते हैं, तो आप अपनी स्कूली शिक्षा कैसे पूरी कर सकते हैं? क्या ये बड़ा सवाल नहीं है? हमारे देश ने ऐसे कामकाजी युवाओं के लिए प्रावधान किया है। भारत में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS) है, जो एक ऐसा स्कूल है जो सभी के लिए खुला है! NIOS का मिशन 'औपचारिक प्रणाली के विकल्प के रूप में प्राथमिकता वाले शिक्षार्थी समूहों को ओपन लर्निंग सिस्टम के माध्यम से प्री-डिग्री स्तर तक स्कूल स्तर पर प्रासंगिक सतत शिक्षा प्रदान करना' है। NIOS प्री-डिग्री स्तर तक शिक्षार्थियों के एक विविध समूह की जरूरतों को पूरा करता है।

भारत में सैकड़ों-हजारों युवा, जो व्यक्तिगत रूप से एक निश्चित समय पर स्कूल नहीं जा सकते, NIOS प्रणाली के माध्यम से सीखते हैं, अध्ययन करते हैं और स्नातक होते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि एक 'मुक्त विद्यालय' के रूप में, NIOS अनिवार्य उपस्थिति के मानदंड और सभी के लिए निश्चित और समान स्कूल समय की मांग नहीं करता है। इसके बजाय NIOS अपने शिक्षार्थियों को अपनी गति, सुविधा और पसंदीदा समय पर सीखने की अनुमति देता है।

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. यदि आप अपने आस-पास (घर पर, किराने की दुकान में, ढाबे में, पेट्रोल-पंप पर या किसी अन्य स्थान पर) काम करते हुए किसी युवा व्यक्ति (18 वर्ष से कम आयु) को देखते हैं, तो उन्हें अपने जितना ही समर्थन प्रदान करें। उनकी पढ़ाई पूरी करने में मदद कर सकते हैं।
2. अगर आपकी उम्र 18 साल से कम है और आप कहीं काम करने की योजना बना रहे हैं, तो अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़ें; अपने आप को NIOS जैसे ओपन स्कूल में नामांकित करें, और अपनी शिक्षा पूरी करें।
3. सुनिश्चित करें कि आपका पैतृक घर, कृषि फार्म, या किराने की दुकान जिसे आपका परिवार चलाता है, अपने कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार करें, उन्हें सुरक्षित और स्वच्छ कार्य-वातावरण प्रदान करें।
4. अपने माता-पिता से चर्चा करें और उन्हें सुझाव दें कि उन्हें व्यवसाय या कृषि या दुकान आदि से होने वाली सकल आय का एक उचित हिस्सा उन श्रमिकों के साथ साझा करना चाहिए जिन्हें आपके परिवार ने काम पर लगाया है।
5. चुनौतीपूर्ण वातावरण में काम करने वाले कार्यबलों के प्रति सहानुभूति रखें। अपने मार्ग पर यातायात पुलिस कर्मियों या सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पानी की बोतल या कुछ फल ले जायें।
6. स्कूल की छुट्टियों के दौरान, किसी प्रकार के भुगतान वाले कार्य नौकरी/असाइनमेंट में शामिल होने का प्रयास करें (आपकी रुचि और आस-पास के क्षेत्रों में नौकरी की उपलब्धता के आधार पर); इससे आपको अपने पेशेवर कौशल को निखारने में मदद मिलेगी और स्नातक होने पर आप नौकरियों के लिए उपयुक्त बन जाएंगे।
7. यदि आपके पास कौशल, रुचि, जुनून और परिवार का समर्थन है, तो आप किसी और के प्रतिष्ठान में नौकरी की तलाश करने के बजाय अपना खुद का स्टार्ट-अप/लघु व्यवसाय शुरू करना चाह सकते हैं।

SDG 8 के अंतर्गत आए लक्ष्य

<p>TARGET 8-1</p>  <p>सतत आर्थिक विकास</p>	<p>TARGET 8-2</p>  <p>आर्थिक उत्पादन को बढ़ाने के लिए नए तरीके खोजना और उन्हें अपग्रेड करना</p>	<p>TARGET 8-3</p>  <p>रोजगार सृजन और बढ़ते उद्यमों का समर्थन करने के लिए नीतियों को बढ़ावा देना</p>
<p>TARGET 8-4</p>  <p>उपभोग और उत्पादन में संसाधन दक्षता में सुधार</p>	<p>TARGET 8-5</p>  <p>पूर्ण रोजगार और समान वेतन के साथ अच्छा काम</p>	<p>TARGET 8-6</p>  <p>युवा रोजगार, शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना</p>
<p>TARGET 8-7</p>  <p>आधुनिक दासता, तस्करी और बाल श्रम का अंत</p>	<p>TARGET 8-8</p>  <p>श्रम अधिकारों की रक्षा और सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देना</p>	<p>TARGET 8-9</p>  <p>लाभकारी और टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा देना</p>
<p>TARGET 8-10</p>  <p>बैंकिंग, बीमा और वित्तीय सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच</p>	<p>TARGET 8-A</p>  <p>कारोबारी समर्थन के लिए सहायता राशि को बढ़ावा देना</p>	<p>TARGET 8-B</p>  <p>युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार रणनीति तैयार करना</p>

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



नेम, प्लेस, एनिमल, थिंग,नहीं नहीं, नाम, क्वालिटी पर्सन एंड वर्क

उद्देश्य

कार्यस्थल को 'अच्छा' कार्यस्थल बनाने के बारे में शिक्षार्थियों की राय और विचार एकत्र करने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को बताएँ कि वे एक खेल खेलने जा रहे हैं जो उस लोकप्रिय खेल जैसा है जिसे वे पहले से जानते हैं - 'नाम, प्लेस, एनिमल, थिंग'।
- पूरी कक्षा को यह खेल एक साथ खेलने के लिए कहें, और उन्हें इसे जोड़ियों में खेलना चाहिए।
- उन्हें बताएँ कि खेल के 5 राउंडस होंगे। प्रत्येक राउंड की शुरुआत में, आप 'नाम' की घोषणा करेंगे (किसी स्थान का नाम); और जैसे ही आप घोषणा करें, प्रत्येक छात्र को उस 'नाम' के बारे में 3 बातें लिखनी चाहिए।
 1. उस स्थान की अपेक्षित गुणवत्ता (उस स्थान की जिसे बनाए रखा जाना चाहिए);
 2. व्यक्ति (जिसे वे जानते हैं वह उस स्थान पर काम करता है); और
 3. कार्य स्थिति (कार्य स्थिति किस प्रकार की होनी चाहिए)।
- उन्हें बताएँ कि यदि आवश्यक हो, तो टीम के मेंबर्स अपने विचारों को अपनी नोट-बुक में लिखने से पहले एक-दूसरे के साथ चर्चा भी कर सकते हैं।
- आपके द्वारा 'नाम' की घोषणा के बाद, सभी को उस नाम से संबंधित तीन पहलुओं को लिखने (और यदि आवश्यक हो तो साथी के साथ चर्चा करने) के लिए 1.5 मिनट का समय मिलेगा।
- यदि आवश्यकता हो तो उन्हें एक ट्रायल राउंड दें।
- अधिकतम 5 राउंड खेलें।

- अंत में, जो टीम 5 राउंड में से अधिकांश या सभी राउंड में पहले स्थान पर रहती है वह विजेता होती है।
- 5 राउंड में, आप निम्नलिखित में से किसी भी नाम की घोषणा कर सकते हैं:
 1. स्कूल (उन्हें यह उदाहरण के रूप में दें, हो सकता है कि वे स्कूल को 'कार्यस्थल' के रूप में अधिक जानते हों);
 2. फिल्म उद्योग;
 3. एक कारखाना;
 4. अस्पताल;
 5. एक बस (उन्हें ड्राइवर और कंडक्टर के बारे में सोचने के लिए कहें);
 6. यातायात संकेत (उन्हें ट्रैफिक पुलिस के बारे में सोचने के लिए कहें);
 7. स्विगी/ज़ोमैटो डिलीवरी अधिकारी, आदि।

उन्हें खेल समझाने के लिए नीचे दी गई तालिका का उपयोग करें:

राउंड नं.	नाम (प्रत्येक राउंड में शिक्षक द्वारा घोषित)	गुणवत्ता (जो उनका मानना है कि उस स्थान के लिए महत्वपूर्ण है)	व्यक्ति (वहां कौन काम करता है)	कार्य की स्थिति (वह होनी चाहिए)
ट्रायल राउंड	उदाहरण के लिए: स्कूल	बाल-केंद्रित/नेतृत्व	शिक्षिका रीना	बच्चों के लिए सुरक्षित
राउंड 1	फिल्म उद्योग	आकर्षक	टाइगर श्रॉफ	सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान करें (सिर्फ हीरो और हेरोइन का नहीं)
राउंड 2	कारखाना			
राउंड 3...	स्विगी या ट्रैफिक सिग्नल वगैरह...			

चर्चा

- एक बार सभी राउंड खेले जाने के बाद, उनसे स्वयं की इच्छा अनुसार कुछ चीजें साझा करने के लिए कहें जो उन्होंने लिखी हैं।
- उनसे कारण पूछें कि उन्हें कोई विशेष 'कार्य स्थल' क्यों पसंद आया।
- उन्होंने जो लिखा है उसके आधार पर, उनके साथ चर्चा करें क्या कार्यस्थल वास्तव में वैसा ही है जैसा वे सोचते हैं? उदाहरण के लिए, क्या स्कूल वास्तव में बच्चों पर केंद्रित हैं; या क्या फिल्म उद्योग कार्यस्थल के रूप में ग्लैमरस और सभी के लिए ग्लैमरस है?
- उनमें से कई लोगों ने अपनी धारणा के आधार पर 'फ़ैक्टरी' जैसी जगहों के बारे में बातें लिखी होंगी, क्योंकि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी; उनकी धारणाएँ अधिकतर किस्सों में मीडिया, फिल्मों आदि से प्रभावित होंगी। उदाहरण के लिए, वे सोच सकते हैं कि 'कारखानों में बड़ी जगह होती है'; उनसे चर्चा करें कि क्या हमेशा ऐसा ही होता है? उनके साथ ऐसी कहानियाँ / उदाहरण साझा करें जहाँ एक कारखाने में 10x12 फीट के छोटे से कमरे में कई सौ श्रमिकों से काम कराया जा सकता है; जहाँ कारखानों में श्रमिकों के लिए शौचालय आदि की सुविधा भी नहीं हो सकती है।
- उन्हें व्यापक रूप से सोचने में मदद करने के लिए, उनसे ट्रैफ़िक सिग्नल जैसे कार्यस्थलों के बारे में पूछें; वहाँ कौन काम करता है; क्या उनके पास वहाँ पीने के पानी की सुविधा या शौचालय की सुविधा होती है?
- अब आप उन्हें वापस संदर्भित कर सकते हैं कि कार्य स्थलों/स्थानों को क्या-क्या सभ्य, सुरक्षित और मानव-अनुकूल बनाता है?
- उनके साथ साझा करें कि भवन, शौचालय, पानी की सुविधा या यहां तक कि एक बीमार कमरे या श्रमिकों के बच्चों के लिए क्रेच सुविधा आदि जैसी सुविधाएँ किसी स्थान को सभ्य और मानवीय बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ऐसी प्रणालियाँ भी हैं जो कार्यस्थल को सुरक्षित बनाती हैं या श्रमिकों के लिए असुरक्षित; उदाहरण के लिए, क्या यह सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रणाली है कि कर्मचारी या स्टाफ सदस्य अपने कार्यस्थल में किसी भी स्थान पर कोई भी शिकायत दर्ज करा सकें और शिकायत पर ध्यान दिया जाएगा; क्या यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था है कि हर किसी की स्वास्थ्य जाँच नियमित अंतराल पर की जाती है; क्या किसी कार्यालय में स्टाफ सदस्यों को कार्यालय के काम के लिए बाहर जाने पर 'यात्रा या जीवन बीमा' प्रदान करने की व्यवस्था है?, आदि।
- अंत में, आप विद्यार्थियों से 10 बातें लिखने के लिए कह सकते हैं जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे उनके स्कूल को सभी के लिए एक सभ्य, सुरक्षित और मानव-अनुकूल कार्यस्थल बना सकते हैं।

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



जॉब मार्केट का अनुभव

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को यह अनुभव करने में मदद करना कि नौकरी की दुनिया कैसे संचालित होती है और आने वाले 4-5 वर्षों में उन्हें किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

एक्टिविटी का विवरण

- सभी विद्यार्थियों को एक बड़े घेरे (सर्किल) में बैठने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि यह सर्किल नौकरी की दुनिया का प्रतीक है।
- उनमें से एक को स्वेच्छा से वॉलंटियर (1) नौकरी के प्रतीक के रूप में घेरे के अंदर रहने दें। एक अन्य वॉलंटियर (2) को उस व्यक्ति का प्रतीक बनने के लिए घेरे से बाहर रहने दें जो वास्तव में वह नौकरी चाहता है।
- उन्हें बताएँ कि वॉलंटियर (2) को नौकरी पाने के लिए, उसे वॉलंटियर (1) को पकड़ना होगा जो पहले से ही उस नौकरी को धारण कर रहा है।
- दोनों वालंटियर्स, वॉलंटियर (1) और वॉलंटियर (2), और सर्किल में बैठे शेष छात्रों को अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने के लिए रणनीति बनाने की आवश्यकता होगी - वॉलंटियर (1) वॉलंटियर (2) से सुरक्षित रहने के लिए; वॉलंटियर (2) को सर्किल को तोड़ने और वॉलंटियर (1) को पकड़ने के लिए रणनीति बनाने की जरूरत है; और सर्किल में बैठे सभी लोगों को दोनों वालंटियर्स को उनके संबंधित स्थान पर रखने के लिए भी रणनीति बनानी होगी। उन्हें बताएँ कि इसमें बहुत मज़ा आएगा।
- जब अंदर का वॉलंटियर पकड़ा जाता है, तो खेल का वह राउंड खत्म हो जाता है। नए वालंटियर्स द्वारा दो भूमिकाएँ निभाने के साथ नए राउंड्स खेले जा सकते हैं।

चर्चा

- दायरे से बाहर रहना (और नौकरी-शिकारी बनना) कैसा लगता है?
- घेरे के अंदर (अपनी नौकरी बचाने के दबाव में लगातार) रहना कैसा लगता है?
- अन्य छात्रों को कैसा लगा? वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों के बारे में क्या सोचते हैं?
- नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए जीवन-कौशल (डिग्री/प्रमाणपत्र के अलावा) का होना कितना महत्वपूर्ण है? एक युवा नौकरी का इच्छुक पहले से ही स्थापित वरिष्ठ कर्मचारी के साथ कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकता है?
- किसी कार्यस्थल को किसी भी कर्मचारी के लिए क्या अच्छा बनाता है?





उद्योग, नवाचार, तथा औद्योगिक सुविधाएँ व व्यवस्था

9 INDUSTRY, INNOVATION
AND INFRASTRUCTURE



समावेशी और
टिकाऊ औद्योगीकरण
को बढ़ावा देना;
तथा लचीले
बुनियादी-ढांचे का
निर्माण करना

एक अनूठा पत्र!

मिताली कक्षा 8 में पढ़ती है; मिताली के पिता को हाल ही में वापी की एक फैक्ट्री में अच्छी नौकरी का ऑफर मिला है। इसलिए, लगभग एक महीने पहले, मिताली और उसका परिवार हरियाणा के करनाल शहर से गुजरात के वापी शहर रहने आये हैं। मिताली का जन्म और पालन-पोषण करनाल में हुआ। अपने जीवन के इन 14 वर्षों में पहली बार वह करनाल से बाहर निकली है; उसने वापी शहर में एक स्कूल में हाल ही में दाखिला लिया है। मिताली एक नए शहर और नए स्कूल में जाने को लेकर उत्साहित होने के साथ-साथ चिंतित भी थी। क्या पता कैसा होगा नया शहर, नया स्कूल? वह थोड़ी उदास भी थी क्योंकि उसे अपने दादा-दादी से दूर जाना हुआ था जो अभी भी करनाल में ही रह रहे थे। वापी आते हुए उसने अपने दादाजी से वादा किया था कि वह वापी पहुँच कर वापी के बारे में उन्हें पत्र लिखेगी। हम आपके साथ मिताली द्वारा अपने दादाजी को लिखे पत्र के अंश साझा कर रहे हैं।

वापी, गुजरात

3 जुलाई 2023

प्रिय दादाजी,

मम्मी, पापा और मैं यहां ठीक और सुरक्षित हैं और आशा करते हैं कि आप और दादीजी भी करनाल में अच्छे होंगे। मुझे आपकी और दादीजी की बहुत याद आती है।

मेरे सामाजिक विज्ञान के शिक्षक, प्रदीप सर, ने मुझे वापी के बारे में जानने में और आपको यह पत्र लिखने में बहुत मदद की है। वापी शहर यहाँ भारी संख्या में स्थित फैक्ट्री और उद्योगों के लिए जाना जाता है... मैंने सीखा कि फैक्ट्रीज और उद्योगों ने, विशेषकर मशीनी उद्योगों ने हमारे जीवन को आसान और अधिक आरामदायक बना दिया है। परन्तु हमने इसके लिए भारी कीमत भी चुकाई है!...मुझे सम्पूर्ण ज्ञान नहीं है कि औद्योगिक विकास अच्छा है या बुरा, या दोनों ही! प्रदीप सर ने मुझे बताया कि इस दुनिया के लगभग सभी राष्ट्र, चक्र 9, जो टिकाऊ औद्योगिक विकास पर केंद्रित है, की दिशा में काम करके 'उद्योगों के अच्छे प्रभावों' को बढ़ाने और 'बुरे नतीजों' को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

वापी और औद्योगिक विकास के विषय में अभी इतना ही मुझे अपने घर करनाल की याद आती है और सबसे ज्यादा आपकी और दादीजी की...

जल्दी ही मिलते हैं।

आदर और ढेर सरे प्यार सहित

आपकी मिताली



क्या आप मिताली की इस उलझन को दूर करने में मदद कर सकते हैं कि उद्योग हमारे लिए अच्छे हैं या नहीं? दोनों ही विचारों के लिए कुछ तर्क यहाँ प्रस्तुत किए गए हैं, आप अपने शिक्षक के साथ इन पर चर्चा करें और दी गई सूचियों में और मुद्दे भी जोड़ सकते हैं:



उद्योग-व्यवसाय: कुछ अच्छे प्रभाव

- उद्योगों और मशीनों ने मानव श्रम को कम करके हमारे जीवन को आसान बना दिया है।
- सन 1800 मानव जनसंख्या विस्फोट का काल था: उद्योग, बढ़ती जनसंख्या के लिए वस्तुएँ और उत्पाद उपलब्ध करा सके थे।
- तेज़ी से हुई उत्पाद में वृद्धि: उत्पाद बड़े पैमाने पर, और सस्ते बनें।
- लाखों लोगों के लिए नौकरियाँ पैदा कीं।
- कई वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग आविष्कारों के लिए परिस्थितियाँ बनाईं।



उद्योग-व्यवसाय: कुछ बुरे प्रभाव

- प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की गति कई गुना बढ़ गई, जिससे अंततः कई पारिस्थितिक तंत्र अस्त-व्यस्त हो गए।
- अपशिष्ट निर्माण की गति और मात्रा भी कई गुना बढ़ गई, जिससे नदियों और जल निकायों के साथ-साथ खेतों में भी भारी प्रदूषण हुआ।
- जैव विविधता से समृद्ध लेकिन आर्थिक रूप से गरीब देशों में प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन हुआ।
- स्थानीय उद्यमों की धीरे-धीरे ख़त्म हो गए और स्थानीय-सामुदायिक व्यापार और विनिमय प्रणालियों को बाधित किया गया।
- अमीर और अमीर हो गए और गरीब और ज़्यादा गरीब।
- मानव श्रम का शोषण, बड़े पैमाने पर बाल श्रम शुरू किया गया।
- मजदूरों के लिए अमानवीय, असुरक्षित और जोखिम भरी कार्य स्थितियाँ।
- सामाजिक मत-भेद भी बढ़ा—मजदूर और मालिक के बीच

SDG 9 के अंतर्गत आए लक्ष्य



1 टिकाऊ, लचीला और समावेशी आधारभूत संरचना विकसित करना



2 समावेशी और सतत औद्योगीकरण को बढ़ावा देना



3 वित्तीय सेवाओं और बाजारों तक पहुंच बढ़ाना



4 स्थिरता के लिए सभी उद्योगों और बुनियादी ढांचे का अपग्रेड



5 अनुसंधान को बढ़ाना और औद्योगिक प्रौद्योगिकियों का अपग्रेड करना



A विकासशील देशों के लिए सतत बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा



B घरेलू प्रौद्योगिकी विकास और औद्योगिक विविधीकरण का समर्थन



C सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक सार्वभौमिक पहुँच

टिकाऊ, समावेशी और लचीला बुनियादी ढांचा

भौतिक संरचनाएँ जैसे सड़कें, बिजली या स्वास्थ्य सुविधाएँ, बैंकिंग सुविधाएँ, आवास सुविधाएँ आदि जो किसी राष्ट्र के व्यापार, वाणिज्य और अर्थव्यवस्था को सुविधाजनक बनाती हैं और उसके नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती हैं, उन्हें 'सार्वजनिक बुनियादी ढांचा' कहा जाता है। यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्र ऐसे बुनियादी ढांचे का निर्माण करें जो (ए) पर्यावरण के लिए कम से कम हानिकारक हो; (बी) जो 'समावेशी' हो - अपने सभी नागरिकों - ग्रामीण-शहरी - के लिए समान आसानी से पहुंच योग्य हो; महिला पुरुष; बूढ़ा जवान; गरीब अमीर; शारीरिक-मानसिक रूप से विकलांग आदि सभी के लिए किफायती हो; और (सी) जो जनता द्वारा दीर्घकालिक उपयोग के लिए लचीला-मजबूत और सुरक्षित हो।

औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने के लिए नवाचार करना

ऊर्जा, परिवहन, सिंचाई और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे बुनियादी ढांचे समुदायों के लिए महत्वपूर्ण हैं, और सभी के लिए सतत विकास प्राप्त करने के लिए उनमें निवेश आवश्यक है। बुनियादी ढांचा आवश्यक है, नवाचार, पहुंच और समानता औद्योगिक विकास को प्राप्त करने के प्रयासों की नींव रखती है जो संसाधन कुशल, पर्यावरण अनुकूल है और जिसका लाभ सभी तक पहुंचता है।

समावेशी एवं सतत औद्योगीकरण

उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को अधिक टिकाऊ और समावेशी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए एक उद्योग से उत्पन्न 'अपशिष्ट' का उपयोग करके उसे दूसरी औद्योगिक प्रक्रिया के लिए 'कच्चे' माल के रूप में उपयोग में लिया जा सकता है। यह उद्योगों को अधिक हरित और अधिक 'टिकाऊ' बना सकता है; इसी प्रकार औद्योगिक समूह अपने लाभ का कुछ हिस्सा सामाजिक विकास कार्यों के लिए साझा कर सकते हैं जैसे कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में सरकार का समर्थन करना। युवाओं, महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा, प्रशिक्षण प्रदान करना; कार्यबल को नियोजित करना जिसमें शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति, महिलाएँ और यहां तक कि सक्षम और अनुभवी वरिष्ठ नागरिक भी शामिल हों। यह उद्योगों को अधिक 'समावेशी' बनाता है।

बुनियादी वित्तीय सेवाएँ

बुनियादी वित्तीय सेवाओं में बैंकिंग सेवाएँ, सुरक्षित ऋण और क्रेडिट सुविधाएँ और बीमा सुविधाएँ शामिल हैं। प्रत्येक वयस्क, जो इच्छुक और पात्र है, वह दी जाने वाली बुनियादी वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम हो। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) सभी भारतीयों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच प्रदान करती है। PMJDY के तहत एक सप्ताह में सबसे अधिक संख्या में खाते (1,80,96,130) खोलने की उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह मिली है।

क्या आप जानते हैं?

मंगलयान से रद्दीवालों तक: भारत ने अपने उद्योगों का नवप्रवर्तन किया!

- भारत का मंगलयान मिशन मंगल ग्रह के लिए दुनिया का सबसे कम खर्चीला (अंतरग्रहीय) मिशन रहा है।
- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2022 में भारत ने 40वां (132 देशों में से) स्थान प्राप्त किया है।
- भारत ने सभी सड़क डेवलपर्स के लिए सड़क निर्माण के लिए बिटुमिनस (कोयला) मिश्रण के साथ अपशिष्ट प्लास्टिक (लगभग 6-8%) का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है।
- भारत का पुनःउपयोग-पुनर्चक्रण उद्योग (रद्दीवाले / कबाड़ीवाले) दुनिया में सबसे बड़े पुनः उपयोग उद्योगों में से एक है।

उन्होंने कर दिखाया!

बॉटल्स फॉर चेंज

बिसलेरी कंपनी 'बॉटल्स फॉर चेंज' नाम से एक पहल लेकर आई है जो अपशिष्ट पृथक्करण, प्लास्टिक की बोतलों की रीसाइक्लिंग और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की दिशा में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। इस पहल के अंतर्गत, कंपनी द्वारा एकत्र किए गए प्लास्टिक को कुचल दिया जाता है, रिसाइकिलर्स को बेच दिया जाता है, और फ्लेक्स में परिवर्तित कर दिया जाता है, जिसका उपयोग कपड़े, हैंडबैग, खिड़की के पर्दे आदि जैसे गैर-खाद्य उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, बिसलेरी प्लास्टिक रीसाइक्लिंग जागरूकता और संग्रह का संचालन करता है। बिसलेरी इसी पहल के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, कॉर्पोरेट कार्यालयों, मॉल, उत्सव और सामाजिक समारोहों, तथा आयोजनों आदि में भी प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग से जुड़ा जागरूकता अभियान चला रहा है।



स्रोत: <https://www.bisleri.com/blog-detail/importance-of-plastic-recycling-bottles-for-change>

भारतीय रेलवे ने किया नवप्रवर्तन, हुआ हरित!

जनवरी 2015 में, दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में से एक, भारतीय रेलवे ने पर्यावरण प्रबंधन पहलों के समन्वय के लिए पर्यावरण निदेशालय की स्थापना की। तब से, रेलवे ने पर्यावरण प्रबंधन के संबंध में अपनी पहलों को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं, जिसमें ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा के नवीकरणीय और वैकल्पिक स्रोत, जल संरक्षण, वनीकरण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित प्रमाणन सहित कुछ उल्लेखनीय पहल शामिल हैं।

स्रोत: Indian Railways Green Footprints on Sand of Time: Annual Report 2019-20, Indian Railways



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

केवल प्रमाणित (आईएसओ या बीईई, आदि) उत्पाद, उपकरण और उपकरण खरीदें;



खरीदारी के लिए तभी जाएँ जब आपको वास्तव में किसी नई चीज़ की 'ज़रूरत' हो;



सामान, सामग्री, उपकरण का पुनः उपयोग/पुनः-चक्रण;



घर पर कचरे को कम करने के नवीन तरीकों के बारे में सोचें, जैसे:



रसोई से निकलने वाले अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करें;



पौधों को उगाने के लिए पुराने जूतों, बोटलों या टायरों का गमलों के रूप में उपयोग करें



प्लास्टिक की बोटलें, इस्तेमाल किए गए पेन आदि से 'बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट' बनाएँ;



इलेक्ट्रॉनिक कचरे को सही तरीके से निष्कासित करें;

अपने घरेलू व्यवहार में छोटे-छोटे सुधार करने के तरीके ढूँढने के लिए अपने माता-पिता से बात करें, जैसे जितना संभव हो सके सूरज की रोशनी का उपयोग करें, घर पर मौसमी सब्जियों और फलों को धूप में सुखाएं ताकि बाद में उपयोग किया जा सके।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



आपका घर भी एक उद्योग!

उद्देश्य

युवा शिक्षार्थियों को यह समझने में मदद करना कि छोटे-छोटे कार्य भी मायने रखते हैं!

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को बताएँ कि घर भी एक उद्योग की तरह हैं।
- इसलिए हमें यह आंकलन करने का प्रयास करना चाहिए कि क्या हमारे घर टिकाऊ और समावेशी हैं!
- प्रत्येक छात्र को 'होम-सर्वेक्षण' शीट प्रदान करें (आप इन्हें अपने छात्रों के सामाजिक संदर्भ के अनुरूप बदल सकते हैं) और उन्हें अगले कुछ दिनों में इसे भरने के लिए कहें;
- एक बार जब वे सभी शीट भर लें, तो उसी के बारे में 'पूरी कक्षा' में चर्चा करें। छात्रों को एकत्रित की हुई जानकारी के अलग-अलग पहलुओं को साझा करने दें जैसे:
 - ए) किस बात से उन्हें अपने घरों पर गर्व महसूस होता है?
 - बी) उन्हें अपने घर की कौन सी चीज़ अच्छी लगती है?
 - सी) क्या उनका घर और परिवार 'समावेशी' है? क्या वे स्वयं घर के महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा में सम्मिलित महसूस करते हैं? क्या उनके छोटे/बड़े भाई-बहन भी ऐसा ही महसूस करते हैं?
- उनसे उनके परिवारों द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट/कचरा की मात्रा की तुलना करने के लिए कहें।
- उनसे अपने घरों और परिवारों द्वारा उपभोग की जाने वाली बिजली की इकाइयों की तुलना करने के लिए कहें?
- परिवार भोजन और रसोई पर कितना खर्च करते हैं; स्वच्छता एवं साफ-सफाई; कपड़े, सहायक उपकरण, मनोरंजन आदि।
- क्या उन्हें अपना घर और परिवार टिकाऊ लगता है? क्यों?

गृह सर्वेक्षण पत्रक

ऊर्जा संबंधी	हाँ/नहीं	इकाइयों की संख्या	सौर शक्ति	बिजली से चलने वाला	यदि बिजली चलती है तो कितने बीईई तारे हैं
टीवी/फ्रिज/एसी/वॉशिंग मशीन (प्रत्येक उपकरण की एक पंक्ति रखें)					
ग्रिड में सौर ऊर्जा?					
खाना पकाने में किस ईंधन का उपयोग किया जाता है?					
औसत बिजली बिल (मासिक/द्विमासिक..)					
औसत रसोई गैस बिल (मासिक)					

गृह सर्वेक्षण पत्रक

समावेशी	हाँ/नहीं
परिवार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय कैसे लिए जाते हैं?	
क्या आप और आपके भाई-बहन जानते हैं कि घर पर कोई मेहमान आने वाला है?	
क्या आप यह तय करने में भाग लेते हैं कि घर पर क्या पकाया जाएगा?	
क्या आप छुट्टियों/छुट्टियों/रविवार के लिए कोई विशेष योजना तय करने में भाग लेते हैं?	
क्या आप स्विचबोर्ड, दराज, अलमारी तक पहुंचने में सक्षम हैं?	
क्या आपको अपने सीमित मासिक बजट के प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है?	
क्या आपका परिवार उपरोक्त सहायक कार्य करने वाले लोगों को साप्ताहिक/मासिक अवकाश/छुट्टी का दिन देता है?	

गृह सर्वेक्षण पत्रक

जल संबंधी	हाँ/नहीं				
प्रति व्यक्ति प्रतिदिन खपत किए जाने वाले पानी की मात्रा (रसोईघर, स्नानघर, बगीचे, छोटे खेत, आदि)।					
वर्षा जल का संचयन एवं संचयन					
क्या आप रोजाना नहाने के लिए शॉवर/बाथ-टब का इस्तेमाल करते हैं?					
क्या आपके पास भूमिगत जल का उपयोग करने के लिए बोरवेल है?					

गृह सर्वेक्षण पत्रक

वाहन संबंधी	हाँ/नहीं	वाहनो की संख्या	तय की गई औसत दूरी
चार पहिया/दो पहिया वाहन/साइकिल			
क्या परिवार हर साल छुट्टियों के लिए यात्रा करता है? बस/ट्रेन/हवाई जहाज़ से			
पेट्रोल/डीजल का मासिक औसत बिल			
अपशिष्ट संबंधी	हाँ/नहीं		
प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कुल अपशिष्ट की मात्रा?			
क्या परिवार कांच की बोतलें, पुराने कपड़े आदि का दोबारा उपयोग करता है?			
क्या परिवार रसोई के कचरे को बगीचे/गमलों/पौधों में दोबारा उपयोग करता है?			
क्या परिवार रसोई के कचरे की खाद बनाता है?			
पका हुआ भोजन कितनी बार फेंक दिया जाता है?			
क्या प्लास्टिक/कागज़ रद्दीवाला/पस्तीवाला को बेचा जाता है?			

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



टिकाऊपन को लोकप्रिय बनाएँ!

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को एक उद्योग को टिकाऊ बनाने के लिए कई आयामों के बारे में सोचने में मदद करना

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को 5-6 के समूहों में विभाजित करें; समूहों को बताएं कि उनका कार्य है:
- अपना खुद का एक उद्योग शुरू करें - यह कोई भी उद्योग, कृषि, रेस्तरां, या खाद्य वितरण एजेंसी या यहां तक कि एक वैज्ञानिक या सैन्य अनुसंधान एजेंसी हो सकती है, समूह में इस पर चर्चा करें और अंतिम समूह चयन पर निर्णय लें।
- अपने उद्योग के लिए एक विज्ञापन बनाएं और उसे शेष कक्षा के सामने प्रस्तुत करें। विज्ञापन बनाने और डिज़ाइन करने में सहायता के लिए, समूहों को यह करना होगा:

ए) अपने उद्योग का आदर्श वाक्य/मिशन तय कियाउनके प्रमुख ग्राहक कौन हैं; उनके प्रायोजक कौन हैं?

बी) उनके उद्योग की 'स्थिरता' विक्रय बिंदु क्या हैं - लोगों के अनुकूल, पर्यावरण के अनुकूल, बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को रोजगार, पर्यावरण बहाली की योजनाएँ, श्रमिकों के साथ अपने लाभ का एक बड़ा हिस्सा साझा करना, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण इसका अपशिष्ट, आदि उनसे पूछें कि वे किसी भी मीडिया का उपयोग करके विज्ञापन बना सकते हैं - एक वीडियो विज्ञापन (जिसे वे आकर प्रदर्शित कर सकते हैं), एक रेडियो विज्ञापन या जिंगल (जिसे वे प्रस्तुत करने के लिए ज़ोर से साइन आउट कर सकते हैं), एक सोशल मीडिया विज्ञापन (जैसे पोस्टर), एक होर्डिंग, आदि।

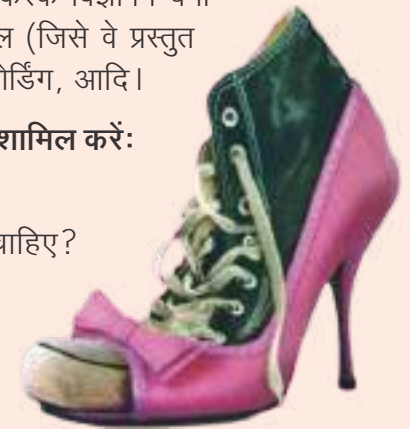
सभी समूहों द्वारा अपने उद्योगों का विज्ञापन प्रस्तुत करने के बाद, निम्नलिखित चर्चा के माध्यम से शिक्षार्थियों को शामिल करें:

ए) क्या चीज़ किसी उद्योग को टिकाऊ बनाती है?

बी) यदि किसी उद्योग का प्राथमिक आदर्श वाक्य 'मुनाफ़ा' है, तो उसे 'स्थिरता पर खर्च' क्यों करना चाहिए?

सी) किसी उद्योग को अच्छे से चलाने के लिए 'इनोवेशन' कितना महत्वपूर्ण है?

डी) कृषि से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर ओला, स्विगी आदि जैसे ऑनलाइन उद्योगों तक उद्योगों को किस तरह के बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी?

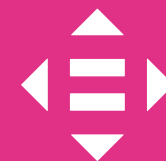




असमानता में कमी

देशों के बीच और देश के अंदर प्रचलित विभिन्न असमानताओं को कम करना

10 REDUCED INEQUALITIES

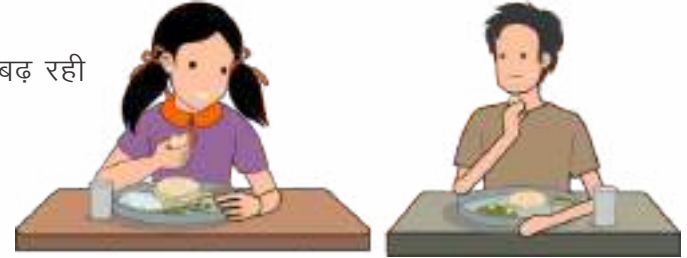


कल्पना कीजिए कि आपको लोगों को खाना खिलाने का काम दिया गया है। आपको 100 रोटियाँ प्रदान की गई हैं जिन्हें आपको 25 भूखे व्यक्तियों में बाँटना है। आप इस कार्य को कैसे करेंगे? संभवतः आप 25 भूखे व्यक्तियों में से प्रत्येक को 4 रोटियाँ देंगे! सही? ठीक है। क्या आप रोटियाँ किसी और तरीके से भी बाँट सकते हैं? नीचे दी गई तालिका देखें:

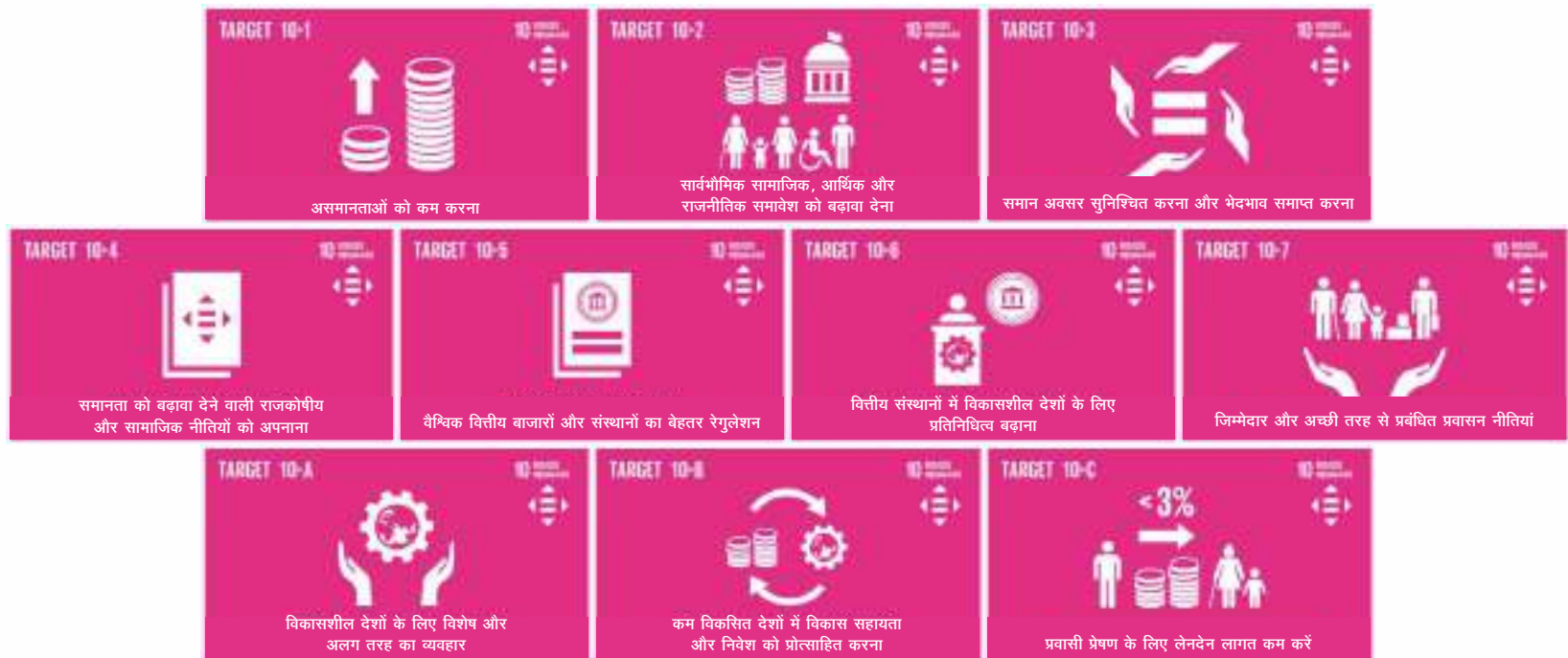
	वितरण रणनीति	परिणाम	प्रभाव
1	प्रत्येक व्यक्ति को समान संख्या में रोटियाँ मिलनी चाहिए	लोगों की ज़रूरतों की गिनती नहीं की जाती, बल्कि हर किसी को उनको कितनी भूख है उसकी परवाह किए बिना 4-4 रोटियाँ मिलती हैं	सभी की समानता; हर किसी की ज़रूरतें एक ही तरीके से पूरी होती हैं, भले ही उनकी अलग-अलग ज़रूरतें हों। इसलिए जो लोग या तो कम भूखे हैं या जिनकी भूख सिर्फ 2 रोटियों की है, वे कुछ रोटियाँ फेंक सकते हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को दे सकते हैं जो अभी भी भूखा हो।
2	जो अधिक भूखे हैं उन्हें कम भूख वाले लोगों की तुलना में अधिक रोटियाँ मिलती हैं	हर किसी की ज़रूरतें उनकी व्यक्तिगत आवश्यकता के आधार पर पूरी की जाती हैं	सभी के लिए समानता; हर किसी को उनकी अलग-अलग ज़रूरतों के आधार पर रोटियाँ मिलती हैं; इसलिए बड़े शरीर और भूख वाले व्यक्ति को 4 के बजाय 5 रोटियाँ मिल सकती हैं, और एक छोटा लड़का जो 4 नहीं खा सकता, उसे केवल 3 रोटियाँ मिलेंगी। सभी संतुष्ट हैं और कोई भी भूखा नहीं रहा।
3	सभी को एक-दूसरे से लड़कर जितनी चाहें उतनी रोटियाँ लेने की अनुमति है।	विभिन्न व्यक्तियों की 'इच्छाओं' और 'शक्ति' पर आधारित।	रोटियों का अनुचित और असमान वितरण; शक्तिशाली हमेशा जीतता है और कमजोर हमेशा हारता है। जो लोग ताकतवर हैं उन्हें कमजोर लोगों की तुलना में अधिक रोटियाँ मिलने की संभावना है; जो पहले से ही कमजोर थे और चूँकि वे अपने लिए नहीं लड़ सकते थे, उन्हें कम या बिल्कुल भी रोटियाँ नहीं मिलीं; भूख का सामना करना पड़ा और वह और अधिक कमजोर हो गए।

पहला विकल्प एक बहुत अच्छा सैद्धांतिक समाधान है, लेकिन व्यावहारिक रूप से अच्छा नहीं लगता। विकल्प 2 यह सुनिश्चित करता है कि सभी की ज़रूरतें अच्छी तरह से पूरी हों, बिना किसी को पीछे छोड़े। विकल्प 3 मजबूत लोगों को मजबूत बनाता है, और कमजोर लोगों को और भी कमजोर बनाता है!

स्थिति 3 आज की दुनिया में काफी आम है। और इससे लोगों के बीच असमानताएँ बढ़ रही हैं। एसडीजी 10 आय, लिंग, आयु, विकलांगता, यौन अभिविन्यास, नस्ल, वर्ग, जातीयता, धर्म और अवसर पर आधारित असमानताओं को कम करने के बारे में है जो दुनिया भर में जारी है। असमानता दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक विकास को खतरे में डालती है, गरीबी उन्मूलन के काम को बाधित करती है और लोगों की संतुष्टि और आत्म-मूल्य की भावना को नष्ट कर देती है।



SDG 10 के अंतर्गत आए लक्ष्य



कड़वा सच

- मोटे तौर पर 5 में से 1 व्यक्ति ने जातीयता, आयु, लिंग, विकलांगता, धर्म और यौन अभिविन्यास जैसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत निषिद्ध कम से कम एक आधार पर भेदभाव का अनुभव किया है।
- कुछ देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं को जेंडर के आधार पर भेदभाव का अनुभव होने की संभावना दोगुनी से भी अधिक है। एक तिहाई विकलांग व्यक्ति भेदभाव का अनुभव करते हैं।
- 2021 के मध्य तक, अपने देश से भागने को मजबूर लोगों की संख्या रिकॉर्ड 24.5 मिलियन तक बढ़ गई थी। दुनिया भर में प्रत्येक 100,000 लोगों पर 311 लोग अपने मूल देश के बाहर शरणार्थी हैं, जो 2015 में प्रति 100,000 लोगों पर 216 से 44 प्रतिशत अधिक है।
- 23 मई 2022 तक, यूक्रेन में 6 मिलियन से अधिक लोग संघर्ष से बचने के लिए दूसरे देशों में चले गए थे, कम से कम 8 मिलियन लोग देश के अंदर विस्थापित हो गए थे।
- 2021 में, 5,895 लोग अपने देशों से भागकर मर गए, जो महामारी से पहले के आंकड़ों को पार कर गया और 2017 के बाद से 2021 को प्रवासियों के लिए रिकॉर्ड पर सबसे घातक वर्ष बना दिया।
- विश्व के उन देशों में जहाँ से आंकड़ा प्राप्य है, उनमें, निचली 40 प्रतिशत आबादी को कुल आय का 25 प्रतिशत से कम प्राप्त होता है, जबकि सबसे अमीर 10 प्रतिशत को कुल आय का कम से कम 20 प्रतिशत प्राप्त होता है।

स्रोत:

- <https://www.un.org/sustainabledevelopment/inequality/>
- <https://unstats.un.org/sdgs/report/2020/goal-10/>

क्या आप जानते हैं?



भारत की राष्ट्रपति ने दिखाई राह

25 जुलाई, 2022 को भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भारत के राष्ट्रपति बनने की अपनी यात्रा के दौरान कई बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। 20 जून, 1958 को उपरबेड़ा गांव, मयूरभंज, ओडिशा में एक संथाली आदिवासी परिवार में जन्मी श्रीमती ध्रुमु का प्रारंभिक जीवन कठिनाइयों और संघर्ष से भरा था। आदिवासी परिवार और ग्रामीण क्षेत्र की महिला होने के कारण, उन्हें कई स्तरों पर भेदभाव और हतोत्साहन का सामना करना पड़ा। हालाँकि, उन्होंने सभी बाधाओं के बावजूद अच्छी तरह से और कड़ी मेहनत की और वह प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया जो आज उनके पास है।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपना जीवन समाज के वंचितों के साथ-साथ वंचित वर्गों को सशक्त बनाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया है।

स्रोत: <https://presidentofindia.nic.in/profile.htm>

भारत के नागरिक के रूप में, यदि आपको एसडीजी 10 में योगदान देना है, तो आप क्या-क्या कर सकते हैं? असमानता को कम करने के लिए आप दो प्रकार के कार्य कर सकते हैं - वे कार्य जो आपके लिए समानता लाते हैं, और वे कार्य जिनके द्वारा आप दूसरों को समानता प्रदान कर सकते हैं:



सेट ए: स्वयं के लिए समानता

- एक जागरूक नागरिक बनने के लिए स्कूली शिक्षा और/या कॉलेज पूरी करें
- अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को जानें
- एक आत्म-जागरूक व्यक्ति बनें - अपनी शक्तियों और सीमाओं को अच्छी तरह से जानें
- आपके पास जो संसाधन/अवसर हैं उनका उपयोग करें लेकिन दुरुपयोग न करें
- अपनी ज़रूरतें पूरी करें लेकिन लालची न बनें
- ऐसी प्रक्रियाओं की माँग करें जो सभी के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष हों



सेट बी: दूसरों को समानता प्रदान करना

- दूसरों के साथ निष्पक्षता से व्यवहार करें
- दूसरों का शोषण/दुर्व्यवहार न करें
- किसी भी कार्य में अन्य व्यक्तियों के योगदान को अवश्य पहचानें और स्वीकार करें
- दूसरों से उचित मौका/अवसर छीनने के तरीके से कार्य न करें
- उन लोगों का समर्थन करें जो आपके जितने मजबूत नहीं हैं या स्वयं की समानता का हक ले पाने में सक्षम नहीं हैं
- आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले संसाधनों/अवसरों के लिए भुगतान करने को तैयार रहें
- ऐसी प्रक्रियाओं का पालन करें जो सभी के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष हों



उन्होंने कर दिखाया!

सबका साथ, सबका विकास

भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार समाज के गरीबों और वंचित वर्गों के समग्र कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से देश के सभी नागरिकों के लिए बुनियादी आवश्यकताएँ सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। इनमें (पाइपलाइन द्वारा) पानी की आपूर्ति, स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन, सड़कें और राजमार्ग, कम लागत वाली आवास सुविधाएँ, माध्यमिक स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा तक पहुँच, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ, जीवन-बीमा, बुनियादी वित्तीय सेवाएँ आदि शामिल हैं।

सरकार ने कई योजनाएँ शुरू की हैं, जिन्होंने उपरोक्त सुविधाओं को इस तरह से डिजाइन, विकसित और निर्धारित किया है कि सभी भारतीयों को, उनके सामाजिक और आर्थिक स्तर की परवाह किए बिना, इनका लाभ मिले।

स्रोत: <https://www.mygov.in/campaigns/sabka-vikas/>

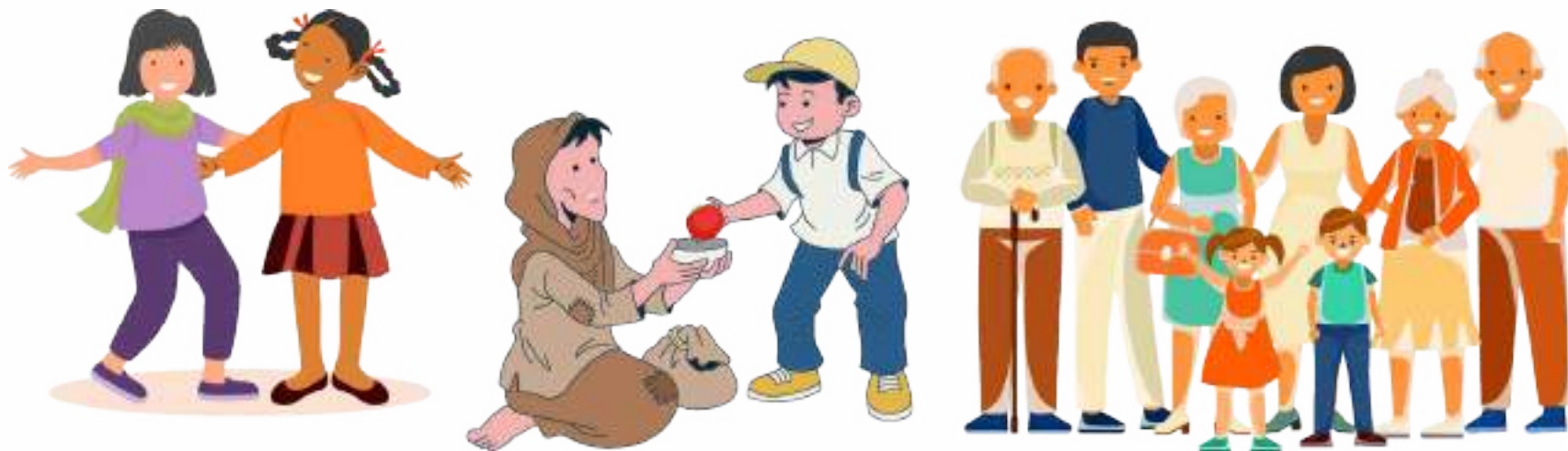
असमानताओं को कम करने के लिए शिक्षा

रूम टू रीड का मानना है कि दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों जैसे गरीबी, पर्यावरणीय गिरावट और असमानता को हल करने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी उपकरण है। स्कूलों में, युवाओं को वे कौशल सीखने चाहिए जो उन्हें चेंजमेकर बनने और कठिन समस्याओं को नए तरीकों से हल करने के लिए मार्ग बनाने में सक्षम बनाते हैं। ये कौशल उन्हें दुनिया में अपना स्थान परिभाषित करने और एक पूर्ण भविष्य की तलाश करने में मदद कर सकते हैं। साक्षरता, विशेष रूप से, संपूर्ण समुदायों के उत्थान और गंभीर समस्याओं को कम करने की शक्ति रखती है। उदाहरण के लिए, लड़कियों की शिक्षा में केंद्रित निवेश, जनसंख्या वृद्धि को स्थिर करके, खपत को कम करके और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति परिवार और समुदाय के लचीलेपन को बढ़ाकर वैश्विक जलवायु संकट पर काबू पाने में योगदान देता है। पिछले दो दशकों में, रूम टू रीड ने साक्षरता और जेंडर समानता में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण परिणाम प्राप्त करने के लिए मॉडल कार्यक्रम डिजाइन, परीक्षण और कार्यान्वित किया है। रूम टू रीड अपने काम में 'व्यापक' के बजाय 'गहरा' है, और ऐसा करते हुए उन्होंने अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रोग्रामिंग विकसित की है। रूम टू रीड समर्थित कक्षाओं में लड़कियाँ और लड़के स्कूलों में अपने साथियों की तुलना में काफी अधिक पढ़ने में प्रवाह और अच्छे स्कोर प्रदर्शित करते हैं। शिक्षित, सक्षम और आत्मविश्वासी लड़कियाँ जेंडर आधारित असमानताओं और भेदभाव को कम करने के लिए काम करने वाली एक प्रभावी शक्ति हैं।

स्रोत: Shared by Ms. Ishanee Bhattacharya, Senior Programme Officer, GEP, Room to Read India

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. सभी लोगों का सम्मान करें, भले ही वे काम आपसे अलग तरीके से करते हों।
2. उन बच्चों से दोस्ती करें जो आपके परिवार से अलग प्रकार के परिवारों से हैं।
3. अपनी कक्षा में और घर पर, सभी को भाग लेने, बात करने, साझा करने और चर्चा करने के लिए स्थान, अवसर और प्रोत्साहन प्रदान करने का प्रयास करें, जैसे कि छोटे बच्चे, लड़कियाँ और लड़के, माता-पिता, दादा-दादी, सभी को।
4. उन लोगों का कार्यभार साझा करें जो आपके जितने मजबूत नहीं हैं और स्वयं कि पहचान बनाये रखने में सक्षम नहीं हैं।
5. टीमों में काम करें और उपलब्धि की खुशी को टीम के सभी सदस्यों के साथ समान रूप से साझा करें।
6. उन लोगों की देखभाल करें जो सार्वजनिक स्थानों के प्रबंधन में हमारी मदद करते हैं जैसे कि यातायात पुलिस कर्मी, सफाई कर्मचारी, बस चालक आदि, उन्हें पानी या कुछ ऊर्जा-युक्त खान-पान जैसे गुड़, चिक्की, बिस्किट आदि देकर।
7. कम से कम एक ऐसे व्यक्ति को खोजें जो आपके जितना विशेषाधिकार प्राप्त न हो और उनके सामने आने वाली किसी भी बाधा को पार करने में उनका समर्थन करें।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



कम्युनिटी एक्सप्लोरर

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को सामाजिक-आर्थिक विविधता की सराहना करने में मदद करना

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को 4-5 के समूहों में बाँट लें।
- प्रत्येक समूह का कार्य विभिन्न लोगों का साक्षात्कार करके उनके अड़ोस-पड़ोस और समुदाय से जुड़ी नयी जानकारी प्राप्त करना है:
 - ए) अभिभावक
 - बी) उनके माता-पिता के मित्र
 - सी) घरेलू सहयोग
 - डी) चौकीदार
 - ई) आपके इलाके के निकट वाले सब्जी विक्रेता आदि।
- समानताओं या अंतरों को समझने के लिए, छात्रों को मार्गदर्शक प्रश्नों के सेट के साथ जाने का सुझाव दिया जाना चाहिए, जिन्हें वे उपरोक्त लोगों के विभिन्न समूहों के साथ बातचीत करते समय पूछ सकते हैं, जैसे:
 - ए) उनका परिवार कितना बड़ा है?
 - बी) उनके कितने बच्चे हैं?
 - सी) परिवार के कितने सदस्य कमाते हैं?
 - डी) उनके बच्चे किस स्कूल में जाते हैं?
 - ई) बच्चों के लिए स्कूल की मासिक/तिमाही/वार्षिक फीस क्या है?
 - एफ) उन्हें अपने घरों में पीने के लिए पानी कैसे मिलता है और वे उसे कैसे शुद्ध करते हैं?

- जी) उनके घरों से दैनिक कचरा कैसे एकत्र किया जाता है या उसका निपटान कैसे किया जाता है?
- एच) क्या उन्हें लगता है कि सरकार द्वारा चलायी जा रही किसी भी योजना से उन्हें लाभ मिलता है?
- आई) दैनिक राशन जैसे खाद्यान्न, खाने-पीने का सामान आदि पर उनका साप्ताहिक मासिक खर्च कितना है?
- जे) वे कितनी बार किसी रेस्तरां में खाना खाने जाते हैं या घर पर खाना ऑर्डर करते हैं?
- के) उन्हें सप्ताह में कितने दिन छुट्टी मिलती है?
- एल) एक बार जब बच्चे विभिन्न लोगों से इन मार्गदर्शक प्रश्नों पर जानकारी एकत्र कर लें, तो उनसे अपने नोट्स और अवलोकनों की तुलना करने, अपने निष्कर्षों को समेकित करने और कक्षा में प्रस्तुत करने को कहें।

- प्रस्तुतियों के बाद, उनसे निम्नलिखित प्रश्न पूछें और उनकी प्रतिक्रियाएँ पूछें:

ए) क्या वे विभिन्न समूहों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों में कोई समानता देखते हैं?

बी) क्या उन्हें लगता है कि इस प्रक्रिया में जिस किसी से भी उन्होंने बातचीत की, उनके पास समान अवसर, संसाधन, धन और सुविधाएँ उपलब्ध हैं?

सी) यदि उन्होंने कोई असमानता देखी है, तो क्या उन्हें लगता है कि स्थिति को बेहतर बनाने में वे कोई भूमिका निभा सकते हैं?



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



हर एक पैसा मायने रखता है: रोले-प्ले

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को समान आवश्यकताओं को पूरा करने के विभिन्न तरीकों की सराहना करने में मदद करना।



एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को 3 समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को निम्नलिखित विवरण सौंपें:
- समूह (ए, बी या सी) के बारे में केस संक्षिप्त जानकारी; ख. विभिन्न वस्तुओं की नमूना लागत शीट; और सी. निर्देश
- प्रत्येक टीम द्वारा प्राप्त संक्षिप्त विवरण के आधार पर, उन्हें निम्नलिखित पर एक प्रस्तुति देनी होगी। यह प्रस्तुति उनकी आय पर आधारित होनी चाहिए:
 - ए) एक मासिक व्यय पत्रक
 - बी) कुछ खर्चे जो त्रैमासिक या आवश्यकता के आधार पर होते हैं (हर महीने नहीं हो सकते जैसे जन्मदिन, छुट्टी आदि)
 - सी) यदि उनके पास धन की पहुँच हो या उपयोग न किया गया हो तो वे इसका क्या करना चाहेंगे?
 - डी) यदि उनके पास पैसे की कमी हो रही है, तो वे किस तरह से अधिक कमा सकते हैं या भविष्य के लिए बचत कर सकते हैं?
 - ई) कोई अन्य विचार?
- तीनों समूहों के प्रस्तुतीकरण के बाद, तीनों समूहों के बीच चर्चा शुरू करें कि वे आय और संसाधनों के वितरण के बारे में कैसा महसूस करते हैं? यह गतिविधि छात्रों से व्यक्तिगत प्रतिक्रिया उत्पन्न करेगी क्योंकि उन्होंने अनुभव किया होगा कि विभिन्न आय, भोजन, स्वच्छ पानी, घर, चिकित्सा सुविधाओं तक की पहुँच को कैसे प्रभावित करती है।

सुविधाप्रदाता के रूप में, उन्हें यह समझाकर गतिविधि समाप्त करें:

- ए) विभिन्न देशों के बीच असमान संसाधन वितरण का वास्तविक विश्व परिदृश्य।
- बी) वैश्विक परिदृश्य में एसडीजी 10 का संरेखण और वैधता।
- सी) असमान धन वितरण को समझने के लिए गिनी इंडेक्स एक उपाय है। इसकी सीमा 0 और 100 के बीच होती है 0 इंगित करता है कि आय समान रूप से साझा की जाती है, और 100 चरम स्थिति को इंगित करता है जहाँ एक व्यक्ति सभी आय का हिसाब रखता है।

डी) भारत सरकार की विभिन्न योजनाएँ जो एसडीजी 10 को सरकार के मजबूत समर्थन का सूचक है।

टीम 1 के लिए संक्षिप्त विवरण

आप का 4 लोगों का परिवार है, 2 माता-पिता और 2 बच्चे। आपके पास एक समृद्ध पारिवारिक व्यवसाय है जिसकी वार्षिक आय रु. 30 करोड़ है। अपने परिवार के लिए निम्नलिखित निर्णय लें और प्रस्तुत करें:

- मासिक और वार्षिक खर्चों के लिए आइटम तय करें
- यदि आप चाहें तो इस सूची में खरीदने के लिए और अधिक आइटम/सेवाएँ जोड़ सकते हैं (अस्थायी लागत का उल्लेख करें), जो भी आप चाहें, जैसे आप कुछ भी वहन कर सकते हैं।
- यदि आपके पास सभी मासिक और वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के बाद पैसा बचता है, तो अपनी शेष आय का उपयोग करने के तरीके सुझाएँ।

टीम 2 के लिए संक्षिप्त विवरण

आप का 4 लोगों का परिवार है, 2 माता-पिता और 2 बच्चे। आपके परिवार में 2 वयस्क सदस्य कार्यरत हैं। आपकी माँ एक आईटी इंजीनियर हैं और पिता एक राष्ट्रीय बैंक में मैनेजर हैं। आपकी संचयी पारिवारिक वार्षिक आय 20 लाख रुपये है। अपने परिवार के लिए निम्नलिखित निर्णय लें और प्रस्तुत करें:

- मासिक और वार्षिक खर्चों के लिए आइटम तय करें:
- यदि आप चाहें तो इस सूची में खरीदने के लिए और अधिक आइटम/सेवाएँ जोड़ सकते हैं (अस्थायी लागत का उल्लेख करें), जो भी आप चाहें, जैसे आप कुछ भी वहन कर सकते हैं।
- यदि आपके पास सभी मासिक और वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के बाद पैसा बचता है, तो अपनी शेष आय का उपयोग करने के तरीके सुझाएँ। यदि आपको लगता है कि अपने खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है, तो एक परिवार के रूप में आप क्या सुझाव देंगे?

टीम 3 के लिए संक्षिप्त विवरण

आप का 4 लोगों का परिवार है। आपके माता और पिता देहाड़ी मजदूर हैं। आपके परिवार की वार्षिक आय रु. 1,80,000 है। अपने परिवार के लिए निम्नलिखित निर्णय लें और प्रस्तुत करें:

- मासिक और वार्षिक खर्चों के लिए आइटम तय करें
- यदि आप चाहें तो इस सूची में खरीदने के लिए और अधिक आइटम/सेवाएँ जोड़ सकते हैं (अस्थायी लागत का उल्लेख करें), जो भी आप चाहें, जैसे आप कुछ भी वहन कर सकते हैं।
- यदि आपके पास सभी मासिक और वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के बाद पैसा बचता है, तो अपनी शेष आय का उपयोग करने के तरीके सुझाएँ।
- यदि आपको लगता है कि अपने खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है, तो आप एक परिवार के रूप में क्या करने का सुझाव देते हैं?

नमूना लागत पत्रक

आइटम	मासिक व्यय	वार्षिक व्यय
सरकार से सीमित राशन। केवल निम्न आय वर्ग के लिए भंडारण करें (केवल 5 किलो चावल, 5 किलो गेहूं, 5 किलो दाल और 2 लीटर तेल) + सब्जियां	INR 5,000.00	INR 60,000.00
4 लोगों के परिवार के लिए + फल + सब्जियाँ + दैनिक डेयरी उत्पाद	INR 15,000.00	INR 1,80,000.00
बुनियादी कपड़े और रखरखाव (प्रति सदस्य 100 रुपये)	INR 500	INR 6,000.00
जन्मदिन के लिए फैशनेबल परिधान खरीदना (वर्ष में 4 सदस्यों के लिए एक बार)	Nil	INR 10,000.00
मुफ्त सरकारी जल आपूर्ति के साथ किराया (4 लोगों के परिवार के लिए 1.5 कमरा)।	INR 6,000.00	INR 72,000.00
किराया (3 बीएचके घर)	INR 20,000.00	INR 2,40,000.00
बिजली व्यय (1.5 बीएचके: केवल 2 पंखे और 3 बल्ब के लिए)	INR 600	INR 7,200.00
बिजली व्यय (3 बीएचके: 2 एसी, माइक्रोवेव, 4 पंखे, 8 बल्ब के लिए, वॉशिंग मशीन, कंप्यूटर, 2 गीजर आदि)	INR 5,000.00	INR 60,000.00
परिवहन (बस या साइकिल/तिपहिया वाहन द्वारा)	INR 1,000.00	INR 12,000.00
रसोई गैस (प्रति माह केवल 1 सिलेंडर)	INR 700	INR 8,400.00
अतिरिक्त अध्ययन व्यय (सरकारी स्कूल में शिक्षा निःशुल्क)	INR 200	INR 2,400.00
स्कूल की फीस (एक बुनियादी शहरी स्कूल में 2 बच्चे)	INR 20,000.00	INR 2,40,000.00
स्कूल के बाद ट्यूशन/कोचिंग कक्षाएं (2 बच्चों के लिए)	INR 10,000.00	INR 1,20,000.00
सप्ताह में कम से कम एक बार पिज़्ज़ा/खाना ऑर्डर करना	INR 10,000.00	INR 1,20,000.00
एग्जीक्यूटिव लाउंज में मूवी अ पॉपकॉर्न + कोल्ड्रिंक्स (प्रति माह 2 फिल्में / आप कुछ मित्रों/मेहमानों को आमंत्रित कर सकते हैं और उनके लिए भुगतान कर सकते हैं)	INR 10,000.00	INR 20,000.00
भारत में परिवार के साथ 15 दिन की यात्रा (ट्रेन यात्रा, होटल में रुकना, टैक्सी, भोजन आदि) - वर्ष में एक बार		INR 60,000.00
यूरोप में 1 महीने का ग्रीष्मकालीन अवकाश (प्रथम श्रेणी की हवाई यात्रा, 5 सितारा होटल में रुकना, लक्जरी कार किराए पर लेना, विदेशी भोजन का अनुभव, खरीदारी आदि) सोने का सिक्का (भविष्य के लिए निवेश)		INR 25,00,000.00

आइटम	मासिक व्यय	वार्षिक व्यय
डेमोंड ज्वेलरी		INR 50,000.00
सामान		INR 15,00,000.00
स्विमिंग पूल, बड़ा बगीचा, गेमिंग रूम के साथ बंगला खरीदना		INR 5,00,00,000.00
लक्जरी एसयूवी		INR 1,50,00,000.00
एक बेसिक 4-सीटर कार		INR 7,00,000.00
बाइक या मोटरसाइकिल		INR 1,00,000.00
साइकिल		INR 5,000.00
बंगले का बिजली बिल	INR 30,000.00	INR 3,60,000.00
शेयर बाज़ार में निवेश	INR 5,00,000.00	INR 60,00,000.00
बैंक में निवेश	INR 20,000.00	INR 2,40,000.00
पारिवारिक विवाह के लिए डिज़ाइनर पोशाक (प्रति व्यक्ति व्यय)	INR 5,00,000.00	INR 20,00,000.00
4 कारों का ईंधन खर्च	INR 1,00,000.00	INR 12,00,000.00
1 कार और 1 बाइक का ईंधन खर्च	INR 10,000.00	INR 1,20,000.00
महीने में एक बार 5 सितारा होटल में भोजन करना	INR 25,000.00	INR 3,00,000.00
महीने में एक बार नियमित पारिवारिक रेस्तरां में भोजन करना	INR 3,000.00	INR 36,000.00
विश्व स्तरीय सामग्री + फल + स्नैक्स + डेयरी उत्पादों के साथ मासिक किराने की खरीदारी	INR 25,000.00	INR 3,00,000.00
फीस (विदेशी स्कूल/विश्वविद्यालय में 2 बच्चे)	INR 5,00,000.00	INR 60,00,000.00
नवीनतम मोबाइल फोन (प्रत्येक 4 सदस्यों के लिए 1)	INR 1,50,000.00	INR 6,00,000.00
एक बुनियादी स्मार्ट मोबाइल फोन		INR 20,000.00
गैर-स्मार्ट मोबाइल फ़ोन		INR 2,500.00
मासिक मोबाइल बिल (4 सदस्यों के लिए)	INR 15,000.00	INR 1,80,000.00
मासिक मोबाइल रिचार्ज	INR 1,500.00	INR 18,000.00
विशिष्ट सिटी क्लब सदस्यता	INR 2,50,000.00	INR 30,00,000.00
क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान समुद्रतटीय देश की यात्रा करें		INR 20,00,000.00
1.5 बी. एच. के. के लिए 1 घरेलू सहायिका का वेतन	INR 2,000.00	INR 24,000.00



टिकाऊ शहरी विकास

शहरों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाना

11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES



मानव जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। आधुनिक जीवनशैली, अच्छी कमाई के अवसर, बेहतर शिक्षा के अवसर और जीवनयापन की चाह में, कई परिवार और व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं। इसलिए आज शहर बहुत तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या के दबाव का सामना कर रहे हैं! सभी के अच्छे से जीवित रहने और समृद्धि के लिए, दुनिया को सुनियोजित शहरों की आवश्यकता है। ऐसे शहर जो अपने निवासियों को सुरक्षित जीवन प्रदान करते हैं और जो स्वच्छ और हरित वातावरण भी बनाए रखते हैं, हाँ ऐसे होते हैं टिकाऊ शहर!

टिकाऊ शहर (सस्टेनेबल सिटी)

सस्टेनेबल सिटी का व्यापक अर्थ है- एक ऐसा शहर जो अपने निवासियों के स्वास्थ्य और खुशी का ख्याल रख सके, साथ ही एक अच्छा प्रदूषण मुक्त वातावरण भी बनाए रख सके। एक शहर जो अपने कचरे को अच्छी तरह से रीसाइक्लिंग करने में सक्षम है, बहुत अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न नहीं करता है और जो उन गांवों और नजदीकी कस्बों में सकारात्मक योगदान देता है जहां से शहर को कई संसाधनों (जैसे सब्जियां, पानी, मजदूर) की आपूर्ति मिलती है।



SDG 11 के अंतर्गत आए लक्ष्य

TARGET 11-1

सुरक्षित और किफ़ायती आवास

TARGET 11-2

किफ़ायती और टिकाऊ परिवहन सिस्टम

TARGET 11-3

समाहित और टिकाऊ शहरीकरण

TARGET 11-4

विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों का बचाव

TARGET 11-5

प्राकृतिक आपदाओं से पड़ने वाले विपरीत प्रभावों को कम करना

TARGET 11-6

शहरों पर पड़ने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों में कमी

TARGET 11-7

सुरक्षित और समावेशी हरित स्थानों तक पहुंच

लगभग सभी शहरों में ऐसे क्षेत्र होते हैं जहाँ बड़ी संख्या में लोग भीड़भाड़ वाले तरीके से रहते हैं, और जहाँ पानी, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधाएँ सीमित होती हैं, ऐसे क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता भी सीमित हो सकती है। इन्हें 'मलिन बस्तियाँ' (स्लम्स) कहा जाता है। शहरों के लिए ऐसे क्षेत्र होना वांछनीय नहीं है। आज विश्व के अधिकांश शहर इन क्षेत्रों को रहने के लिए बेहतर स्थानों में बदलने की दिशा में काम कर रहे हैं।

क्या आप जानते हैं?

- अधिकांश राष्ट्रीय राजधानियाँ जहाँ से राष्ट्रीय सरकार कार्य करती हैं शहरों में स्थित हैं।
- शहर दुनिया की केवल 2 प्रतिशत भूमि पर कब्जा करते हैं, लेकिन उनकी सीमाओं के भीतर की गतिविधियाँ पृथ्वी के 75 प्रतिशत से अधिक भौतिक संसाधनों का उपभोग करती हैं।
- हमारे शहरों में अनेक विरासती इमारतें हैं। इनसे हमें उस शहर के इतिहास के बारे में जानने में मदद मिलती है।
- एशिया प्रशांत स्थिरता सूचकांक 2021 के अनुसार, चार भारतीय शहरों- बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई ने शीर्ष 20 टिकाऊ शहरों की सूची में जगह बनाई।

स्रोत: <https://www.weforum.org/agenda/2022/04/global-urbanization-material-consumption/>



2030 तक

10 में से

6 लोग

शहरों में रहते होंगे

प्राचीन शहर

हड़प्पा और मोहनजो-दारो के सुनियोजित शहर 2500 ईसा पूर्व में भारतीय उपमहाद्वीप क्षेत्र में मौजूद थे, यानी 4500 साल से भी पहले! ये योजनाबद्ध और अच्छी तरह से डिजाइन किए गए शहर थे। ये पुरातात्विक स्थल कुशल डिजाइन दर्शाते हैं। उनकी इमारतों में दो या कभी-कभी अधिक मंजिलें होती थीं। बाथरूम कमरों से जुड़े हुए थे। शहरों की एक अनूठी विशेषता विस्तृत जल निकासी व्यवस्था थी। प्रत्येक सड़क के साथ-साथ ईंटों से बना जल निकासी चैनल बहता था। आसान सफाई और निरीक्षण के लिए हटाने योग्य ईंटों को नियमित अंतराल पर रखा गया था। क्या आपको लगता है कि ये प्राचीन शहर आधुनिक शहरों की तुलना में अधिक टिकाऊ थे?



उन्होंने कर दिखाया!

अर्बन 95: बच्चों के अनुकूल शहर

शहरों को बच्चों के लिए अनुकूल बनाने के लिए, भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने अर्बन95 चुनौती शुरू की। '95' तीन साल के स्वस्थ बच्चे की मानक ऊंचाई (95 सेंटीमीटर) को दर्शाता है और अर्बन का मतलब होता है शहरी। अर्बन95 एक बच्चे की नजर से देखे गए शहर और उसके पर्यावरण को बनाने और विकसित करने में मदद करने के बारे में है।”

भारत के कई शहर, जैसे भुवनेश्वर, पुणे, उदयपुर, अर्बन95 चैलेंज को लागू कर रहे हैं।

स्रोत: https://www.pmc.gov.in/en/urban95_Pune

दुनिया की पहली ग्रीन मेट्रो

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की! जुलाई 2017 में, दिल्ली मेट्रो ने अपनी पर्यावरण-अनुकूल पहल के लिए 'विश्व की पहली ग्रीन मेट्रो' का खिताब जीता! उनकी कुछ पर्यावरण-अनुकूल पहलों में शामिल हैं:

1. दिल्ली मेट्रो अपनी बिजली की लगभग 50% आवश्यकता ऑन-साइट सौर ऊर्जा संयंत्र से पूरी करती है;
2. दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन मेट्रो स्टेशनों और मार्गों के निर्माण के दौरान काटे गए प्रत्येक पेड़ के लिए 10 नए पेड़ लगा रहा है।
3. 2021 में, मेट्रो ने दिल्ली शहर में यात्रियों के लिए 269 मिलियन घंटे की यात्रा का समय बचाया।
4. दिल्ली मेट्रो का एक अनूठा मॉडल है, जहां ट्रेनें अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा उत्पादित ऊर्जा से चलती हैं।



स्रोत: <https://www.thebetterindia.com/295345/delhi-metro-helps-citizens-water-and-waste-management-pollution/>

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

आप भी बदलाव ला सकते हैं

यदि आप किसी शहर में रहते हैं, तो निम्नलिखित प्रयास करें:

1. ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर जाएँ और अपने शहर के इतिहास के बारे में जानें, इससे आपको शहर के अतीत और वर्तमान के बारे में जानने में मदद मिलेगी।
2. इस बारे में और जानें कि आपका शहर अपने निवासियों को पानी कैसे प्रदान करता है और अपने अपशिष्ट का प्रबंधन कैसे करता है;
3. पता लगाएँ कि क्या आपके शहर में कोई 'स्लम क्षेत्र' हैं। अपने शिक्षक/स्कूल को इस बात पर चर्चा करने का प्रस्ताव दें कि स्कूल इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए क्या कर सकता है।
4. अपने शहर के एक जिम्मेदार निवासी बनें- गंदगी न फैलाएं, यातायात नियमों का पालन करें, अपने घर और आसपास को साफ रखें, सार्वजनिक स्थानों और सुविधाओं का अच्छी तरह से उपयोग करें, लेकिन उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ।
5. जब भी संभव हो ऊर्जा, बिजली और पानी बचाए। पर्यावरण के अनुरूप जीवनशैली को अपनाएँ।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



शहरी शब्द!

उद्देश्य

छात्रों को टिकाऊ शहरों से संबंधित शब्दों के अर्थ के बारे में जानने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- कक्षा को 8-10 के समूहों में विभाजित करें।
- 'टर्म कार्ड' की प्रतियाँ बनाएँ। नमूना टर्म कार्ड यहाँ उपलब्ध कराए गए हैं।
- छात्रों को एक शब्दकोश और स्कूल की लाइब्रेरी या इंटरनेट की सुविधा दें
- उन्हें बताएँ कि प्रत्येक समूह का कार्य है:
 - ए) उनसे प्राप्त प्रत्येक 'शब्द' का अर्थ लिखिए।
 - बी) ये शब्द 'स्थिरता' के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं?
 - सी) इनमें से प्रत्येक विशेषता (शब्द) पर समूह अपने शहर को कहां रैंक देता है (1 से 5-1 खराब और 5 बहुत अच्छे के साथ)।

चर्चा

जब समूह अपना काम प्रस्तुत करना समाप्त कर लें, तो आप उन्हें यह अनुमान लगाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं कि अगले 15 वर्षों में उनका शहर और/या भारतीय शहर कितने टिकाऊ होंगे।

टिकाऊ



स्वच्छ ताक़त



लचीलापन



अपराध



कार्बन पदचिह्न



सार्वजनिक स्थल



मनोरंजक स्थान



जलनिकास



हरा आवरण



सार्वजनिक परिवहन



पैदल यात्री क्षेत्र



साइकिलिंग ट्रैक



जल समिति



मलिन बस्तियाँ



मेट्रो रेल



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



नगर नियोजन

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को उन कारकों के बारे में चर्चा करने और सीखने में मदद करें जो शहरों को टिकाऊ बनाते हैं।

एक्टिविटी का विवरण

विद्यार्थियों को 5-6 के समूह में काम करने के लिए कहें;

उन्हें बताएं कि उन्हें निम्नलिखित ग्रुप कार्य करना है:

- इस चर्चा से शुरुआत करें कि जिस शहर में वे रह रहे हैं, क्या वहाँ उन्हें किसी समस्या का सामना करना पड़ता है या नहीं। उदाहरण के लिए, बिजली की कटौती, ट्रैफिक जाम, निवासियों के लिए असुरक्षित माहौल, अपराध, मानसून में सड़को पे पानी भरना, खराब सड़कें, खराब वायु गुणवत्ता आदि।
- इन समस्याओं पर चर्चा करने और संभावित कारणों और समाधानों का पता लगाने के लिए उनके शहर के मानचित्र (इंटरनेट से) का उपयोग करें। अब उन्हें शहर के योजनाकार और निर्माता का रोल अदा करना है। उन्हें अपने ग्रुप में चर्चा करनी है कि यदि वह अपने शहर के कमिश्नर होते तो शहर कि सुविधाओं को कैसे आयोजित करते, जैसे कि उद्योगों, सड़कों, स्कूलों, रेलवे, अस्पतालों, बाजारों, फिल्म-थियेटर्स, पैदल चलने वालों के लिए जगह, साइकिल ट्रैक, वृक्ष आवरण, जल निकासी आदि के मामले में शहर का निर्माण कैसे करते?
- अगले पृष्ठ पर दिया गया पोस्टर छात्रों को टिकाऊ शहर के बारे में सोचने में मदद करेगा।
- अपने शहर के लिए उनकी क्या प्राथमिकताएँ होंगी - पर्यावरण-अनुकूल, उच्च आय, सभी के लिए सामाजिक रूप से सुरक्षित, आदि?
- वे नगर प्रशासन और प्रबंधन की कौन सी प्रणाली चाहते हैं और क्यों?
- अब प्रत्येक ग्रुप को ज़रूरी स्टेशनरी प्रदान करें (सामग्री के पैक में कार्डबोर्ड के टुकड़े, चार्ट पेपर, रंग, मार्कर, गोंद की छड़ी, कैंची, तार, लेगो, चाक आदि हो सकते हैं) और उन्हें एक टिकाऊ शहर का मॉडल बनाने के लिए कहें।
- आप समूहों को 17 एसडीजी में से एक संभावित 'विषयगत शहर' के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जैसे कि ग्रीन सिटी या कार्बन-न्यूट्रल शहर, या भुखमरी-मुक्त शहर, सभी आदि और इसे तदनुसार डिजाइन करें।
- जब सभी समूह अपने शहरों का निर्माण या रेखांकन कर लें, तो उन्हें अपने शहर कि डिज़ाइन और निर्माण के पीछे के विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर दें। बाद में चर्चा करें कि किसी भी शहर के आम निवासी अपने शहर को और अधिक टिकाऊ कैसे बना सकते हैं?



हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शहर और समुदाय समावेशी, सुरक्षित, लचीले और टिकाऊ हों!



अपशिष्ट प्रबंधन और वायु गुणवत्ता की निगरानी के साथ



हर किसी को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित आवास और बुनियादी सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए



हमें हर किसी को अपने शहरों के सुधार की योजना बनाने में शामिल करना चाहिए



हम पर्यावरण और संस्कृति की सराहना और सुरक्षा को बढ़ावा देंगे



हमें सुरक्षित, संगठित परिवहन प्रदान करना चाहिए जो पर्यावरण के लिए हानिकारक न हो



हमें शहरों को आपदा के प्रति लचीला और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा



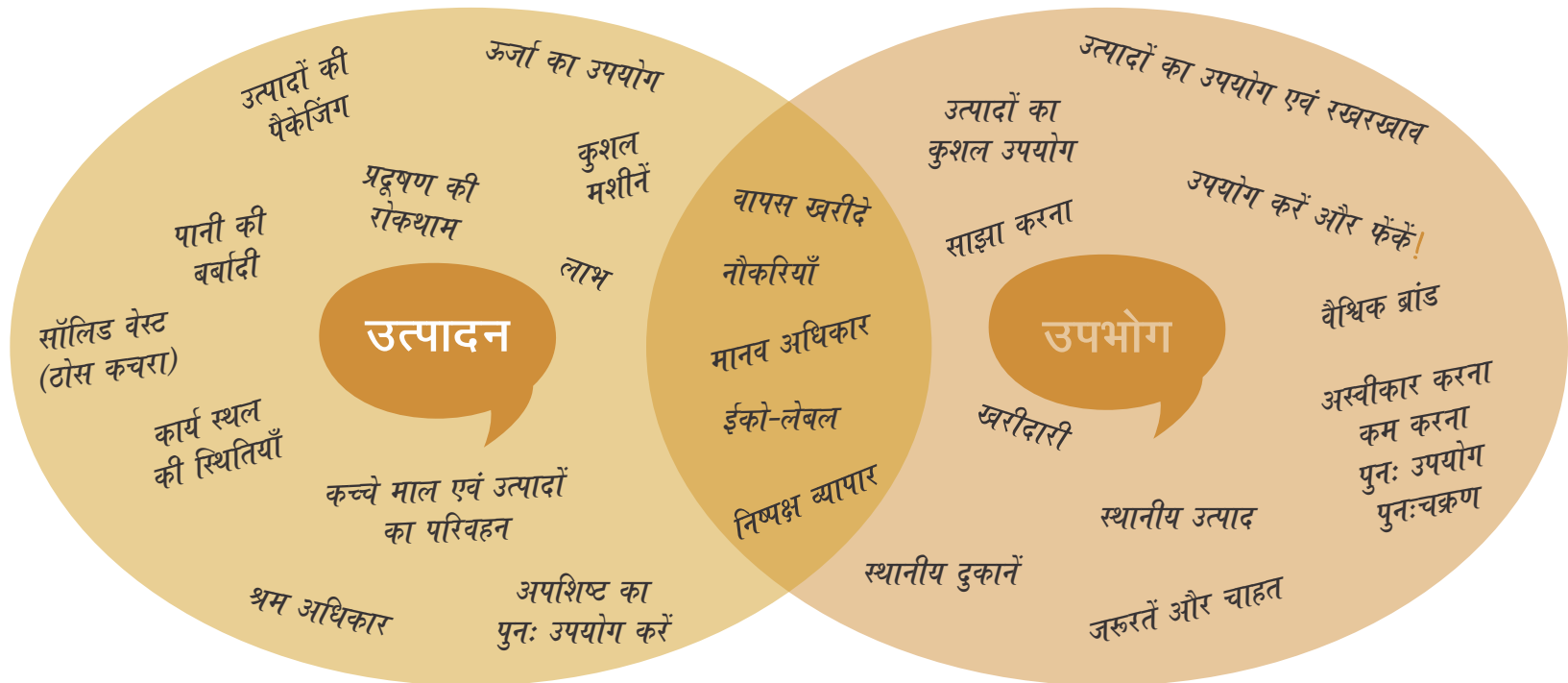
ज़िम्मेदारी-पूर्ण उपभोग और उत्पादन

उत्पादन और उपभोग पैटर्न को टिकाऊ बनाना

12 RESPONSIBLE
CONSUMPTION
AND PRODUCTION



उत्पादन और उपभोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं! इसलिए उपभोक्ताओं और उत्पादन इकाइयों, दोनों को मानव जीवन को टिकाऊ बनाने के लिए समझदारी से काम लेना चाहिए।



जिम्मेदार उत्पादन और उपभोग

जिम्मेदार उत्पादन का तात्पर्य है कि एक-के-बाद-एक स्टेप (रेखा जैसे सीधा) प्रोडक्शन मॉडल के बजाय गोलाकार प्रोडक्शन मॉडल उत्पादन कि प्रक्रिया को टिकाऊ बनाते हैं। इससे दक्षता बढ़ाने और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने में मदद मिलती है। और जिम्मेदारी उपभोग का अर्थ सभी, विशेषकर उपभोक्ताओं के अधिक जिम्मेदार व्यवहार के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय असंतुलन के लिए व्यावहारिक समाधान ढूँढना है। जिम्मेदार उपभोग की भावना यह सुनिश्चित करना है कि पूरे वैश्विक समुदाय की बुनियादी जरूरतें पूरी हों, अधिकता कम हो और पर्यावरणीय क्षति कम से कम हो।

सरकार, सरकारी एजेंसियों, अंतर-सरकारी एजेंसियों और अनुसंधान, शैक्षणिक और तकनीकी एजेंसियों के कई प्रयास उत्पादन इकाइयों, कारखानों और उद्योगों को उनकी प्रक्रियाओं में अधिक जिम्मेदार और टिकाऊ बनने में मदद कर रहे हैं; हम जिम्मेदार उपभोक्ता बनकर इन प्रयासों को पूरा कर सकते हैं। एसडीजी 12 जिम्मेदार खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

आज बाज़ार हम सभी को चुनने के लिए उत्पादों की विशाल विविधता प्रदान करता है। एक जिम्मेदार उपभोक्ता पहले यह सुनिश्चित करता है कि उसे वास्तव में उत्पाद खरीदने की 'आवश्यकता' है। जब वह आवश्यकता के प्रति आश्वस्त हो जाता है, तो वह किसी उत्पाद/ब्रांड का चुनाव बहुत सोच-समझकर, जागरूक तरीके से करता है। जिम्मेदार उपभोक्ता सचेत होकर उन उत्पादों का चुनाव करते हैं जो उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं और साथ ही पर्यावरण को कम हानि पहुँचाते हैं।

एक जिम्मेदार उपभोक्ता हमेशा ऐसे प्रश्न पूछता / पूछती है, 'क्या मुझे वास्तव में इसकी आवश्यकता है?', 'मैं इसे कब तक उपयोग करूंगा / करूंगी?', 'क्या मैं इसे किसी परिचित से उधार ले सकता हूँ?', 'क्या यह उत्पाद रीसाइकलड कच्चे माल से बना है?', 'उत्पाद किसने बनाया और उन्होंने इसे कैसे बनाया?', 'क्या यह स्थानीय रूप से बनाया गया उत्पाद है?'। इत्यादि।



SDG 12 के अंतर्गत आए लक्ष्य



क्या आप जानते हैं?

- विश्व में उत्पादित भोजन का लगभग 17 प्रतिशत बर्बाद हो जाता है।
- भोजन की सबसे अधिक बर्बादी घर पर होती है। औसतन हर साल प्रति व्यक्ति लगभग 74 किलोग्राम खाना बाहर फेंक दिया जाता है।
- यदि अत्यधिक मछली पकड़ने की वर्तमान दर जारी रही, तो 2048 (अब से सिर्फ 25 सालों में) तक दुनिया के महासागर मछली से खाली हो जाएंगे।
- कपड़ा से उत्पन्न होने वाला कचरा बड़े पैमाने पर उत्पन्न होने वाले कचरे में से एक है।
- हरियाणा के पानीपत में लगभग 1,44,000 टन सेकेंड-हैंड कपड़ों का पुनर्चक्रण किया जाता है, जिसे बाद में कंबल, शॉल, कालीन आदि जैसे कम गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।

क्या आपने उन्हें धन्यवाद कहा?

क्या आपने कभी खुद से पूछा है कि जो कपड़े आप पहनते हैं उनके पीछे कौन हैं? जिन कपड़ों को आप खरीदना चुनते हैं उनकी कई छिपी हुई लागतें होती हैं। क्या आप जानते हैं कि 90 प्रतिशत कपड़ा श्रमिक महिलाएँ हैं, जो कारखानों, स्वेटशॉप या घरेलू कामगार के रूप में काम करती कई किशोर हैं, कुछ तो इससे भी छोटे हैं; उनकी मज़दूरी बहुत कम है - अक्सर न्यूनतम देहाड़ी से भी कम। उनके काम के घंटे अक्सर लंबे होते हैं और उन्हें ओवरटाइम करने के लिए मजबूर किया जाता है; फ़ैक्टरी में अक्सर पीनी के पानी, स्वच्छता सुविधाएँ, या तो बहुत ख़राब स्तर की होती हैं या होती ही नहीं। स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी सुविधाएँ लगभग शून्य होती हैं। ऐसे श्रमिकों को अक्सर संगठित होने या यूनियनों में शामिल होने के अधिकार से भी वंचित कर दिया जाता है। वे 'असंगठित क्षेत्र' के रूप में काम करना जारी रखते हैं!

स्रोत:

1 UNEP's Food waste Index Report 2021

2 <https://www.theworldcounts.com/challenges/state-of-the-planet/no-more-fish-in-the-sea>

3 fibre2fashion.com

उन्होंने कर दिखाया!

पुनर्चक्रित धातु से बने ओलंपिक पदक

टोक्यो (2020) ओलंपिक में दिए गए पदक बेहद खास हैं और उन्होंने विश्व इतिहास रच दिया। 2017 में, खेलों से 3 साल पहले, जापान की ओलंपिक आयोजन समिति ने घोषणा की कि वह पुराने इलेक्ट्रॉनिक्स को इकट्ठा करेगी और उन्हें पदकों में बदल देगी, और उन्होंने ऐसा किया!

समिति ने लगभग 5,000 ओलंपिक पदक बनाने के लिए लगभग 70 पाउंड सोना, 7,700 पाउंड चांदी और 4,850 पाउंड कांस्य - सभी दान किए गए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से एकत्र किया। इस पहल ने वैश्विक खेलों को और अधिक टिकाऊ बना दिया।



वेस्ट का पुनः उपयोग !

भारत में कई संस्थाएँ एक अभिनव, रचनात्मक और उपयोगी तरीके से कपड़ा रीसाइक्लिंग की दिशा में काम कर रही हैं- 'पैच ओवर पैच' सूरत, गुजरात में स्थित एक टिकाऊ फैशन ब्रांड है जो महिलाओं के लिए अप-साइकिल कपड़े बनाने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन में निष्कासित कपड़े का उपयोग करता है, विभिन्न पैचवर्क तकनीकों से। 'रास-लीला' एक गुजरात-आधारित लेबल है जो सभी महिला कारीगरों की टीम के साथ काम करता है और सांस लेने योग्य, आरामदायक और कालातीत कपड़े बनाने के लिए कोरा कपास का उपयोग करता है। ये स्टोर और विनिर्माण इकाइयाँ कोई अपशिष्ट, यानि कि वेस्ट नहीं छोड़तीं।

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. खरीदने से पहले सोचें, 'क्या मुझे वास्तव में इसकी आवश्यकता है?'
2. उन चीजों की एक सूची बनाएँ जिनकी आपको जरूरत है और कितनी मात्रा में जरूरत है। इस सूची के आधार पर ही खरीदारी करें।
3. स्थानीय वस्तुएँ खरीदें, मौसम में उत्पाद होती वस्तुएँ उसी मौसम में खरीदें।
4. प्लास्टिक खरीदने से बचें।
5. बाहर जाते समय घर से पानी की बोतल लेकर जाएँ, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर की नयी प्लास्टिक बोतल खरीदने से बचें।
6. घर से शॉपिंग बैग ले कर जाएँ, प्लास्टिक बैग्स या नए बैग्स खरीदने से बचें।
7. आपके द्वारा खरीदे गए उत्पाद के बारे में अधिक जानने का प्रयास करें। यह कहाँ बनाया गया था, यह किन परिस्थितियों में बनाया गया था, क्या इसके साथ कोई उत्पाद मार्गदर्शिका है? क्या इसका पुनः उपयोग किया जा सकता है या वापस बेचा जा सकता है? क्या यह एक 'टिकाऊ' उत्पाद है?
8. स्थानीय, छोटे विक्रेताओं और दुकानों से खरीदारी करके उनके व्यापार को समर्थन दें।
9. नजदीकी स्थानीय बाज़ार को अपनी लोकप्रिय खरीदारी की जगह बनाएँ।
10. 5-आर का अभ्यास करें: रीथिंक, रेफ्यूस, रिड्यूस, रीयूस, रीसायकल—और ये आपको 'जिम्मेदार उपभोक्ता' बनने में मदद कर सकते हैं!



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



आवश्यकताएँ, इच्छाएँ और विलासिताएँ

उद्देश्य

प्रतिभागियों को आवश्यकता, इच्छा और विलासिता के बीच अंतर समझने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- प्रतिभागियों को 6-8 की टीमों में विभाजित करें। प्रत्येक टीम को कागज और पेंसिल के साथ तैयार रहने के लिए कहें। खिलाड़ियों को निम्नलिखित स्थिति के विषय में बताएँ:
- शहर में अचानक आई बाढ़ के कारण उन्हें उनके शहर से सुरक्षित जगह पे ले जाने का इंतज़ाम किया गया है।
- प्रत्येक टीम एक परिवार का प्रतिनिधित्व करती है।
- प्रत्येक परिवार के पास अपना शहर छोड़ने से पहले (और बाढ़ से उनके घर नष्ट होने से पहले) अपने घरों से मात्र 20 चीजें लेने का ही समय और इजाज़त है।

उन्हें पैसे लेने की इजाज़त नहीं है.

- वे नहीं जानते कि उन्हें कहाँ ले जाया जा रहा है, वे कब तक दूसरी जगह पहुँचेंगे, वहाँ उन्हें किस प्रकार की मदद मिल सकती है, और नई जगह पर उन्हें क्या सुविधाएँ और सेवाएँ मिल सकती हैं।
- वे यह भी नहीं जानते कि वे अपने शहर कब लौटेंगे और उनके घर सुरक्षित
- बने रहेंगे या नहीं। टीमों को चर्चा करने और चीजों की सूची बनाने के लिए पांच मिनट का समय दें।

प्रतिभागियों द्वारा सूची बनाने के बाद, निर्देशों का अगला सेट इस प्रकार दें:

- जो ट्रक उन्हें शहर से बाहर ले जाने वाला है वह पहले से ही ओवरलोड है और इसलिए उन्हें अपने पास मौजूद 20 चीजों में से कोई

दस छोड़नी होगी। वे कौन सी दस चीज़ें रखना पसंद करेंगे और कौन सी चीज़ें छोड़ना चाहेंगे? प्रतिभागियों को सूची से दस चीज़ें हटाने के लिए कहें।

- शहर से बाहर निकलते समय, ट्रक में खराबी आ गई और सभी को अब पैदल ही जाना पड़ेगा। रास्ते में, उन्हें डकैतों के एक गिरोह ने रोका जो माँग करते हैं कि वे अपने साथ ले जा रहे दस में से कोई पाँच सामान छोड़ दें। वे कौन सी पाँच वस्तुएँ छोड़ेंगे? खिलाड़ियों को सूची से पाँच आइटम हटाने के लिए कहें।
- अंत में प्रत्येक टीम के पास पाँच वस्तुओं की सूची होगी। उनसे 20 वस्तुओं की उनकी मूल सूची और 5 की उनकी अंतिम सूची पढ़ने के लिए कहें।

चर्चा

- क्या टीम जिन पाँच चीज़ों पर काम कर रही है, क्या वे वही चीज़ें हैं जिनकी उन्हें सबसे ज़्यादा ज़रूरत है?
- टीमों ने अंततः जिन पाँच चीज़ों को अपने पास रखने के लिए चुना, वे वे चीज़ें होंगी जिनकी उन्हें लगता है कि उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता है। इनमें भोजन, पानी, दवा, कंबल, कानूनी दस्तावेज़ आदि शामिल हो सकते हैं। पाँच वस्तुओं में से कुछ अलग-अलग टीमों में समान हो सकती हैं।
- बीस की पहली सूची में और कौन सी चीज़ें शामिल थीं? बीस की पहली सूची में कई चीज़ें शामिल हो सकती हैं जिनकी वास्तव में 'ज़रूरत' नहीं है लेकिन टीमों को लगता है कि वे 'चाहती' हैं।
- आवश्यकताओं, इच्छाओं और विलासिता के बीच क्या अंतर है?
- आवश्यकताएँ परम हैं जिनके बिना कोई काम नहीं कर सकता। दुनिया भर के लोगों के लिए बुनियादी ज़रूरतें आम हैं। इनमें भोजन, पानी, आश्रय, कपड़े, मनोरंजन, सामाजिक संपर्क आदि शामिल हैं।
- आवश्यकताओं के विपरीत इच्छाएँ और विलासिता, व्यक्ति की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर आवश्यकताओं की विभिन्न डिग्री हैं। शहर के एक कार्यकारी की इच्छा में एक लैपटॉप शामिल हो सकता है जो किसी और के लिए एक विलासिता हो सकता है। एक किसान की चाहतों में अच्छे बीज, हल शामिल हो सकते हैं। हमारे उपभोग की गुणवत्ता और मात्रा यह निर्धारित करती है कि हम अपनी आवश्यकताओं, चाहतों या विलासिता को पूरा कर रहे हैं या नहीं। अनाज, दालें, सब्जियाँ आदि से युक्त संतुलित आहार एक आवश्यकता है, जबकि पुलाव, मिठाइयाँ आदि से युक्त भोजन एक चाहत हो सकती है और पिज़्ज़ा, शीतल पेय आदि कुछ लोगों के लिए विलासिता हो सकती है।

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



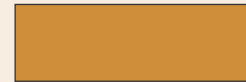
खरीदने से पहले सोचें

उद्देश्य

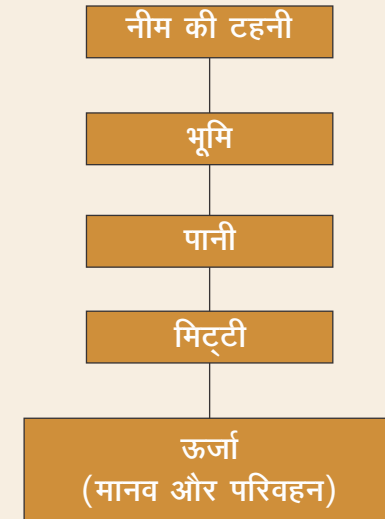
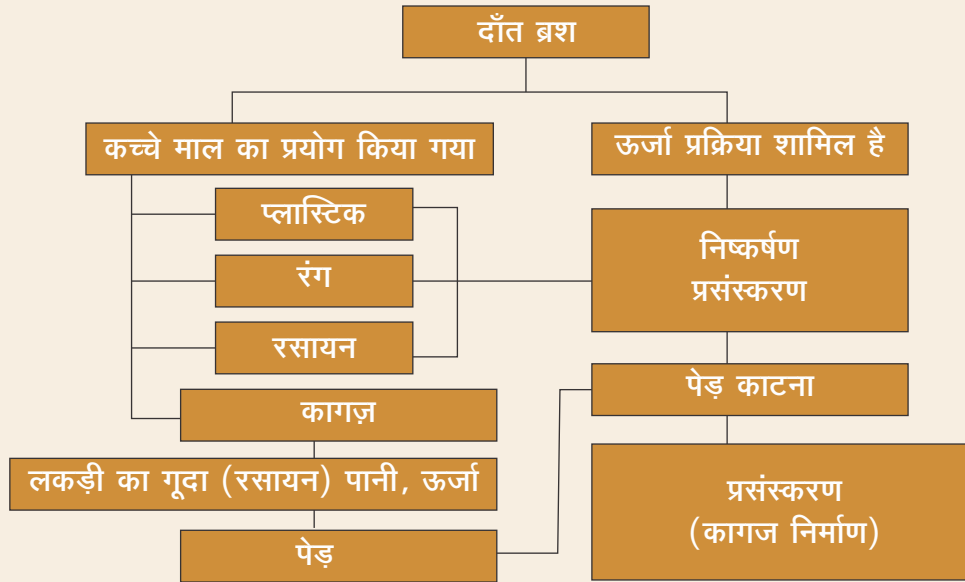
प्रतिभागियों को यह जागरूक करने में सहायता करें कि प्रसंस्कृत वस्तुओं के निर्माण में विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होता है, और विनिर्माण प्रक्रिया में प्रत्येक चरण अपशिष्ट भी पैदा करता है।

एक्टिविटी का विवरण

- प्रतिभागियों को 5-7 व्यक्तियों के समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को वस्तुओं का एक जोड़ा दें। उदाहरण के लिए, एक समूह को लाल मिर्च पाउडर का एक पैकेट और कुछ मिर्चे दी जाएंगी। दूसरे समूह को प्लास्टिक कंटेनर और एक मिट्टी का कंटेनर, तीसरे समूह को कुछ टमाटर और टमाटर साँस की थैली/बोतल आदि दिए जाएंगे।
- प्रत्येक समूह को कमरे में एक बड़ा क्षेत्र आवंटित करें। यदि आप चाहते हैं कि समूह फर्श को लेखन सतह के रूप में उपयोग करें, तो उनमें से प्रत्येक को अलग-अलग रंगों के चाक दें। यदि लिखने के लिए फर्श का उपयोग नहीं किया जा सकता है, तो प्रत्येक समूह को लिखने के लिए लगभग 50 कार्ड/कागज के टुकड़े और पेन/पेंसिल दें।
- समूह से कहें कि वे अपने पास मौजूद वस्तुओं को दोनों वस्तुओं को लगभग एक मीटर की दूरी पर फर्श पर रखें।



- उनका कार्य कार्डों/कागज के टुकड़ों से या फर्श पर चाक से दो वस्तुओं के लिए दो अलग-अलग 'पूछें' बनाना है। टेल्स को वे सभी संसाधन दिखाने होंगे जिनका उपयोग उन तक उत्पाद पहुंचाने में किया गया था। प्रत्येक संसाधन को एक अलग कार्ड पर लिखना होगा। कार्डों को एक-दूसरे से और आइटम से लिंक करना होगा। इन्हें पिन या धागे से जोड़ा जा सकता है। यदि अभ्यास फर्श पर किया जाता है, तो प्रत्येक संसाधन का नाम फर्श पर चाक से लिखा जा सकता है और अलग-अलग रंग के चाक से खींची गई रेखाओं से जोड़ा जा सकता है। (अंत में एक नमूना पूछ प्रदान की गई है।)
- समूह संदर्भ और जानकारी के लिए इंटरनेट या पुस्तकों का उपयोग कर सकते हैं।





जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना

13 CLIMATE ACTION

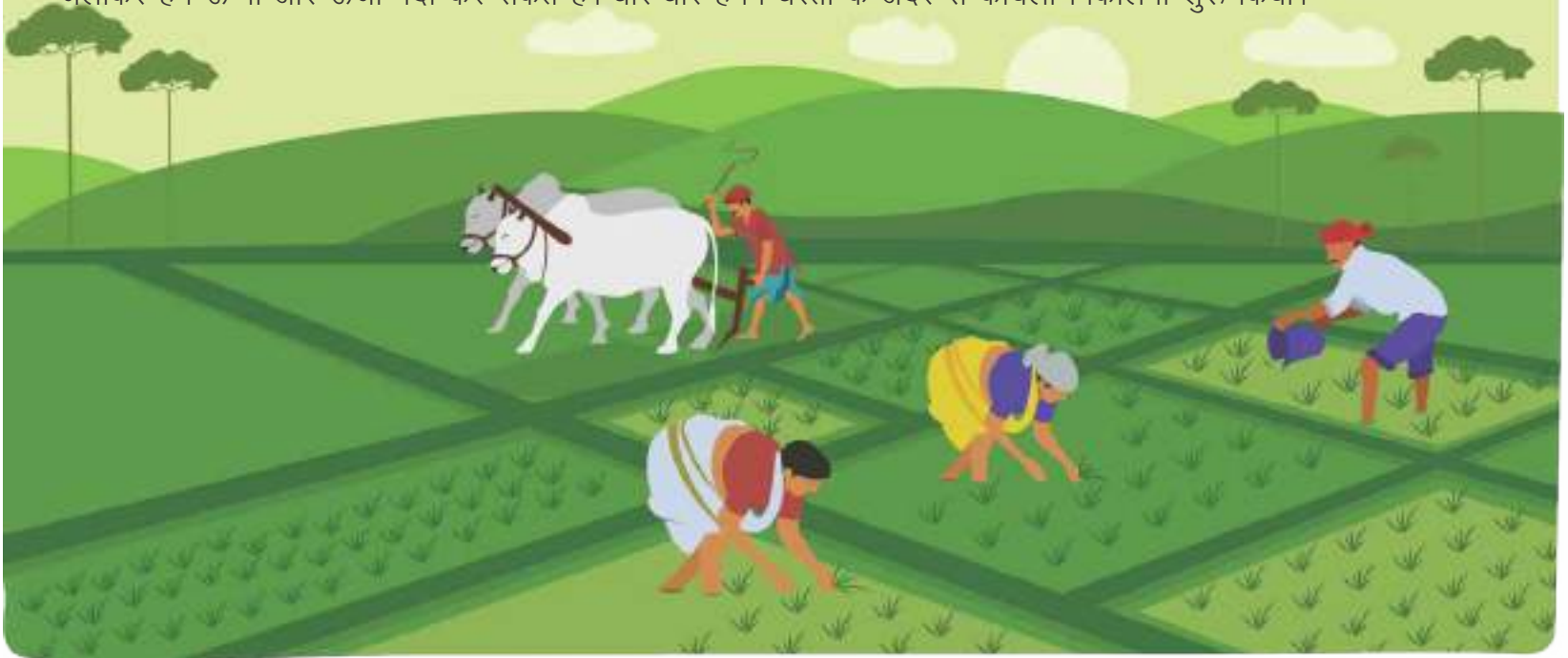


हमारी पृथ्वी बहुत पुरानी है—4 अरब वर्ष—4,000,000,000!। जब इसका जन्म हुआ तो पृथ्वी आग के गोले की तरह बहुत गर्म थी। पृथ्वी को ठंडा होने में लगभग 1 अरब वर्ष लगे; पृथ्वी हजारों वर्षों तक मूसलाधार बारिश के दौर से गुज़री। यही वह समय था जब समुद्रों और महासागरों का निर्माण हुआ।

इससे जीवन के फलने-फूलने की परिस्थितियाँ निर्मित हुईं! ऐसा कहा जाता है कि पृथ्वी पर जीवन का पहला स्वरूप लगभग 3 अरब वर्ष पहले प्रकट हुआ था। तब हमारा जन्म नहीं हुआ था! लेकिन हम इनके बारे में 'जीवाश्मों' की वजह से जान पाते हैं! जीवाश्मों के बारे में और अधिक जानने के लिए आप अपने विज्ञान शिक्षक की मदद ले सकते हैं। तब से पृथ्वी का वायुमंडल भी काफी बदल गया है।

मनुष्य का अस्तित्व लगभग 200,000 वर्ष पहले हुआ। तब जीवन कठोर था। धीरे-धीरे, पृथ्वी पर परिस्थितियाँ जीवन के अधिक अनुकूल हो गईं। ऐसा कहा जाता है कि लगभग 12000 साल पहले, पृथ्वी पर स्थितियाँ बदल गईं और जीवन के पनपने के लिए और अधिक सकारात्मक हो गईं। मानव जनसंख्या बढ़ी, हम बड़े समूहों में रहने लगे-जिन्हें सभ्यताएँ कहा जाता है। इस दौरान मनुष्यों ने बहुत प्रगति की, शहरों, इमारतों, बांधों, कंक्रीट संरचनाओं, हथियारों आदि का निर्माण किया और अपना भोजन भी स्वयं उगाना शुरू कर दिया - कृषि का आविष्कार हुआ!

8000 वर्ष पहले कृषि ने व्यापार को जन्म दिया। हमने एक-दूसरे के साथ अधिक आदान-प्रदान किया। हमारे पूर्वज और भी अधिक भोजन और फसलें उगाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने जंगलों को साफ़ कर दिया। धीरे-धीरे हमारे पूर्वजों ने पृथ्वी में अनेक परिवर्तन किये। न केवल पौधे उगाए बल्कि अब हमने पृथ्वी को खोदना और वहाँ पाए जाने वाले खनिजों जैसे तांबा, लोहा, सोना आदि का उपयोग करना शुरू कर दिया। इस प्रक्रिया में हमारे पूर्वजों को 'काला सोना', यानि की कोयला भी मिला! उन्होंने सीखा कि कोयला जलाकर हम ऊष्मा और ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। धीरे-धीरे हमने धरती के अंदर से कोयला निकालना शुरू किया।



लगभग 230 वर्ष पहले, हमने उद्योग और फैक्ट्री स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर मशीनों का उपयोग शुरू किया। इन मशीनों को चलाने के लिए कोयला और तेल जैसे 'जीवाश्म-ईंधन' को जलाया। अस्पताल, कारें, कंप्यूटर, हवाई जहाज, इन सभी का जन्म 1800 के दशक में हुआ था। यह काल मानव इतिहास में 'औद्योगिक क्रान्ति' का काल कहा जाता है!

इतने दशकों में, अपने जीवन को आसान और विलासितापूर्ण बनाने के लिए, हमने पृथ्वी को बहुत अधिक बदल दिया है - जंगलों को काट दिया, जानवरों को मार डाला, नदियों को बांध दिया, महासागरों को प्रदूषित कर दिया और ये सब संभव हुआ क्योंकि हमने अत्यंत तीव्रता के साथ जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया! पृथ्वी के अंदर से जीवाश्म-ईंधन को बहुत अधिक खोदा और जला दिया। इस कारण वातावरण में कार्बन-डाई-ऑक्साइड की मात्रा बहुत बढ़ोतरी हो गई है। इसलिए समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, फसलें बर्बाद हो रही हैं और मूसलाधार बारिश, चक्रवात, बाढ़ और सूखे की घटनाएँ बढ़ रही हैं। दुनिया को परेशान करने वाली ये भयानक समस्याएँ बदलती जलवायु का परिणाम हैं। जलवायु परिवर्तन पृथ्वी पर जीवन के सभी रूपों के लिए कई खतरे पैदा करता है।

SDG 13 जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करने पर केंद्रित है। एसडीजी 13 काम करने के लिए 5 लक्ष्य देता है।।





जलवायु परिवर्तन के दो अहम् प्राकृतिक भाग हैं, जल और वायु! हमारी पृथ्वी पर सभी जल-प्रणालियाँ और वायु-प्रणालियाँ क्रमशः जलमंडल और वायुमंडल एक सातत्य के रूप में जुड़ी हुई हैं। इससे जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है, जो सभी को प्रभावित कर रही है; और वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करेगी।

यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी देशों और नागरिकों को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इन प्रयासों को दो स्तरों पर करने की आवश्यकता है:

(a) शमन: ऐसे प्रयास जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेंगे; और

(b) अनुकूलन: ऐसे प्रयास जो हमें जलवायु संबंधी आपदाओं के लिए बेहतर तैयारी में मदद करेंगे।

SDG 13 के अंतर्गत आए लक्ष्य



उन्होंने कर दिखाया!

'एक सर्कुलर रिवोल्यूशन': हमारे उत्पादन और उपभोग के तरीके में क्रांति

इंडियन यूथ क्लाइमेट नेटवर्क (आईवाईसीएन) ने 'ए सर्कुलर रिवोल्यूशन' (एचटी स्मार्ट कास्ट द्वारा संचालित) की शुरुआत की है - पॉडकास्ट श्रृंखला जो सर्कुलर इकोनॉमी में स्थिरता और नवाचार को चलाने के लिए भारतीय युवाओं की शक्ति का जश्न मनाती है। प्रत्येक एपिसोड में, IYCN द्वारा कर्तव्यनिष्ठा से पहचाना गया एक 'परिवर्तन का एजेंट' अपनी कहानी साझा करता है। IYCN का कहना है, "चाहे आप एक युवा व्यक्ति हों जो बदलाव लाना चाह रहे हों, या कोई ऐसा व्यक्ति जो सर्कुलर इकोनॉमी और टिकाऊ जीवन के बारे में अधिक सीखना चाहता है, यह पॉडकास्ट आपके लिए है। परिवर्तन की इस यात्रा में हमारे साथ शामिल हों और युवाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन की शक्ति की खोज करें।"

स्रोत: <https://iycn.in>



प्राजक्ता कोली: यूएनडीपी भारत की पहली 'यूथ क्लाइमेट चैंपियन।'

जनवरी 2022 में प्राजक्ता कोली यूएनडीपी इंडिया की यूथ क्लाइमेट चैंपियन बनीं। इस खिताब से सुसज्जित प्राजक्ता युवाओं के साथ जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और इनके कारण होने वाले जैव विविधता के नुकसान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए काम करती हैं। वह सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता के बारे में भी प्रचार कर रही हैं और प्रेरक कहानियाँ साझा कर रही हैं कि कैसे सरकारें, समुदाय और व्यक्ति वास्तविक बदलाव लाने के लिए निश्चित कदम उठा रहे हैं। प्राजक्ता कहती हैं, "युवाओं को इस क्रांति और सेनानी का मशाल वाहक बनने की जरूरत है, जो एक समृद्ध और सशक्त भविष्य के सामान्य लक्ष्य की दिशा में काम करेंगे जहाँ मानव प्रजाति खतरे में न पड़े।"



स्रोत: <https://www.undp.org/india/press-releases/prajakta-koli-becomes-undp-indias-first-youth-climate-champion>

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. कार्बन उत्सर्जन कम करें (साइकिल चलाना/चलना)।
2. अपनी चीजों और संसाधनों का अधिक समय तक उपयोग करें कम बार खरीदें, कम खरीदें।
3. मौसमी और स्थानीय खाना खाएँ।
4. बिना सोचे-समझे उपयोग की गई वस्तुओं को त्यागें या फेंकें नहीं - सोचें, क्या इसका दोबारा उपयोग किया जा सकता है?
5. अधिक पौधे उगाएँ; पेड़ लगाएँ और उनकी देखभाल करो।
6. जितना संभव हो उतना प्राकृतिक ऊर्जा का उपयोग करें - सूरज की रोशनी, सौर ऊर्जा और हवा।
7. जलवायु परिवर्तन के बारे में प्रचार करें और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए कार्य करें! हैं!



क्या आप जानते हैं?

- आज, पृथ्वी 200 वर्ष पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म है। और जल्द ही यदि हम अपना भोजन उगाने, वस्तुओं का निर्माण करने और अपना जीवन जीने का तरीका नहीं बदलते हैं, तो पृथ्वी गर्म होती रहेगी। 2025 तक पृथ्वी 2.4 डिग्री अधिक गर्म हो जाएगी।
- जलवायु परिवर्तन कुछ वर्षों में दुनिया का नक्शा बदल सकता है; क्योंकि समुद्र के स्तर में वृद्धि के कारण कई निचले देशों और शहरों का अस्तित्व समाप्त हो सकता है।
- कार्बन फुटप्रिंट एक ऐसी तकनीक है जो हमें बिजली, पेट्रोल, गैस, कोयला आदि की हमारी व्यक्तिगत खपत की समीक्षा करने में मदद करती है और वायुमंडल में जोड़े गए कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा की गणना करने में हमारी मदद करती है।
- कार्बन फुटप्रिंट का विश्लेषण हमें जिम्मेदार तरीके से उपभोग करने और पृथ्वी पर हल्के ढंग से रहने में मदद कर सकता है।

मेरा कार्बन-फुटप्रिंट

यहाँ प्रदान किया गया पदचिह्न आपके साथ कुछ विचार साझा करता है, ताकि आप पर्यावरण के अनुकूल ढंग से जीवन जिएँ—
 - कम संसाधनों का उपयोग करें; संसाधनों का इष्टतम उपयोग करें; कम अपशिष्ट उत्पन्न करें; और जलवायु परिवर्तन को कम करने में सकारात्मक योगदान दें।

क्या मैं पौधों कि परवाह करता / करती हूँ



पौधों

- क्या मैं जैव विविधता संरक्षण के लिए स्वेच्छा से काम करता / करती हूँ?

जैव विविधता

CO₂

पानी

- मेरे स्नान का तरीका?
 - पानी का पुनः उपयोग करता / करती हूँ?
 - जल छाजन करता / करती हूँ?
 - भूमिगत जल का उपयोग करता / करती हूँ?

सौर ऊर्जा का उपयोग
 - लाइट पंखे, एसी का प्रयोग करता / करती हूँ ?

सौर ऊर्जा



खाना

क्या मैं
 - खाना बर्बाद करता / करती हूँ?
 - स्थानीय खाना खाती / खाता हूँ?
 - मौसमी खाना खाती / खाता हूँ?
 - क्या मैं अपना भोजन साझा करती / करता हूँ?
 - क्या मैं संतुलित आहार खाता / खाती हूँ?

मैं कैसे आवागमन करता / करती हूँ ?
 - रेल, सड़क एवं वायुमार्ग
 - कम दूरी तक साइकिल चलाना
 - निकटवर्ती स्थानों पर घूमना

आवागमन



कपड़े

क्या मैं
 - मेरी जरूरतों या चाहतों को पूरा करने के लिए खरीदती / खरीदता हूँ?
 - स्थानीय ब्रांड खरीदती / खरीदता हूँ?
 - मेरे कपड़ों के टैग पर दिए गए 'देखभाल के लिए निर्देशों' का पालन करता / करती हूँ?
 - प्लास्टिक को 'नहीं' कहता / कहती हूँ?
 - पुराने कपड़ों का पुनः उपयोग करता / करती हूँ?
 - स्थानीय विक्रेताओं से खरीदती / खरीदता हूँ?

क्या मैं

- ई-कचरे का अच्छे से प्रबंधन करता / करती हूँ?
 - घर पर खाद बनाएं - क्या मैं घर पर सामान का पुनर्चक्रण करता हूँ?
 - सामान का पुनः उपयोग करता / करती हूँ?

कचरे



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



कल, आज और कल

उद्देश्य

छात्रों को जलवायु और पर्यावरण पर उनकी जीवनशैली के प्रभाव को समझने में मदद करें।

एक्टिविटी का विवरण

- विद्यार्थियों को निम्नलिखित वर्कशीट दें। वर्कशीट का उद्देश्य जीवन के विभिन्न समयों में संसाधन उपयोग की दक्षता की तुलना करना है।
- छात्रों को वर्कशीट के 'गतिविधि' कॉलम के तहत उल्लिखित विभिन्न मानवीय गतिविधियों और विभिन्न समय पर इन गतिविधियों को पूरा करने के लिए संसाधन उपयोग के अभ्यास के बारे में सोचने के लिए कहें - उनके द्वारा, उनके माता-पिता द्वारा और उनके दादा-दादी द्वारा।
- उन्हें दो-दो की टीमों में अपने बगल में बैठे छात्र के साथ अपने विचारों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- एक बार जब वे चर्चा समाप्त कर लें, तो उन्हें चर्चा पर विचार करने और अंत में वर्कशीट भरने के लिए 5-10 मिनट का समय लेना चाहिए।
- उन्हें सोचने और भरने के लिए पांच मिनट का समय दें।



Sr. No.	गतिविधि	दादा दादी	अभिभावक	अब	क्या यह अच्छा था - पर्यावरण के लिए और इंसानों के लिए, दोनों के लिए
1.	खाना बनाना				
2.	सब्जी खरीदना				
3.	परिवहन (एक शहर/कस्बे के भीतर)				
4.	लंबी दूरी का परिवहन				
5.	रसोई के काम के लिए मसाले आदि पीसना				
6.	प्रकाश एवं शीतलता				
7.	गरम पानी का स्नान				
8.	विवाह समारोह				
9.	दाँत साफ करना, शेविंग करना आदि				
10.	वगैरह।				

चर्चा

- विद्यार्थियों से अपने निष्कर्ष और अवलोकन साझा करने के लिए कहें।
- उनसे चर्चा करें कि किसकी जीवनशैली अधिक टिकाऊ है/थी?
- क्या ऐसी प्रथाएँ थीं जो पर्यावरण के लिए बहुत अच्छी थीं लेकिन मनुष्यों के लिए अच्छी नहीं थीं और इसके विपरीत? हम अपनी वर्तमान जीवनशैली को और अधिक संसाधन कुशल कैसे बना सकते हैं?



5 कोने

उद्देश्य

छात्रों को 'सूचित निर्णय लेने' की प्रक्रिया सीखने में मदद करना।

एक्टिविटी का विवरण

- अपने शिक्षार्थियों को एक खुले क्षेत्र (एक ऐसा क्षेत्र जहां वे स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं, जहां फर्नीचर पर अधिक प्रतिबंध नहीं हैं) में आने को कहें।
- अब समूहों को बताएँ कि इस गतिविधि का 'कोई अधिकार नहीं है और कोई गलत नहीं है'; और यह गतिविधि पूरी तरह से व्यक्तियों की मदद करने के बारे में है: (ए) चिंता के विषय पर अपनी व्यक्तिगत राय तैयार करना; (बी) एक ही मामले पर दूसरों के विचारों को सुनने और समझें; और (सी) इस बात की सराहना करते हैं कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित अधिकांश मामले 'सही या गलत' ठहराने वाले मामले नहीं हैं, बल्कि वे प्रासंगिक हैं और समय-समय पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बदलते रहते हैं।
- छात्रों को बताएँ कि आप चॉक से 1, 2, 3, 4, 5 लिख रहे हैं (फर्श पर, यदि कालीन है, तो आप इन नंबरों को बड़े फ़ॉन्ट आकार में A4 शीट पर प्रिंट कर सकते हैं और उन्हें फर्श पर रख सकते हैं)।
- उन्हें बताएँ कि प्रत्येक संख्या एक 'स्थिति/दृष्टिकोण/स्थिति' को परिभाषित करती है जिसे वे जलवायु परिवर्तन से संबंधित किसी मुद्दे के संबंध में रख सकते हैं या रख सकते हैं और आप इन मुद्दों को लिखित बयानों के माध्यम से उनके साथ साझा करेंगे।
- अब उनमें से किसी भी कथन को प्रोजेक्ट करें/दिखाएँ और उन्हें पढ़ने, सोचने, कुछ समय लेने के लिए कहें और फिर अपनी स्थिति/दृष्टिकोण पर निर्णय लें - 1, 2, 3, 4 या 5। एक बार जब शिक्षार्थी अपना अंतिम स्थान ले लेते हैं, तो वे, भीतर उनके समूह को उस स्थिति/स्थान/दृष्टिकोण पर होने के कारणों पर चर्चा करनी चाहिए। 2 मिनट के बाद, सभी समूहों का ध्यान आकर्षित करें और उनसे वहीं रहने का कारण पूछें जहां वे हैं। समूहों (1, 2, 3, 4, 5 या कोई अन्य क्रम जो आपको उचित लगे) से गुजरें और अब प्रत्येक समूह से एक निश्चित स्थिति लेने के लिए अपने कारण साझा करने के लिए कहें। सभी को एक-एक करके विभिन्न समूहों को सुनने दें; और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य समूह के तर्क से आश्वस्त हो जाता है और अपनी स्थिति बदलना चाहता है, तो वह बदल सकता है।

आपकी स्थिति आपका दृष्टिकोण/स्टैंड

1. कथन से पूर्णतः सहमत हूँ
2. कथन से सहमत हूँ
3. मैं अपने दृष्टिकोण के बारे में निश्चित नहीं हूँ
4. कथन से असहमत हूँ
5. कथन से पूर्णतः असहमत हूँ



शिक्षार्थियों को एक-दूसरे को उत्सुकता से सुनने के लिए प्रोत्साहित करें, और जलवायु परिवर्तन के मामलों के संबंध में लोगों के अलग-अलग विचारों पर ध्यान दें।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित कुछ कथन जिनका उपयोग आप इस गतिविधि के लिए कर सकते हैं वे हैं:

- जलवायु परिवर्तन के लिए व्यक्ति जिम्मेदार हैं।
- जलवायु परिवर्तन का असर सभी पर पड़ेगा.
- जलवायु परिवर्तन को कम करना सरकारों की जिम्मेदारी है।
- प्रौद्योगिकी जलवायु परिवर्तन से संबंधित सभी समस्याओं का उत्तर प्रदान करेगी; वगैरह।

एक शिक्षक के रूप में, आप उपरोक्त जैसे कई और कथन बना सकते हैं। हालाँकि इस गतिविधि में उपयोग के लिए सावधानी बरतनी होगी

ऐसे कथन न चुनें जिनका केवल एक ही सही उत्तर हो। जैसे 'जलवायु और मौसम अलग-अलग अवधारणा हैं।' इसके बजाय केवल ऐसे विधानों का उपयोग करें जहाँ एकाधिक दृष्टिकोण और एकाधिक प्रतिक्रियाएँ (और सभी मान्य) संभव हैं।

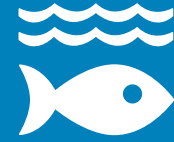




जलीय जीवन

टिकाऊ विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और उनका उचित उपयोग सुनिश्चित करना

14 LIFE BELOW WATER



महासागर, पृथ्वी का सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र, खतरे में है

स्वस्थ महासागर और समुद्र हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं। हमारी पृथ्वी का 70% भाग जल है। हम भोजन, ऊर्जा और पानी के लिए इस पर निर्भर हैं। फिर भी, हमने इन बहुमूल्य संसाधनों को जबरदस्त नुकसान पहुँचाया है। बढ़ता अम्लीकरण, सुपोषण, मछली भंडार में गिरावट और बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण कुछ ऐसी चुनौतियाँ हैं जो हमारे महासागरों के स्वस्थ और टिकाऊ अस्तित्व को खतरे में डाल रही हैं। हमें प्रदूषण और अत्यधिक मछली पकड़ने को खत्म करके उनका संरक्षण करना चाहिए; और दुनिया भर के सभी समुद्री जीवन का तुरंत प्रबंधन और सुरक्षा करनी चाहिए।

SDG 14 का उद्देश्य महासागरों के प्रदूषण को काफी कम करना और दुनिया के समुद्री संसाधनों का टिकाऊ उपयोग करना है।

महासागर: पृथ्वी की जीवन रेखा



70%

ऑक्सीजन जो इंसान सांस लेने में उपभोग करते हैं, वो ऑक्सीजन महासागरों द्वारा उत्पादित होता है



90%

पारिस्थितिक आवास महासागरों में है।



महासागर हमें भोजन, औषधियाँ और मशीनें चलाने के लिए ऊर्जा प्रदान करते हैं।



70%

पृथ्वी कि सतह, महासागरों से ढकी हुई है। महासागर 'जलवायु नियामक' हैं - भूमध्य रेखा से ध्रुवों तक गर्मी पहुंचाते हैं, जलवायु और मौसम कि समता बनाए रखते हैं।



80%

जीवन महासागरों में पाया जाता ह।



80%

व्यापार और वाणिज्य समुद्र के माध्यम से पहुँचा जाता है।



महासागर पृथ्वी के घनी जैव-विविधता वाले क्षेत्र हैं।

SDG 14 के अंतर्गत आए लक्ष्य

-  1 समुद्री प्रदूषण कम करें
-  2 समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा और पुनर्स्थापन करें
-  3 महासागरों में होने वाले अम्लीकरण को कम करें
-  4 मछली पकड़ने के लिए टिकाऊ रणनीति

-  5 तटीय एवं समुद्री क्षेत्रों का संरक्षण करें
-  6 अत्यधिक मछली पकड़ने में योगदान देने वाली सब्सिडी समाप्त करें
-  7 समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग से आर्थिक लाभ बढ़ाएँ

महासागरों के लिए खतरा

कार्बन: जीवाश्म-ईंधन के जलने के कारण, हम वायुमंडल में बहुत अधिक कार्बन जोड़ रहे हैं, जिसका एक हिस्सा महासागरों में घुल जाता है और महासागरों को अम्लीय बना देता है।

पेट्रोलियम: हम तेल और गैस निकालने के लिए महासागरों में गहराई तक खुदाई करते हैं; ये समुद्र में रिसाव के कारण समुद्री प्रदूषण का कारण बनते हैं।

प्लास्टिक: गहरे समुद्र में लाखों टन प्लास्टिक पाया गया है, जो कई खाद्य श्रृंखलाओं को तोड़ रहा है और आवास को खत्म कर रहा है।

बहुत अधिक खनिज: भूमि से कृषि अपवाह महासागरों में बहुत अधिक पोषक जोड़ता है, जिससे शैवाल खिलता है और मछलियाँ मरती हैं।

अत्यधिक मछली पकड़ना: हम महासागरों से इतनी अधिक मात्रा में मछलियाँ पकड़ते हैं कि मछली का स्टॉक पुनर्प्राप्ति से परे समाप्त हो जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- महासागर के गर्म होने और जीएचजी (GHGs) उत्सर्जन में वृद्धि के कारण समुद्र के अम्लीकरण में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है जो पारिस्थितिक पतन का कारण बन रही है। इसका मानव अर्थव्यवस्था और संस्कृति पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।
- 2021 में, 17 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक विश्व के महासागरों में फेंक दिया गया, जो 85% समुद्री कूड़ा है। प्रत्येक वर्ष समुद्र में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक प्रदूषण की मात्रा 2040 तक दोगुनी या तिगुनी होने की उम्मीद है।
- समुद्र दुनिया की सबसे बड़ी जीवित संरचना - ग्रेट बैरियर रीफ का घर है। लगभग 2,600 किमी मापने वाला, इसे चंद्रमा से भी देखा जा सकता है! 2009 और 2018 के बीच, दुनिया ने लगभग 14 प्रतिशत मूंगा चट्टानें खो दीं।
- 2019 में वैश्विक मछली स्टॉक के एक तिहाई से अधिक मछली पकड़ी गई।
- मैंग्रोव में स्थलीय वनों की तुलना में वायुमंडल से कहीं अधिक कार्बन लेने की क्षमता होती है; मैंग्रोव का एक टुकड़ा स्थलीय वन के समान आकार के टुकड़े से 10 गुना अधिक कार्बन अवशोषित कर सकता है।



उन्होंने कर दिखाया!

जैसा कि भारत ने आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने 2022 में स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान शुरू किया। यह 75-दिवसीय नागरिक-नेतृत्व वाली पहल थी, जिसका उद्देश्य सामुदायिक कार्रवाई के माध्यम से तटीय और महासागर स्वास्थ्य में सुधार करना था। अभियान 5 जुलाई, 2022 को शुरू हुआ और 17 सितंबर, 2022 को समाप्त हुआ। अभियान का उद्देश्य व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से पर्यावरण को बचाना था। अभियान के तीन व्यापक लक्ष्य थे:

ज़िम्मेदारी से उपभोग करें; घर पर कचरा अलग करें; और कचरे का ज़िम्मेदारी-पूर्वक निपटान करें।

इस अभियान का नेतृत्व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय तट रक्षक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, अन्य केंद्रीय मंत्रालयों/संगठन और अन्य सामाजिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी में किया था।

भारतीय समुद्र तट के साथ 75 समुद्र तटों पर तटीय सफाई अभियान चलाया गया।

स्रोत: https://moes.gov.in/about-us-0?language_content_entity=en



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. प्लास्टिक और प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का त्याग करें, क्योंकि प्लास्टिक उत्पाद अक्सर महासागरों में पहुँच जाते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण के कारण बड़ी संख्या में समुद्री जानवर मर रहे हैं।
2. भोजन बर्बाद न करें, स्वस्थ भोजन करें, स्थानीय और मौसमी रूप से उगाई जाने वाली फसलें खाएँ।
3. मूंगा, कछुए के गोले या अन्य समुद्री जीवन से बने आभूषण और अन्य वस्तुएँ न खरीदें।
4. यदि आपका परिवार समुद्र तट पर छुट्टियों का आनंद ले रहा है, तो सुनिश्चित करें कि आप सभी स्नॉर्कलिंग और सर्फिंग आदि जैसी जिम्मेदार मनोरंजक गतिविधियों का पालन करें।



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए

समुद्री कनेक्शन

उद्देश्य

समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में विभिन्न तत्वों के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करना।

एक्टिविटी का विवरण

कार्डों का एक सेट बनाएं (लगभग 5X8 सेमी; चार्ट पेपर का उपयोग करके या एक तरफा पुराने विजिटिंग कार्ड का उपयोग करके), इन कार्डों पर समुद्री तत्वों के नाम (नमूना नीचे दिया गया है) लिखें। प्रत्येक कार्ड के शीर्ष पर एक सेफ्टी पिन लगाया जा सकता है, या 'यू' पिन का भी उपयोग किया जा सकता है। इनकी आवश्यकता होगी क्योंकि छात्रों को इन कार्डों को अपनी शर्ट पर पिन करना होगा ताकि कार्ड दूसरों को दिखाई दे।

समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के कुछ घटकों की सूची:

सूरज	मिट्टी	मछुआ	समुद्री गल
डाल्फिन	जेलिफ़िश	कोरल	पादप प्लवक
डंक मारने वाली किरण	वायु	मलबा	शैवाल
रेत	ज़ोप्लांकटन	ऑक्टोपस	गप्पी
झींगा	पानी	समुद्री सीपियाँ	कछुआ
साँप	कीड़े	कच्छ वनस्पति	साँप
पक्षी	पेट्रोलियम	रेत पिपर्स	केकड़े के गोले
कंकड़	क्लैप	टूना	व्हेल शार्क
किसान	डुगोंग		



- विद्यार्थियों को एक घेरे में बैठने के लिए कहें। सभी खिलाड़ियों को एक-एक कार्ड बांटें। प्रकृति के चार मुख्य तत्वों 'सूर्य', 'मिट्टी', 'वायु' और 'जल' को दर्शाने वाले कार्ड शामिल करना और वितरित करना सुनिश्चित करें। प्रत्येक को एक 'यू' पिन भी वितरित करें।
- खिलाड़ियों से अपने कार्ड को अपनी ड्रेस पर पिन करने के लिए कहें ताकि समूह में हर कोई देख सके कि वे कौन हैं। खिलाड़ी बारी-बारी से समूह को बता सकते हैं कि वे किसका प्रतिनिधित्व करते हैं। अब उन्हें डोरी की एक गेंद दिखाएँ और बताएं कि यह गेंद ऊर्जा के स्रोत सूर्य का प्रतिनिधित्व करती है।
- अब खिलाड़ियों से पूछें कि यह डोरी की गेंद किसको देनी चाहिए? सुझाव अनेक हो सकते हैं। खिलाड़ियों से यह पूछकर उन्हें प्रेरित करें कि किसकी ऊर्जा पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाती है। सूर्य से शुरुआत करना उचित है क्योंकि यह सभी ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है जो जीवन को संभव बनाता है।
- डोरी की गेंद लें और इसे 'सूर्य' को दें। 'सूर्य' से डोरी के एक सिर को उसकी उंगली के चारों ओर लपेटने के लिए कहें। 'सूर्य' का कार्य प्रकृति के किसी भी घटक, जिसके साथ सूर्य का संबंध है, को 'ऊर्जा को प्रवाहित करना' (स्ट्रिंग की गेंद फेंककर) है। उदाहरण के लिए, सूर्य शैवाल को ऊर्जा देता है। तो 'सूर्य' 'शैवाल' कार्ड वाले खिलाड़ी को गेंद फेंक सकता है। लेकिन गेंद देने से पहले, 'सूर्य' को 'शैवाल' के साथ अपने संबंध के बारे में बताना होगा।
- 'शैवाल' फिर उसकी उंगली के चारों ओर एक या दो बार मज़बूती से डोरी घुमाता है और फिर इसे दूसरे घटक तक पहुंचाता है जिससे वह संबंधित महसूस करता है, जैसे। 'कीड़ा', समझा रहा रिश्ता। इस तरह, रिश्तों की रेखा खुलती जाती है और एक पैटर्न बनना शुरू हो जाता है जिसे छात्र एक साथ पकड़ कर रखते हैं।
- विद्यार्थियों से स्ट्रिंग का वेब जैसा प्रभाव देखने के लिए कहें। फिर उन्हें वेब चेस्ट को ऊंचा उठाने के लिए कहें। उन्हें इसे कसकर पकड़ने दें ताकि यदि जाल को दबाया जाए तो यह ढीला न हो या जमीन को न छुए।

चर्चा

समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कई तरह के दबावों का सामना करना पड़ता है, जैसे 'तेल रिसाव, या पेट्रोलियम निष्कर्षण या प्लास्टिक कचरा'। इस दबाव को दर्शाने के लिए, वेब को अपने हाथ से एक मिनट के लिए नीचे दबाएं और छोड़ दें। विद्यार्थियों से यह देखने के लिए कहें कि क्या होता है। क्योंकि वेब अक्षुण्ण और दृढ़ है, यह वापस उछलता है। यह एक स्वस्थ (अबाधित) पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। अब विद्यार्थियों से पूछें कि यदि इनमें से कुछ तत्व नष्ट हो जाएँ तो क्या होगा। इन तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र को स्ट्रिंग छोड़ने दें। दृश्य प्रभाव पर ध्यान दें। प्रभाव को नाटकीय बनाने के लिए और अधिक तत्वों को छोड़ा जा सकता है। अब वेब को नीचे दबाएं। यह संभवतः ज़मीन को छू लेगा और वापस नहीं उछल सकेगा। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में अंतर्संबंधों की भूमिका पर ज़ोर दें।

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



महासागरों और मनुष्यों के बीच संबंधों की खोज

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को विस्तार से अध्ययन करने में सक्षम बनाना, महासागरों के सामने आने वाले खतरों में से एक है।

एक्टिविटी का विवरण

- छात्रों को नीचे दिए गए पाठ की एक प्रति प्रदान करें;

‘समुद्र प्रदूषण एक प्रमुख वैश्विक समस्या है, यह बढ़ रही है, और यह सीधे मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती है,’ वेधशाला के निदेशक और बोस्टन कॉलेज के ग्लोबल पब्लिक हेल्थ और कॉमन गुड प्रोग्राम के प्रोफेसर फिलिप लैंड्रिगन, एम.डी. ने कहा। लोगों ने महासागरों में प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में सुना है, लेकिन यह इसका केवल एक हिस्सा है। अनुसंधान से पता चलता है कि महासागर पारा, कीटनाशकों, औद्योगिक रसायनों, पेट्रोलियम अपशिष्ट, कृषि अपवाह और प्लास्टिक में एम्बेडेड निर्मित रसायनों सहित विषाक्त पदार्थों के एक जटिल मिश्रण से प्रदूषित हो रहे हैं। समुद्र में ये जहरीले पदार्थ मुख्य रूप से दूषित समुद्री भोजन खाने से लोगों में प्रवेश करते हैं।

लैंड्रिगन ने कहा कि, हम सभी खतरे में हैं, लेकिन सबसे गंभीर रूप से प्रभावित लोग तटीय मछली पकड़ने वाले समुदायों के लोग, छोटे द्वीप देशों के लोग, स्वदेशी आबादी और उच्च आर्कटिक के लोग हैं। इन कमज़ोर आबादी का अस्तित्व समुद्र के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है।

- उन्हें आपस में 3 या 4 सदस्यों की टीम बनाने के लिए कहें। समूहों को उपरोक्त पाठ को पढ़ना, समझना और चर्चा करनी चाहिए और अधिक जानकारी के लिए वर्ल्ड वाइड वेब का भी उपयोग करना चाहिए।

- चर्चा के बाद, समूहों को चार्ट पेपर और स्केच पेन लेना चाहिए और निम्नलिखित कार्य करना चाहिए:

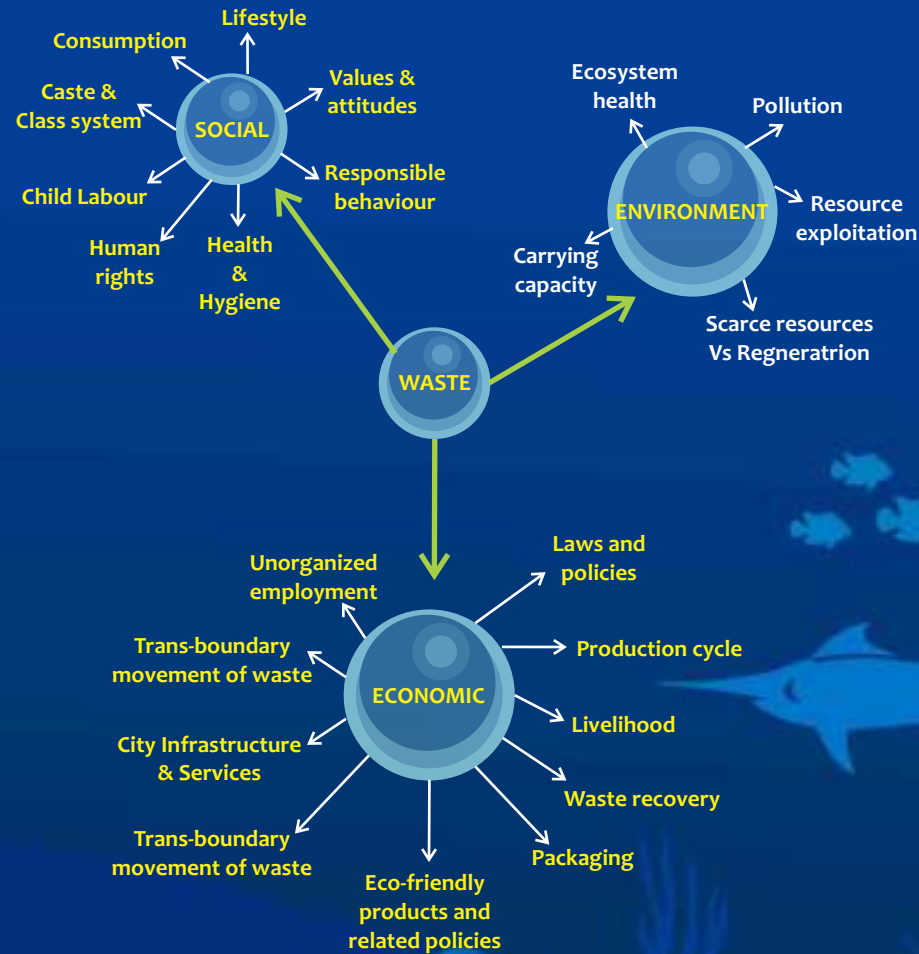
ए) उन सभी गतिविधियों को लिखें जो समुद्री प्रदूषण का कारण बन रही हैं, जैसे कृषि अपवाह; जीवाश्म ईंधन जलाना, आदि।

बी) उन्हें यह भी लिखना चाहिए कि इनसे महासागरों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, जैसे मछलियों का मरना, सूरज की रोशनी को अवरुद्ध करना, समुद्री तल या समुद्र तट को नुकसान पहुँचाना आदि।

सी) एक बार जब वे इन शब्दों/शब्दों/प्रक्रियाओं को चार्ट पेपर पर लिख लें, तो अब उन्हें एक 'लिक आरेख' (नमूना नीचे दिया गया है) बनाने का प्रयास करना चाहिए जो इन सभी को कई दिशाओं में जोड़ता है।

- लिक आरेख के पूरा होने पर, प्रत्येक समूह को अपना काम प्रस्तुत करने और उनके द्वारा विकसित लिक आरेख को समझाने के लिए 3-5 मिनट का समय दें।
- समूहों को एक-दूसरे पर चर्चा करने और प्रश्न पूछने दें।
- पूरी कक्षा के साथ इस बात पर चर्चा करें कि मानव अस्तित्व महासागरों के स्वास्थ्य से कैसे जुड़ा और जुड़ा हुआ है, और मनुष्यों को बचाने के लिए महासागरों को बचाना क्यों आवश्यक है।

एक लिक आरेख दो या दो से अधिक घटनाओं/गतिविधियों/परिघटनाओं के बीच संबंधों के दृश्य और विश्लेषण को सक्षम बनाता है; जिन्हें 'नोड्स/बॉक्स' के रूप में दर्शाया जाता है और इन घटनाओं के बीच संबंधों को रेखाओं के रूप में दर्शाया जाता है जिन्हें लिक कहा जाता है।





स्थलीय जीवन

स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण;
वनों का टिकाऊ प्रबंधन; और मरुस्थलीकरण को रोकना

15 LIFE
ON LAND



I Wonder

*I wonder where the green grass went
All buried under the new cement.
I wonder where the birds have flown,
They have gone to find another home.
I wonder where the footpath's gone,
Right underneath your car, my son.
I wonder where the old folks go,
The nursing homes GB surely know.
What grows so fast before my eyes?
A garbage dump, a million flies.
Is this the place you celebrate?
In prose you made it sound so great!
It was... ..before I knew it was fate.*

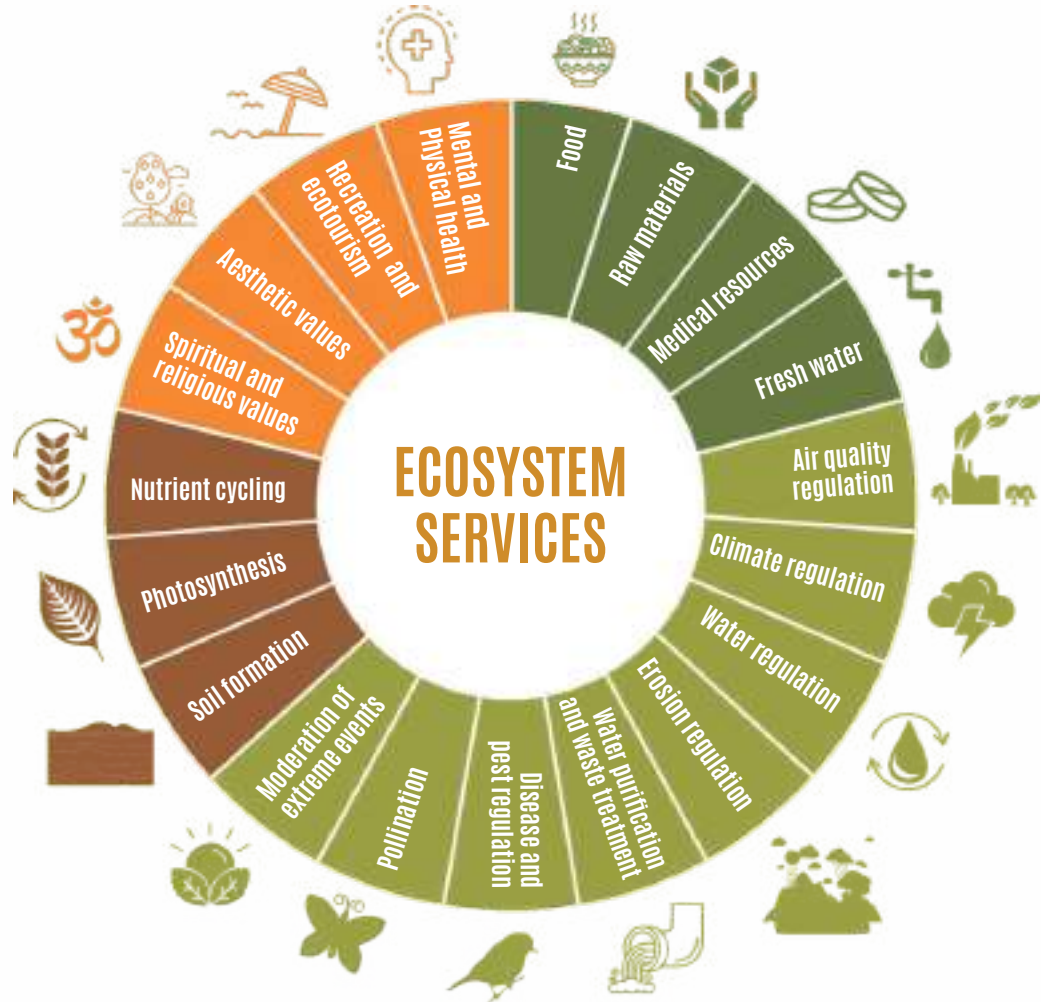
Ruskin Bond, June 2021

रस्किन बॉन्ड ने विश्व पर्यावरण दिवस, 2021 पर उपरोक्त कविता साझा की। इस कविता में, उन्होंने निराशा की भावना व्यक्त की है कि कैसे हम, मनुष्यों ने, इस पृथ्वी को उसके प्राकृतिक संसाधनों और सुंदरता से खत्म कर दिया है! एसडीजी 15 स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों की सुरक्षा, 154 बहाली और सतत उपयोग को बढ़ावा देने के बारे में है।

1. क्या आपने सर रस्किन बॉन्ड के बारे में सुना है? क्या आपने उनकी कोई कहानी या कविता पढ़ी है?
2. क्या आप विश्व पर्यावरण दिवस के बारे में कुछ जानते हैं - यह कब मनाया जाता है, इसका महत्व क्या है?
3. 'पारिस्थितिकी तंत्र' और 'स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र' शब्दों से आप क्या समझते हैं?

पारिस्थितिकी तंत्र का महत्व

हमें पारिस्थितिक तंत्र के बारे में चिंता करने की आवश्यकता क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि जैव विविधता - दुनिया में पौधों, जानवरों और पारिस्थितिक तंत्र की विविधता - पृथ्वी के स्वास्थ्य का एक उपाय है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और पारिस्थितिक तंत्र का विनाश हमारे ग्रह की जैव विविधता को खतरे में डाल रहा है, जो अंततः मनुष्यों सहित सभी जीवन-रूपों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है।



SDG 15 के अंतर्गत आए लक्ष्य

जैव विविधता और प्राकृतिक
आवासों की रक्षा करना



आनुवंशिक संसाधनों तक पहुंच और
लाभों के उचित बंटवारे को बढ़ावा देना



पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र का
संरक्षण सुनिश्चित करना



स्थलीय और मीठे पानी के
पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण
और पुनर्स्थापन करना

भूमि और जल
पारिस्थितिकी तंत्र में
विदेशी प्रजातियों
की पहल को रोकें



वनों की कटाई
समाप्त करना और
नष्ट हुए वनों को
पुनर्स्थापित करना



संरक्षित प्रजातियों
के अवैध शिकार
और तस्करी को
खत्म करना

सरकारी योजना में
पारिस्थितिकी तंत्र
और जैव विविधता को
एकीकृत करना



मरुस्थलीकरण समाप्त
करना और बंजर भूमि
को पुनर्स्थापित करना



क्या आप जानते हैं?

भारत में चीते का पुनर्जन्म!

- भारत के लिए चीतों का बहुत प्रतीकात्मक महत्व है क्योंकि वे हमारे देश के कई क्षेत्रों की कई लोक-कथाओं का हिस्सा हैं। दुःख की बात है कि चीता 1947 में भारत से विलुप्त हो गया। विज्ञान के द्वारा हम समझते हैं कि भारत की भूमि से चीते के विलुप्त होने के मुख्य कारण चीतों का शिकार, सिकुड़ते आवास और उनके खाने की कमी हो सकती है।
- भारत चीता के निवास स्थान को बहाल करके, उसके भोजन आधार का पुनर्निर्माण करके और उनके जीवित रहने, बढ़ने और पनपने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाकर चीता को वापस लाने की कोशिश कर रहा है!
- भारत से चीते के विलुप्त होने के 70 वर्षों के बाद, भारत सरकार ने देश में चीते को फिर से स्थापित किया। कुल मिलाकर, अफ्रीकी देशों से 20 चीतों का एक झुंड मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया है। इन चीतों को नए पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित रहने के लिए संघर्ष करने की ज़रूरत है। इस संघर्ष के दौरान 20 चीतों में से 3 जीवित नहीं बच सके। लेकिन एक अच्छा समाचार यह है कि मादा चीता में से एक ने मार्च, 2023 में 4 शावकों को जन्म दिया।



पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा

कई मानवीय गतिविधियाँ, जैसे खेती और किसान, पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव डालती हैं। इस तनाव से जीवन-रूपों और जैव विविधता का ह्रास होता है। इससे नदियों, आर्द्रभूमियों, वायु आदि जैसे प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता में भी कमी आती है, जिससे अंततः पारिस्थितिक तंत्र की संतुलन बनाए रखने की क्षमता बाधित होती है। इससे जैव विविधता और भी कम हो जाती है।

परिणामस्वरूप, मानवीय गतिविधियाँ तनावग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र के एक दुष्चक्र को जन्म देती हैं जिससे जैव विविधता का नुकसान होता है और इसके विपरीत भी।

लक्ष्य 15 हमारे प्राकृतिक पर्यावरण के साथ हमारे संबंधों में नाटकीय बदलाव के बिना पूरा नहीं होगा।

एक दुष्चक्र

मानवीय गतिविधियाँ

जलवायु परिवर्तन
कृषि
निर्माण
खुदाई
औद्योगिक प्रक्रिया
वन्यजीव व्यापार
परिवहन



पारिस्थितिकी तंत्र पर तनाव
पारिस्थितिकी तंत्र का क्षरण
प्रदूषण
पारिस्थितिक संतुलन का नुकसान
पारिस्थितिक तंत्र का रूपांतरण
विदेशी और आक्रामक प्रजातियाँ
पारिस्थितिक तंत्र की मृत्यु

जैव विविधता पर प्रभाव
तेजी से लुप्त हो रही प्रजातियाँ
विदेशी आक्रामक प्रजातियाँ समृद्ध हुईं
मूल प्रजातियाँ पीड़ित हैं
जीवन-रूपों की विविधता प्रभावित होती है
पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन खो गया है

सामान्यतः प्रभाव
प्रजातियाँ हमेशा के लिए लुप्त हो गई हैं
आनुवंशिक विविधता नष्ट हो गई है
पर्यावास सर्वाधिक है
उपजाऊ मिट्टी नष्ट हो गई है
अनियमित मौसम पैटर्न

उन्होंने कर दिखाया!

लोगों के मार्ग प्रदर्शित किया: प्रकृति संरक्षण से जुड़ी संस्कृति, परंपरा और प्रथाएँ

सेक्रेड ग्रोव्स

भारत में कई समुदाय अपने धार्मिक और पवित्र स्थानों के आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों और पारिस्थितिकी तंत्र को 'छेड़छाड़ न करने' की परंपरा का पालन करते हैं। ऐसी परंपराओं ने स्थानीय वर्जनाओं और प्रतिबंधों के माध्यम से प्राकृतिक क्षेत्रों की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है जो आध्यात्मिक और पारिस्थितिक मूल्यों को शामिल करते हैं। इन्हें 'सेक्रेड ग्रोव्स' (पवित्र उपवन) कहा जाता है। केरल, गोवा, महाराष्ट्र और भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कई समुदाय अपने बनाए हुए सेक्रेड ग्रोव्स के लिए जाने जाते हैं।

बिश्नोई

प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के उनतीस सिद्धांत - 'बिश' का अर्थ है 20 और 'नोई' का अर्थ है 9, इसी से 'बिश्नोई' का नाम पड़ा। पश्चिमी राजस्थान की एक जनजाति बिश्नोई ने सदियों से अपने गांवों और उसके आसपास जंगलों, पेड़ों और जंगली जानवरों की रक्षा की है। बिश्नोई प्रकृति की सभी अभिव्यक्तियों की पूजा करते हैं, पेड़ों और औषधीय पौधों का संरक्षण करते हैं, जानवरों को भोजन और पानी प्रदान करते हैं। बिश्नोई लोग ईंधन और लकड़ी के लिए पेड़ नहीं काटते; वे केवल मृत तने और टहनियाँ ही हटाते हैं। चित्तीदार हिरण, काले हिरण और नीलगाय को अपने खेतों में निडर होकर भोजन करते देखा जा सकता है। भले ही फसल हिरणों के झुंड द्वारा खा ली जाए, बिश्नोई जानवरों को नहीं भगाते।

चिपको आंदोलन

चिपको आंदोलन भारत में एक वन संरक्षण आंदोलन था। इसकी शुरुआत 1973 में उत्तराखंड, जो उस समय उत्तर प्रदेश का हिस्सा था, में हुई और यह दुनिया भर में भविष्य के कई पर्यावरण आंदोलनों के लिए एक प्रतीकात्मक बन गया। इसने भारत में अहिंसक पर्यावरण-संबंधी विरोध शुरू करने की मिसाल कायम की। गांधीवादी कार्यकर्ता सुंदरलाल बहुगुणा ने इस आंदोलन को उचित दिशा दी और इसकी सफलता का मतलब था कि दुनिया ने तुरंत इस अहिंसक आंदोलन पर ध्यान दिया। चिपको की सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक महिला ग्रामीणों की सामूहिक भागीदारी थी।

आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. लुप्तप्राय या विलुप्तप्राय प्रजातियों से बने उत्पाद न खरीदें।
2. चमड़े, पक्षी के पंख, कछुए की खाल आदि उत्पादों से बनी वस्तुएँ खरीदने से पहले सोचें।
3. एक उपभोक्ता के रूप में, जब विकल्प दिया जाए, तो कीटनाशक मुक्त पादप उत्पादों का उपयोग करें। कीटनाशक नदियों और झीलों में पहुँच जाते हैं और वन्यजीवों के लिए हानिकारक होते हैं।
4. शहरी जैव विविधता के पोषण में योगदान करें। अपने भवन में और उसके आस-पास वृक्षारोपण करने के लिए अपने स्कूल और/या परिवार के साथ काम करें।
5. रसोई और कागज के कचरे से खाद बनाएँ। यह जैव विविधता का समर्थन करता है, मिट्टी को समृद्ध करता है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को कम करता है।
6. मौसम के अनुरूप खाना खाएँ। इसका स्वाद बेहतर है, यह सस्ता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है।
7. जब आप सामान खरीदने बाहर जाएँ तो पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुनने का प्रयास करें।
8. फूलों का गुलदस्ता उपहार में देने के बजाय पौधे या बीज उपहार में दें।
9. अपने घरों के आसपास विभिन्न प्रकार की स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाएँ।
10. आम तौर पर 5 आर के सिद्धांत का अभ्यास करें - अस्वीकार करना, कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनः उपयोग करना, पुनर्चक्रण करना।
11. पुनर्चक्रित उत्पाद खरीदें.



एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



चतुर्भुज का प्रश्न

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को जैव विविधता पर मानवीय गतिविधियों के प्रभाव को समझने में सक्षम बनाना।

एक्टिविटी का विवरण

आपको प्रत्येक समूह के लिए निम्नलिखित वस्तुओं की पहले से व्यवस्था करनी होगी: टहनियों के टुकड़े, मीटर स्केल और तार (या क्वाड्रेट), कलम और कागज।

प्रत्येक 4-5 विद्यार्थियों का समूह बनायें। छात्रों को कम से कम तीन अलग-अलग हरे स्थानों पर ले जाएं - सड़क के किनारे हो सकते हैं, वृक्षारोपण स्थल, एक बगीचा, एक बुडलैंड, आदि।

प्रत्येक क्षेत्र में, समूहों को यादृच्छिक रूप से कम से कम तीन अलग-अलग साइटों का चयन करने के लिए कहें। और उन्हें निम्नलिखित निर्देश दें:

- चयनित तीन स्थानों में से प्रत्येक के लिए परिधि बनाने के लिए टहनियों और डोरी का उपयोग करके चार कोनों को चिह्नित करके एक चतुर्भुज बनाएं (आकार पौधों की विविधता पर निर्भर करेगा - उच्च विविधता, छोटा चतुर्भुज)
- प्रत्येक चतुष्कोण में, अवलोकनों को इस रूप में रिकार्ड करें कि चतुष्कोण में कितनी पौधों की प्रजातियाँ मौजूद हैं। विद्यार्थियों को बताएं कि पौधों के वैज्ञानिक नाम जानना



आवश्यक नहीं है। पहचान के लिए वे अपना नाम दे सकते हैं - बैंगनी फूलों वाले पौधों को 'पी', दाँतेदार पत्ती वाले किनारों वाले पौधों को 'एस', लंबी जड़ी-बूटियों को 'टी' और इसी तरह नाम दिया जा सकता है।

- तीनों चतुर्भुजों में से प्रत्येक के लिए, चतुर्भुज के क्षेत्रफल से पाई जाने वाली प्रजातियों की संख्या को विभाजित करके औसत प्रजाति विविधता की गणना करें।
- इस प्रकार प्रत्येक क्षेत्र के लिए, कम से कम तीन ऐसी रीडिंग उपलब्ध होंगी। इन तीनों से, उस क्षेत्र के लिए औसत प्रजाति विविधता का आंकड़ा प्राप्त करें। (नमूना तालिका दी गई है)

A साइट	B प्लॉट नंबर	C क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	D पाई गई प्रजातियों की संख्या	E प्रजातीय विविधता
1	1			
	2			
	3			

- तीन अलग-अलग प्रकार की साइटों में से प्रत्येक के लिए चरण 1 से 3 दोहराएँ। एक बार कक्षा में वापस आने पर, प्रत्येक समूह को तीन क्षेत्रों की प्रजातियों की विविधता की तुलना करते हुए एक ग्राफ बनाने के लिए कहें।

चर्चा

- विद्यार्थियों से पूछें कि तीनों मामलों में से प्रत्येक में प्रजाति विविधता क्या है? क्या यह तीन चयनित क्षेत्रों के लिए अलग-अलग है? इन मतभेदों के क्या कारण हो सकते हैं? इन कारणों को प्राकृतिक और मानव निर्मित में वर्गीकृत करें।
- किसी क्षेत्र और पारिस्थितिक तंत्र की जैव विविधता पर संभावित मानव प्रभावों पर चर्चा करें।

एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



बहुरूपदर्शक

उद्देश्य

शिक्षार्थियों की सहायता करें

- ए) पारिस्थितिक तंत्र द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यों की सराहना करें; और
बी) समझें कि विभिन्न हितधारकों/समूहों के प्राकृतिक प्रणालियों पर अलग-अलग रिश्ते/संघ/निर्भरता हैं।

एक्टिविटी का विवरण

- 4-5 के समूह बनाएँ और प्रत्येक समूह को पारदर्शिता शीट और मार्कर का एक सेट दें। प्रत्येक समूह को एक पारदर्शिता पर एक बड़ा आयत बनाने के लिए कहें।
- इसके अंदर, उन्हें यह चित्र बनाने के लिए कहें कि एक ब्लॉक के भीतर दूर से जंगल उन्हें कैसा दिखेगा। (उदाहरण के लिए वे पेड़ या ऊर्ध्वाधर रेखाएँ या पेड़ की छतरी बना सकते हैं जैसा कि ऊपर से देखा जा सकता है, आदि)
- अब उनसे विभिन्न समूहों (हितधारकों) की सूची बनाने के लिए कहें, जो किसी न किसी तरह से जंगलों से जुड़े हुए हैं - समुदाय, पारिस्थितिकी विज्ञानी, वन रक्षक, उद्योगपति, व्यापारिक घराने, सरकारी अधिकारी, अन्य प्रजातियाँ, शहरी निवासी, किसान, दवा कंपनी, वगैरह।



- विद्यार्थियों से यह चित्र बनाने को कहें कि इनमें से प्रत्येक हितधारक वनों को किस प्रकार देखेगा। उदाहरण के लिए, जंगल में उद्योग की रुचि को धन के रूप में दर्शाया जा सकता है; स्थानीय समुदाय कुछ खाद्य पदार्थों के रूप में जंगल या ईंधन की लकड़ी से प्राप्त करते हैं; अन्य प्रजातियों के लिए, घर, भोजन, पानी, आश्रय, दवा आदि के प्रतीक बनाए जा सकते हैं।
- इनमें से प्रत्येक 'विचार' एक अलग पारदर्शी शीट पर होना चाहिए। उन्हें बताएं कि उन्हें इन्हें प्रतीकात्मक रूप से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।
- विद्यार्थियों से पारदर्शी चादरों के इन सेटों को उस चादर पर रखने के लिए कहें, जिस पर जंगलों का दृश्य दिखाई देता हो। अब उन्हें जंगल कैसा दिखता है?
- प्रत्येक समूह को अपनी पारदर्शिता और उससे उत्पन्न सामान्य दृश्य प्रस्तुत करने के लिए 5-7 मिनट का समय दें।

चर्चा

विद्यार्थियों से पूछें कि जंगल के अंतिम 'दृश्य' में परिवर्तन क्या दर्शाता है। उन्हें बताएं कि प्रत्येक हितधारक समूह प्राकृतिक प्रणालियों को बहुत अलग दृष्टिकोण से देखता है जो मुख्य रूप से हमारी धारणा और उस प्रणाली के साथ हमारे जुड़ाव पर निर्भर करता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पारिस्थितिक तंत्र से मानव की आवश्यकताएँ जटिल और विविध हैं।

पारिस्थितिक तंत्र द्वारा निष्पादित पारिस्थितिक सेवाएँ और कार्य भी समान रूप से भिन्न, जटिल और पेचीदा हैं। पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता उसके प्रत्येक घटक की स्थिरता पर निर्भर करती है। यदि हम आवश्यकताओं या सेवाओं के बहुरूपदर्शक को देखने में विफल रहते हैं, तो हम उन्हें संरक्षित करने में विफल होंगे





शांति और न्याय के लिए मजबूत व्यवस्था

16 PEACE AND JUSTICE
STRONG INSTITUTIONS



टिकाऊ विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना और सभी की न्यायतंत्र तक पहुँच सुनिश्चित करनी



आज हमारे स्कूल में बहुत घ्रास दिव था!

इसके बारे में मुझे
अधिक बताओ




आज, हमने 'सभी के लिए शांति और न्याय'
घोषणापत्र का मसौदा तैयार करके और स्कूल के
सभी छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा
हस्ताक्षरित करके 'वैश्विक स्कूल शांति और न्याय
दिवस' मनाया।


साह, यह दिलचस्प
है, आपके विद्यालय
ने यह कैसे किया?



पिछले 2 महीनों से हमारे वरिष्ठ ने हमारे साथ शांति और न्याय के हमारे विचार पर विभिन्न तरीकों से चर्चा की - पोस्टर बनाने, नारा लिखने, कहानी कहने आदि के माध्यम से और फिर इन सभी विचारों को 'हमारे स्कूल के घोषणापत्र' के रूप में संकलित किया गया। शांति और न्याय.'




यह दिलचस्प है - हर किसी के विचारों को एक साथ लाने का एक लोकतांत्रिक और सहभागी तरीका! इस घोषणापत्र का पालन करने से आपका विद्यालय सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण स्थान बन जाएगा।



इसके अलावा हमारे स्कूल ने विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जिन्होंने हमें 'हमारे अधिकार-बाल अधिकार' के बारे में जागरूक किया। उन्होंने हमें अपनी जिम्मेदारियाँ समझाने में भी मदद की। कई खेलों, कहानियों और लघु फिल्मों के माध्यम से उन्होंने हमें जागरूक किया कि हम खुद को दुर्व्यवहार और शोषण से कैसे बचा सकते हैं।

बाल अधिकार और सुरक्षा! वाह, यह दिलचस्प है। मैं इनके बारे में ज्यादा नहीं जानता। हो सकता है कि अगली बार जब हम मिलें तो आप मेरे साथ कुछ और जानकारी साझा कर सकें।

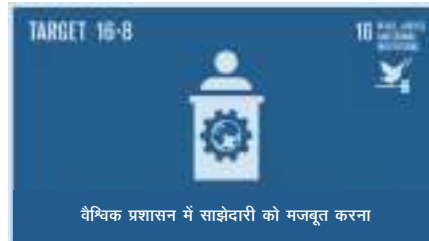
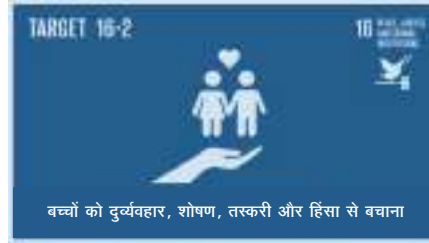


हमने सीखा कि, SDG 16 हमें इसका आदर्श वाक्य देता है:

- सभी का सम्मान करें, किसी का शोषण न करें।
- अपने अधिकारों को जानें और दूसरों को भी उनके अधिकारों का आनंद लेने दें।
- मुद्दों को अहिंसक, शांतिपूर्ण और भागीदारीपूर्ण तरीके से हल करें।
- आपके द्वारा देखे गए या अनुभव किए गए किसी भी रूप में अपराध, शोषण और दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करें।



SDG 16 के अंतर्गत आए लक्ष्य



SDG 16 सरकारों, नागरिक समाज और समुदायों से हिंसा को कम करने, न्याय प्रदान करने, भ्रष्टाचार से निपटने और हर समय समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्थायी समाधान लागू करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान करता है।

बाल अधिकारों की सुरक्षा और बच्चों को किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, हिंसा और शोषण का सामना करने से रोकना SDG 16 का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। SDG 16 के तहत राज्यों द्वारा किए गए कुछ प्रस्तावों में शामिल हैं:

- बच्चों के विरुद्ध दुर्व्यवहार, शोषण, तस्करी और सभी प्रकार की हिंसा और यातना को समाप्त करना।
- कानून पारित करने से पहले नागरिकों से परामर्श लेना और सरकारें वयस्कों के साथ-साथ बच्चों दोनों को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ और कानून बनाना।
- बच्चों के जन्म का पंजीकरण करना।

उन्होंने कर दिखाया!

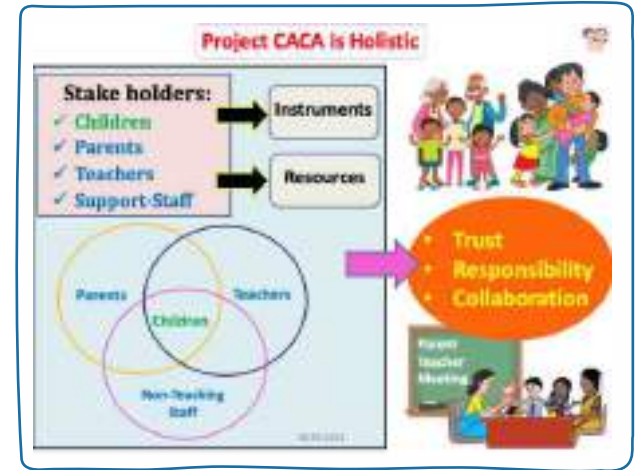
बाल शोषण के विरुद्ध बच्चे

संस्थाओं को उन समस्याओं को संरक्षित नहीं करना चाहिए जिनका वे समाधान हैं।'

स्कूल बच्चों, उनके माता-पिता और समुदायों को अधिक रचनात्मक तरीकों से संवाद करने, बातचीत करने और मुद्दों को हल करने के लिए ज्ञान और कौशल देकर हिंसा को कम करने के लिए विशिष्ट स्थिति में हैं। स्कूल यह सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदार हैं कि उनके पास बच्चों को देखभाल और सुरक्षा का स्थान प्रदान करने के लिए कार्यक्रम और प्रणालियाँ हैं। सबसे खराब स्थिति को भी स्कूलों द्वारा कुशलतापूर्वक संभाला जा सकता है यदि उनके पास बच्चे के सर्वोत्तम हित में सुरक्षा नीति और प्रक्रियाएँ हों।

प्रोजेक्ट सीएसीए (CACA), चिल्ड्रन अगेंस्ट चाइल्ड एब्यूज, हमारे बच्चों को खुश, स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए स्कूलों के लिए एक संस्था (स्कूल) संचालित और अधिकार-आधारित निवारक सुरक्षा कार्यक्रम में अंतर्निहित विश्वास और दृढ़ विश्वास है। प्रोजेक्ट सीएसीए को शिक्षाविदों, मनोचिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, न्यायाधीशों, वकीलों और स्कूल परामर्शदाताओं की मदद से विकसित किया गया है। यह जनमत सर्वेक्षणों, फोकस समूह चर्चाओं, सम्मेलनों, सर्वसम्मति निर्माण चर्चाओं और एक पायलट कार्यक्रम जैसी घटनाओं की एक लोकतांत्रिक श्रृंखला के तहत विकसित हुआ है और मूल्यांकन के माध्यम से लगातार विकसित होता है।

सोशल एक्सिओम फाउंडेशन (SAF) प्रोजेक्ट सीएसीए का मूल एनजीओ है।



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. शांति और अहिंसा के लिए खड़े रहें।
2. सोशल मीडिया का सोच-समझकर और विवेकपूर्ण उपयोग करें-तथ्यों की जाँच करें, असत्यापित संदेशों को अग्रेषित (forward) न करें।
3. सामाजिक विविधता की सराहना करें।
4. सामाजिक समावेशन का अभ्यास करें।
5. घरेलू हिंसा सहित सभी प्रकार की हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएँ; महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा. यदि आप इसे देखते हैं, तो तुरंत किसी जिम्मेदार वयस्क को इसकी सूचना दें।
6. अपने अधिकारों को जानें - एक बच्चे या नाबालिग या यहाँ तक कि एक वयस्क के रूप में - और दूसरों को अपने अधिकारों का उल्लंघन न करने दें।
7. दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें; उनके अधिकारों का हनन न करें.
8. घर में शांतिपूर्ण वातावरण का प्रदर्शन करें।
9. घर और स्कूल में भी लोकतांत्रिक, पारदर्शी और भागीदारीपूर्ण प्रथाओं को प्रोत्साहित करें।
10. यदि आपने कोई अपराध देखा या अनुभव किया है तो हमेशा उसकी रिपोर्ट करें।
11. अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना की स्वतंत्रता के अधिकार का प्रयोग करने और स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अपनी राय साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

क्या आप जानते हैं?

छद्म भारत सरकार के 2012 के 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम' का संक्षिप्त रूप है। POCSO अधिनियम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों-लड़कियों और लड़कों को यौन अपराधों से बचाता है। कुछ पहलू जो POCSO को बाल संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कानून बनाते हैं, उनमें शामिल हैं:

- POCSO जेंडर तटस्थ है।
- POCSO न्यायिक प्रक्रिया के दौरान बच्चे पर न्यूनतम आघात सुनिश्चित करने के लिए बाल-अनुकूल उपाय, प्रक्रियाएँ और बुनियादी ढाँचा प्रदान करता है।
- POCSO बाल संरक्षण को एक सामूहिक जिम्मेदारी मानता है। यह प्रत्येक नागरिक के लिए मामलों की रिपोर्टिंग अनिवार्य बनाता है।

एक्टिविटी: नवोदित SDG चैंपियंस के लिए



शांति का उपयोजन

उद्देश्य

छात्रों को शांति के बारे में उनके दृष्टिकोण पर विचार करने दें!

एक्टिविटी का विवरण

- छात्रों को दो की टीमों में काम करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- प्रत्येक टीम को या तो मिट्टी के बर्तन या प्लास्टिक और कुछ रंग प्रदान करें, उसी मिट्टी के बर्तन पर रोक लगाएं।
- अब प्रत्येक टीम को उन्हें प्रदान की गई मिट्टी से शांति का 'कबूतर' बनाने के लिए कहें (उन्हें संदर्भ के रूप में SDG 16 लोगो (logo) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है)।
- वे इसे सजा सकते हैं और इसे अपना अनूठा स्पर्श दे सकते हैं।
- अब उन्हें दो-दो के समूह में इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि उनके लिए शांति की परिभाषा क्या है। कागज के एक टुकड़े पर तीन महत्वपूर्ण शब्द लिखें जो उन्हें लगता है कि 'शांति' के लिए आवश्यक हैं या जो उनके अनुसार 'शांति को परिभाषित करते हैं'।
- वे उस कागज पर टीम के दो सदस्यों के नाम भी लिख सकते हैं।
- उन्हें शांति के कबूतर के लिए एक हार बनाना चाहिए, तथा चिपका देना चाहिए और साझा करना चाहिए
- कक्षा के बाकी सदस्यों के साथ 'उनके लिए शांति का क्या अर्थ है'।
- छात्रों को उनके द्वारा बनाए गए 'शांति कबूतर' और कबूतर पर टैग किए गए संदेशों को कक्षा में प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है!

चर्चा

आप कक्षा के साथ मानवाधिकारों, बाल अधिकारों के महत्व और एक लोकतांत्रिक और हिंसा मुक्त समाज में सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक और अन्य प्रणालियों की आवश्यकता को साझा करके चर्चा को समाप्त कर सकते हैं।



एक्टिविटी: वरिष्ठ SDG चैंपियंस के लिए



अधिकार: एक परिप्रेक्ष्य

उद्देश्य

मानवाधिकारों पर अधिक गहराई से विचार करने के लिए, जानें कि मानवाधिकार क्यों मौजूद हैं और जानें कि वे जीवन की गुणवत्ता के लिए क्यों आवश्यक हैं; और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दस्तावेजों और बच्चों के अद्वितीय अधिकारों से परिचित कराना।

एक्टिविटी का विवरण

- चार्ट पेपर के शीर्ष पर 'मानव' और 'अधिकार' शब्द लिखें।
- 'मानव' शब्द के नीचे एक वृत्त बनाएं।
- विद्यार्थियों से इस बात पर विचार करने के लिए कहें कि कौन से व्यक्तिगत गुण हमें इंसान बनाते हैं और रूपरेखा के अंदर शब्द लिखें (जैसे बुद्धिमत्ता, सहानुभूति, आदि)।
- इसके बाद, छात्रों से पूछें कि इन गुणों की सुरक्षा, वृद्धि और विकास के लिए उन्हें क्या लगता है कि क्या आवश्यक है। उत्तरों को घेरे के बाहर सूचीबद्ध करें, और प्रतिभागियों से उन्हें समझाने के लिए कहें (जैसे: शिक्षा, दोस्ती, एक प्यारा परिवार, आदि)।
- निम्नलिखित सुझाए गए प्रश्नों का उपयोग करके कक्षा में चर्चा को प्रोत्साहित करें:
- इस सूची के आधार पर, लोगों को अच्छा जीवन जीने के लिए क्या चाहिए?
- क्या वृत्त के अंदर सूचीबद्ध कोई भी गुण हमसे लिया जा सकता है? (उदाहरण: हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) यदि आपको दायरे के बाहर सूचीबद्ध किसी भी आवश्यकता को छोड़ना पड़े तो क्या होगा?
- विद्यार्थियों को समझाएं कि वृत्त के अंदर सूचीबद्ध गुण वे हैं जो मनुष्य को परिभाषित करते हैं और मानवीय गरिमा से संबंधित हैं। घेरे के बाहर लिखी हर चीज़ यह दर्शाती है कि लोगों को वह गरिमा सुनिश्चित करने के लिए क्या आवश्यक है। मानव अधिकार इन्हीं आवश्यकताओं पर आधारित हैं।
- छात्रों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करें और उनसे मनुष्य के रूप में उनके पास मौजूद अधिकारों को सूचीबद्ध करने के लिए कहें। उत्तरों को 'अधिकार' शीर्षक के अंतर्गत सूचीबद्ध करें।

- निम्नलिखित सुझाए गए प्रश्नों का उपयोग करके कक्षा में चर्चा को प्रोत्साहित करें:
 - ए) व्यक्ति इन अधिकारों का सम्मान कैसे करते हैं?
 - बी) विश्व नेता इन अधिकारों का सम्मान कैसे करते हैं?
 - सी) मानवाधिकारों पर अपनी चर्चा में गहराई से जाएँ। विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें: - क्या आपने कभी मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के बारे में सुना है? यह क्या है?
 - डी) यह दस्तावेज़ क्यों बनाया गया था?
 - ई) इस दस्तावेज़ में पाए गए कुछ अधिकार क्या हैं? बोर्ड पर उदाहरण सूचीबद्ध करें।
 - एफ) क्या इस दस्तावेज़ में दिए गए अधिकार वयस्कों और बच्चों दोनों पर लागू हो सकते हैं? क्या यह उचित है?
- बता दें कि बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीआरसी) पर 1989 में हस्ताक्षर किए गए थे, जब विश्व नेताओं ने फैसला किया था कि बचपन अद्वितीय है और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है। दस्तावेज़ पर दुनिया भर के देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे, जिसका अर्थ है कि उन्हें इसके भीतर निर्धारित अधिकारों को बरकरार रखना होगा। यूं तो 18 साल से कम उम्र के बच्चों की अपनी एक खास परंपरा होती है। यह सम्मेलन बच्चों के सभी अधिकारों को सूचीबद्ध करता है।
- निम्नलिखित प्रश्न पूछकर बच्चों के अधिकारों के विषय पर चर्चा करें:
 - ए) बच्चों को अपने अधिकारों की आवश्यकता क्यों है?
 - बी) यह क्यों महत्वपूर्ण है कि वयस्क इन अधिकारों का सम्मान करें?
 - सी) आपके अनुसार इस सम्मेलन में कौन से अधिकार शामिल हैं? बोर्ड पर सुझाव लिखें.

चर्चा

विद्यार्थियों से बच्चों के अधिकारों को संबोधित करते हुए एक प्रतिबिंब लिखने के लिए कहें, जिसमें उन्हें अपने स्वयं के अधिकारों वाले बच्चों के पक्ष या विपक्ष में बहस करनी चाहिए।

एक बार पूरा होने पर, छात्रों के विचार एकत्र करें। आप इन सभी को चार्ट पेपर या कक्षा में मौजूद सॉफ्ट-बोर्ड पर रखकर प्रदर्शित करना पसंद कर सकते हैं।





SDGs के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए साझेदारी

17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS



कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत करें और सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को पुनर्जीवित करना



अगर हम इसे बहुत सरल तरीके से कहें, तो SDG 17 कहता है कि इस पृथ्वी को पौधों, जानवरों और मनुष्यों सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए! हर कोई बदलाव ला सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि कोई भी पीछे न छूटे।

यह SDG 17 की भावना है। SDG 17 विश्व स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर तंत्र बनाने और सुविधा प्रदान करने के बारे में है, जो इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसडीजी 17 में क्या हासिल करने का प्रस्ताव है, इसकी कुछ मुख्य बातें:

1. यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि सभी देश 2030 तक एसडीजी को पूरा कर लें। इसलिए एसडीजी को राष्ट्रीय योजनाओं और नीतियों में मौजूद होना चाहिए। प्रत्येक राष्ट्र उन मुद्दों पर निर्णय लेगा जो उसके लिए सर्वाधिक प्राथमिकता वाले हैं;
2. सुनिश्चित करें कि प्रत्येक राष्ट्र लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने स्वयं के संसाधन आवंटित करे; और इसके अलावा, जहां आवश्यक हो, विकसित देशों को एसडीजी हासिल करने में कम विकसित देशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए;
3. राष्ट्रों को उन संगठनों के साथ जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है जो पहले से ही एसडीजी से संबंधित विषयों पर काम कर रहे हैं; ताकि उनके अनुभवों और पहुंच का उपयोग एसडीजी हासिल करने में सुविधा के लिए किया जा सके।
4. राष्ट्रों को एसडीजी की दिशा में अपनी प्रगति को ट्रैक करने और उसका आकलन करने में सक्षम होने के लिए डेटा और सांख्यिकी प्रबंधन में सुधार करने की भी आवश्यकता है।

SDG 17 के अंतर्गत आए लक्ष्य

1. घरेलू राजस्व संग्रह में सुधार के लिए संसाधन जुटाना
2. सभी विकास सहायता प्रतिबद्धताओं को लागू करना
3. विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना
4. विकासशील देशों को ऋण स्थिरता प्राप्त करने में सहायता करना
5. अल्प विकसित देशों में निवेश करना
6. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार तक पहुंच के लिए ज्ञान साझा करना और सहयोग करना
7. विकासशील देशों में टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना
8. अल्प विकसित देशों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार क्षमता को मजबूत करना
9. विकासशील देशों में एसडीजी क्षमता बढ़ाना



क्या आप जानते हैं?

वर्ष 2019-2020 के दौरान भारत ने अन्य देशों को विकास सहायता के रूप में निम्नलिखित राशि प्रदान की:

- भूटान को रु. 3202 करोड़;
- नेपाल को रु. 1050 करोड़;
- मालदीव को रु. 575 करोड़

हम इस लक्ष्य के बारे में क्या कर सकते हैं?

अंततः SDG 17 मानव समाज के सभी वर्गों और हितधारक समूहों के लिए आगे आने, हाथ मिलाने, एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने और एसडीजी को साकार करने में मदद करने के लिए अपने तरीके से योगदान करने का एक वैश्विक आह्वान है। नागरिकों, सरकारों, व्यावसायिक घरानों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों आदि को इस दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए अपने स्वयं के जनादेश और मिशन के तहत काम करने की आवश्यकता है।

SDG 17 सरकार, विभिन्न एजेंसियों, समूहों और राष्ट्रों को एक साथ आने और एसडीजी के लिए काम करने की आवश्यकता पर जोर देता है। एसडीजी के लिए साझेदारी बच्चों और युवाओं को सक्रिय वैश्विक नागरिकों के रूप में अपनी आवाज उठाने और पृथ्वी के लिए मानव जीवन को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने के बारे में भी है।



भारत ने कर दिखाया!

15 जुलाई, 2022 तक, भारत ने 101 देशों और संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं को अनुदान, वाणिज्यिक निर्यात या कोविड-19 वैक्सीन-ग्लोबल एक्सेस (COVAX) के माध्यम से कोरोनोवायरस वैक्सीन की 23.9 करोड़ तक की संख्या की आपूर्ति की थी। भारत विभिन्न एजेंसियों-वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों, सीरम और टीकाकरण उत्पादन इकाइयों, परिवहन एजेंसियों, स्थानीय शासन निकायों, चिकित्सा विशेषज्ञ एजेंसियों और राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकारों के अथक प्रयासों के कारण यह मील का पत्थर हासिल कर सका। इस साझेदारी ने भारत के भीतर वैश्विक महामारी से लड़ने में मदद की, और यह भी सुनिश्चित किया कि भारत अन्य देशों को भी कोरोनोवायरस वैक्सीन की आपूर्ति करेगा।



आप भी बदलाव ला सकते हैं!

1. अपने स्कूल की बिल्डिंग और परिसर को एक टिकाऊ रहने योग्य इकाई बनाने के लिए शिक्षकों और अन्य बच्चों के साथ सहयोग, समन्वय और काम करें।
2. आपका स्कूल, शिक्षक, सहपाठी और आप टीमों में काम कर सकते हैं और कक्षाओं के बाहर स्थानीय समुदायों में लोगों तक पहुंच सकते हैं, उन्हें किसी भी तरह से सहायता और सहायता प्रदान कर सकते हैं।
3. घर पर टीम वर्क का अभ्यास करें। परिवार के सभी सदस्यों के बीच और परिवार के बाहर भी गतिविधियों को साझा करें।
4. अपने आवासीय क्षेत्र को एक टिकाऊ समुदाय बनाने के लिए अपने पड़ोसियों के साथ काम करें - वृक्षारोपण करें, वर्षा जल संचयन के लिए सामान्य प्रणाली विकसित करें, सामुदायिक खाद गड्ढों में सौर ऊर्जा का निवेश करें, आदि।

एक्टिविटी: नवोदित-वरिष्ठ साझेदारी के लिए



एसडीजी के अभ्यास के लिए साझेदारी

उद्देश्य

एसडीजी हासिल करने की दिशा में पूरे स्कूल को काम करने में मदद करें!

एक्टिविटी का विवरण

- यह स्कूल असेंबली के दौरान अच्छी तरह से किया जा सकता है, एक विस्तारित असेंबली, शायद शनिवार की सुबह। ऐसी असेंबली की पहले से घोषणा करें और छात्रों से उस दिन असेंबली के लिए अपने एप्रन/लैब-कोट, या एक पुरानी टी-शर्ट लाने के लिए कहें जिसे वे वर्दी के ऊपर खींच सकें।
- आमतौर पर स्कूल असेंबली का आयोजन छात्रों के साथ उनकी कक्षाओं के अनुसार किया जाता है। इस विशेष सभा के लिए, छात्रों को कक्षाओं के मिश्रित समूहों में बैठने दें; और लगभग 15-20 छात्रों के समूह में।
- पहले से ही स्कूल के मैदान में चारों ओर फैले हल्के लकड़ी के फ्रेम में 3 फीट 6 फीट के 10-12 (गठित समूहों की कुल संख्या के आधार पर) कैनवास (पेंटिंग) इस तरह रखें कि 12-15 छात्र बैठ सकें। इनमें से प्रत्येक के आसपास. प्रत्येक कैनवास के पास कई पेंट ब्रश (मध्यम से मोटे वाले) और ऑयल पेंट भी रखें।
- पहले से, SDG 17 के बड़े आकार के लोगो और शीर्षक प्रिंट करें और उन्हें सभागार में दीवारों पर लगाएं या स्कूल के मैदान में पेड़ों पर (तार का उपयोग करके) इस तरह से लटकाएं कि छात्र इन्हें देख सकें और इसके विषयों को पढ़ सकें।
- अब समूहों को इन कैनवास के चारों ओर आराम से बैठने दें।
- घोषणा करें कि उन्हें अपने एप्रन/पुरानी टी-शर्ट पहननी चाहिए क्योंकि अब वे पेंट के साथ काम करेंगे। उनका कार्य एसडीजी द्वारा संबोधित विषयों के संबंध में 'अपने विचारों और भावनाओं को चित्रित करना' है।
- उन्हें बताएं कि जल्द ही पीए सिस्टम पर संगीत बजाया जाएगा; (इस कार्य के लिए पूर्व-चयनित नरम, सुखदायक वाद्य एल्बम); और यह कि एक बार संगीत बजने के बाद किसी को बोलना या बातचीत नहीं करनी चाहिए; पेंटिंग करते समय, उन्हें विभिन्न एसडीजी के बारे में सोचना चाहिए और वे इनमें से किसी भी एसडीजी में कैसे मदद करना चाहेंगे, यह उनकी पेंटिंग का फोकस होना चाहिए।

- इसके बजाय समूह के सभी सदस्यों को पेंट ब्रश उठाना चाहिए, दिए गए रंगों का उपयोग करना चाहिए और जहां वे बैठे हैं उसके सामने दिए गए बड़े कैनवास के एक छोटे से टुकड़े पर अपनी छोटी पेंटिंग बनानी चाहिए।
- 15-20 मिनट बाद संगीत रोक दें। और आपको स्कूल के लिए एसडीजी पर 15-20 कोलाज तैयार मिलेंगे!

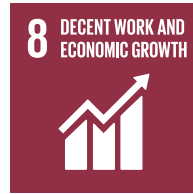
चर्चा

आप एसडीजी के महत्व को दोहराते हुए और आपका स्कूल संस्थागत स्तर पर इसे प्राप्त करने की दिशा में कैसे काम करेगा, यह बताकर सभा को समाप्त कर सकते हैं; और कैसे सभी छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों को एक साथ आने और स्कूल को एक स्थायी स्कूल बनाने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करने की आवश्यकता है!





मिशन SDG: ये योगदान दे रहे हैं! क्या आप भी जुड़ना चाहेंगे?



यह अध्याय युवा एसडीजी चैंपियनों को विकास क्षेत्र की उन चुनिंदा भारतीय एजेंसियों से परिचित कराने का एक प्रयास है जो 17 वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में काम कर रहे हैं। चयन करते समय, विभिन्न प्रकार के संगठनों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है - स्थानीय से राष्ट्रीय तक; नये संगठनों से पुराने संगठनों तक; एकल एसडीजी केंद्रित एजेंसियों से लेकर बहु-विषयक एजेंसियों तक, गैर-लाभकारी कंपनियों से लेकर लाभकारी कंपनियों तक - युवाओं को विकास क्षेत्र के भीतर काम और संचालन की सीमा और स्वाद को महसूस करने में मदद करने के लिए।

SDG 1

अपनालय: अपनालय बुनियादी सेवाओं, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका तक पहुंच को सक्षम बनाने के लिए शहरी गरीबों के साथ काम करता है। संगठन उन्हें अपनी मदद करने के लिए सशक्त बनाता है और शहरी गरीबों से संबंधित मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर काम करता है।

युवा: गरीबी के चक्र को तोड़ना और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना युवा का आदर्श वाक्य है (yuva.info)

SDG 2

खाना चाहिए फाउंडेशन: यह लॉकडाउन के दौरान मुंबई में कमजोर आबादी की भोजन की जरूरतों के जवाब में मार्च 2020 में एक नागरिक नेतृत्व वाली पहल के रूप में शुरू हुआ। इसका मिशन भूख से लड़ना और जरूरतमंद लोगों की भोजन की मांग को पूरा करना है। तब से यह एक स्वयंसेवक-संचालित समूह के रूप में विकसित हो गया है जो सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से शहरी भूख के मुद्दे को संबोधित करने के लिए काम कर रहा है।

अक्षय पात्र फाउंडेशन: पीएम पोषण अभियान (जिसे पहले मध्याह्न भोजन योजना के नाम से जाना जाता था) के कार्यान्वयन भागीदार के रूप में, अक्षय पात्र भारत में उन बच्चों को खाना खिलाने का प्रयास करता है जिनके पास साधनों की कमी है, लेकिन सीखने और हासिल करने का उत्साह है। उन्हें प्रतिदिन एक पौष्टिक भोजन खिलाकर, वे उन्हें बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक पोषण और प्रेरणा देते हैं। (akshayapatra.org)

SDG 3

स्वस्थ फाउंडेशन: 2009 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य और खुशी' की दृष्टि से स्थापित, स्वस्थ एक टिकाऊ और जवाबदेह स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के मिशन पर है। संगठन का प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों का नेटवर्क जरूरतमंद लोगों के लिए अपनी जेब से होने वाले खर्च को 50 प्रतिशत से अधिक कम करने के लिए सस्ती सेवाएँ प्रदान करता है। (swasth.org)

स्वास्थ्य स्वराज: उनका समग्र प्रयास खराब स्वास्थ्य, अशिक्षा और गरीबी के बंधनों से मुक्त एक न्यायसंगत और न्यायसंगत समाज बनाने की दिशा में है। इसके लिए उन्होंने डॉक्टरों, वरिष्ठ नर्सों, सामुदायिक नर्सों, लैब तकनीशियनों और सहायक कर्मचारियों की एक टीम बनाई है। यह समूह परियोजना गांवों में दुर्गम समूहों की यात्रा करता है। (swasthyaswaraj.org)

SDG 4

अक्षरा फाउंडेशन: संगठन की स्थापना इस विश्वास पर की गई थी कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का निर्विवाद अधिकार है और बच्चों को इससे सिर्फ इसलिए वंचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनके पास इस तक पहुंच नहीं है या उनके सपनों को साकार करने के लिए संसाधन नहीं हैं। (akshara.org.in)

आई टू वी डेवलपमेंट फाउंडेशन: आई टू वी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से शिक्षा, सतत विकास और अन्य सामाजिक जिम्मेदारी पहल के लिए काम करने में लगा हुआ है; भौतिक विकास; समुदाय आधारित कार्यक्रम. ITOWE की परिकल्पना 'दुनिया को कायम रखने के लिए एक साथ आने' की है। (itowe.in)

SDG 5

स्वास्थ्य शिक्षा, पोषण और प्रशिक्षण जागरूकता केंद्र (चेतना): चेतना का प्रबंधन एक महिला नेतृत्व वाली कोर प्रबंधन टीम द्वारा किया जाता है, जो एक गवर्निंग काउंसिल द्वारा शासित होती है और इसमें एक टीम शामिल होती है जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण के क्षेत्र में अकादमिक और अनुसंधान विशेषज्ञ होते हैं। बच्चे और युवा, शिक्षा, संचार और लिंग। (chetnaindia.org)

CASA: CASA का मानना है कि महिलाओं की समान भागीदारी के बिना हमारा समाज कभी समृद्ध नहीं होगा। CASA देश भर में अपने कार्यक्रम क्षेत्रों में दशकों से लैंगिक मुख्यधारा को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। CASA शहरी और ग्रामीण दोनों समाजों में लिंग को मुख्यधारा में लाने के लिए समर्पित है।

(casa-india.org/gender-justice)

SDG 6

भूमि: एनजीओ भूमि द्वारा रिवाइव लेक्स परियोजना झीलों और अन्य जल निकायों की सफाई और पुनर्स्थापन के उद्देश्य से शुरू की गई थी। वे सूखती और मरती हुई झीलों को फिर से जीवित करते हैं और बेंगलुरु के लोगों को पानी की कमी से लड़ने में मदद करते हैं।

तरुण भारत संघ: तरुण भारत संघ (टीबीएस) सतत विकास उपायों के माध्यम से राष्ट्र के एक वंचित वर्ग के जीवन में सम्मान और समृद्धि लाना चाहता है। टीबीएस द्वारा किए गए शुरुआती कार्यों में से एक राजस्थान में वर्षा जल संचयन पर था।

(tarunbharatsangh.in)

SDG 7

प्रयास एनर्जी ग्रुप (पीईजी): पीईजी का दृष्टिकोण यह है कि ऊर्जा सभी नागरिकों के लिए सतत और न्यायसंगत विकास का एक उपकरण बन जाए। पीईजी ऊर्जा क्षेत्र में सार्वजनिक हित की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसका तात्पर्य वंचित वर्गों के हितों और समाज के दीर्घकालिक सामाजिक और पर्यावरणीय हितों पर ध्यान केंद्रित करना है। (energy.prayaspune.org)

वसुधा फाउंडेशन: इसका मिशन नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों और जीवन शैली समाधानों पर ध्यान केंद्रित करके ऊर्जा के पर्यावरण-अनुकूल, सामाजिक रूप से न्यायसंगत और टिकाऊ मॉडल को बढ़ावा देना है। वसुधा वसुधा के संरक्षण में विश्वास करती है, जिसका संस्कृत में अर्थ है पृथ्वी, धन देने वाली; इसके उपहारों के सतत उपभोग में; और एक अच्छी पृथ्वी के लिए हरित-तरीके अपनाने में। (vasudha-foundation.org)

SDG 8

SEWA स्व-रोजगार महिला संघ (SEWA): की स्थापना 1972 में इला भट्ट द्वारा गुजरात में की गई थी। प्रारंभ में एक ट्रेड यूनियन, चक्रवर्ती को अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। संगठन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अनौपचारिक श्रमिक के रूप में पहचान दिलाकर उन्हें मजबूत करना है। इसके साथ ही, वे महिला श्रमिकों के अधिकारों पर काम करते हैं और मार्च और मीट-अप जैसे प्रदर्शनों के अहिंसक तरीकों का उपयोग करते हैं। (sewa.org)

ETASHA सोसाइटी: ETASHA निरंतर रोजगार और आय सृजन के लिए वंचित समुदायों को कौशल प्रदान करने के लिए काम कर रही है। ETASHA युवाओं, किशोरों और महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ कम आय वाले समुदायों के साथ काम करता है, ताकि उन्हें आधुनिक कार्य वातावरण के लिए आवश्यक कौशल, आत्मविश्वास और मानसिकता के साथ सशक्त बनाया जा सके। ETASHA एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां हर भारतीय आत्मनिर्भर हो, आत्म-सम्मान प्राप्त करे और एक सम्मानजनक और उत्पादक जीवन जिए। (etashasociety.org)

SDG 9

एसोसिएशन फॉर ग्रीन इंडस्ट्रीज एंड सर्विसेज (GIS): एजीआईएस एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सतत विकास अवधारणाओं के अनुप्रयोग के माध्यम से भारत में हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। एजीआईएस का प्राथमिक उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नीतिगत मामलों पर इनपुट प्रदान करने के लिए स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय सरकारी एजेंसियों के साथ काम करना है।

(ecoideaz.com/green-directory/association-of-green-industries-services-2)

ग्लोबल ऑर्गेनिक टेक्सटाइल स्टैंडर्ड (GOTS) -पारिस्थितिकी और सामाजिक जिम्मेदारी: जीओटीएस का दृष्टिकोण है कि जैविक कपड़ा रोजमर्रा की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाएगा, जिससे लोगों के जीवन और पर्यावरण में वृद्धि होगी।

(global-standard.org/the-standard/philosophy)

SDG 10

संसाधन संगठन समिति (CORO): CORO का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, संसाधनों तक पहुँचने में लोगों की सहायता करना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, युवाओं को सशक्त बनाना और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। (<http://coroindia.org/>)

सेंटर फॉर सोशल एड्रेशन (CAS): सीएसए बच्चों और महिलाओं के कमजोर समूहों की सामाजिक समस्याओं के बारे में जागरूकता विकसित करने और उन्हें हल करने के लिए समुदाय-आधारित संगठनों के साथ काम करता है।

गिफ्टएबलड: गिफ्टएबलड विकलांग व्यक्तियों को स्थायी आजीविका के लिए आवश्यक रोजगार कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

SDG 11

स्टेप्स सेंटर: स्टेप्स शहरी और उप-शहरी नागरिकों और पर्यावरण की भलाई पर तेजी से आर्थिक विकास और शहरीकरण से जुड़े विकास हस्तक्षेपों के कुछ छिपे हुए प्रभावों की खोज कर रहा है। STEPS कार्य स्थिरता लेंस के माध्यम से शहरी नियोजन पहल पर पुनर्विचार को प्रोत्साहित करता है। (steps-centre.org)

नगर सुधार सेवा: एजुकेशन की एक परियोजना। प्रोजेक्ट नगर सुधार सेवा एसडीजी को शामिल करने वाले कार्य संचालन के विभिन्न चरणों के माध्यम से सतत शहरी विकास और टिकाऊ शहरों और समुदायों में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

(educare.in/nagar-sudhaar-seva)

SDG 12

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII): भारतीय उद्योग परिसंघ सलाहकारी और परामर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने और बनाए रखने के लिए काम करता है। 125 से अधिक वर्षों से, सीआईआई भारत की विकास यात्रा को आकार देने में लगा हुआ है और राष्ट्रीय विकास में भारतीय उद्योग की भागीदारी को बदलने पर सक्रिय रूप से काम करता है। सीआईआई भारतीय उद्योगों को स्थिरता और जलवायु कार्रवाई के सिद्धांतों को आत्मसात करने और बदलती दुनिया में नेतृत्व के लिए अपनी वैश्वीकरण यात्रा को तेज करने में मदद करने में एक सुविधाकर्ता की भूमिका निभा रहा है। (<https://www.cii.in/>)

भारतीय गुणवत्ता परिषद: क्यूसीआई भारतीय उद्योग के साथ साझेदारी में संगठन स्थापित करने में भारत सरकार का एक अग्रणी प्रयोग है। QCI की स्थापना उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं के स्वतंत्र तृतीय पक्ष मूल्यांकन के लिए एक तंत्र बनाने के लिए की गई है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण संरक्षण, शासन, सामाजिक क्षेत्रों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र और संगठित गतिविधियों के ऐसे अन्य क्षेत्रों सहित गतिविधियों के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों के प्रचार, अपनाने और पालन में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और भलाई में सुधार लाने में। (<https://qcinqin.org/>)

SDG 13

भारतीय युवा जलवायु नेटवर्क (IYCN): IYCN की स्थापना 2008 में जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करने के लिए युवा लोगों और युवा-उन्मुख संगठनों के गठबंधन के रूप में की गई थी। IYCN का उद्देश्य स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए समग्र जागरूकता पैदा करना और युवाओं की एक पीढ़ी के रूप में युवाओं को सशक्त बनाना है। IYCN का उद्देश्य भारतीय युवाओं की आवाज़ को वैश्विक मंच पर लाना है क्योंकि दक्षिण एशिया संभावित विनाशकारी जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों से प्रभावित सबसे कमजोर क्षेत्रों में से एक है। (<https://iycn.in/about-us/>)

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई): टीईआरआई एक स्वतंत्र, बहुआयामी संगठन है, जिसमें अनुसंधान, नीति, परामर्श और कार्यान्वयन की क्षमताएं हैं। टीईआरआई ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्थिरता के क्षेत्र में परिवर्तन के अन्वेषक और एजेंट हैं, जिन्होंने चार दशकों से अधिक समय से इन क्षेत्रों में बातचीत और कार्रवाई का नेतृत्व किया है। TERI के अनुसंधान और अनुसंधान आधारित समाधानों का उद्योग के साथ-साथ समुदायों पर भी परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। TERI अपने शोध को प्रौद्योगिकी उत्पादों, तकनीकी सेवाओं के साथ-साथ नीति सलाहकार और आउटरीच में अनुवादित करता है।

(<https://www.teriin.org/mission-and-goals>)

SDG 14

नेशनल फिशरवर्कर्स फोरम (NFF): भारत के ट्रेड यूनियन अधिनियम के तहत पंजीकृत, एनएफएफ भारत के राज्य स्तरीय छोटे और पारंपरिक मछली श्रमिक संघों का एकमात्र राष्ट्रीय संघ है। एनएफएफ के सभी तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संबद्ध संगठन हैं। भारतीय मुख्य भूमि एनएफएफ मछली पकड़ने वाले समुदायों के जीवन और आजीविका और इसके मूल स्रोत - मत्स्य संसाधन, जैव विविधता और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए लड़ता है। (<https://savethehighseas.org/about-us/members/national-fisherworkers-forum/>)

समुद्री अनुसंधान और संरक्षण सोसायटी: समुद्री अनुसंधान और संरक्षण सोसायटी (एसएमआरसी), जिसका मुख्यालय कोचीन में है, का उद्देश्य समर्पित क्षेत्र अनुसंधान के माध्यम से भारत के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, इसकी वनस्पतियों और जीवों की बेहतर समझ में योगदान देना है जो आवश्यक वैज्ञानिक विचार प्रदान करता है। समुद्री प्राकृतिक संसाधनों की बेहतर सुरक्षा और संरक्षण तथा सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। (<https://smrcindia.in/>)

SDG 15

आरण्यक: आरण्यक पर्यावरण वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और पर्यावरण कानूनी विशेषज्ञों की एक घनिष्ठ टीम है। इसने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए उत्तर-पूर्व भारत के लिए विशिष्ट कई संरक्षण रणनीतियाँ या प्रभाग तैयार किए हैं। इसके अलावा, अन्य प्रभाग क्षेत्र में जैव विविधता अनुसंधान और संरक्षण के लिए विभिन्न फोकस दृष्टिकोण अपनाते हैं। (<https://www.aaranyak.org/>)

पारिस्थितिकी और पर्यावरण में अनुसंधान के लिए अशोक ट्रस्ट (ATREE): एटीआरईई एक गैर-लाभकारी संगठन है जो संरक्षण और स्थिरता की दिशा में नीति और अभ्यास को सूचित करने के लिए अंतःविषय ज्ञान उत्पन्न करता है। दो दशकों से अधिक समय से, एटीआरईई ने स्थानीय नीति स्तरों पर सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों पर काम किया है। एटीआरईई पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण विकास के लिए प्रतिबद्ध समाज की कल्पना करता है। एटीआरईई जैव विविधता और संरक्षण, जलवायु परिवर्तन शमन और विकास, भूमि और जल संसाधन, वन और शासन और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और मानव कल्याण जैसे मुद्दों पर काम करता है। (<https://www.atree.org/about>)

SDG 16

सामाजिक न्याय केंद्र: सीएसजे एक सामाजिक-कानूनी, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है जो इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एजुकेशन एंड लर्निंग (IDEAL) द्वारा शुरू किया गया है। सीएसजे भारत में अपनी तरह का पहला संगठन है जो हाशिए पर मौजूद लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए न्यायिक प्रणाली का उपयोग करता है। सीएसजे के केंद्रों में वकील, पैरालीगल और शोधकर्ता शामिल हैं जो बदलाव लाने के लिए उत्साहित हैं। वे हर दिन बदलाव को प्रभावित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि महिलाओं, दलितों, आदिवासियों और अन्य सामाजिक रूप से कमजोर समूहों जैसे अल्पसंख्यकों को उनके लिए गारंटीकृत अधिकारों तक पहुंच मिले। (<https://www.centreforsocialjustice.net/about-us>)

गरीबों को कानूनी सहायता समिति (CLAP): प्रख्यात सर्वोदय नेता श्याम सुंदर दास द्वारा 1982 में स्थापित, सीएलएपी एक गैर सरकारी संगठन है जो कानून, कानूनी प्रक्रिया और कानूनी प्रणाली के उपयोग के माध्यम से मानव अधिकारों को आगे बढ़ाता है। यह CLAP की गतिविधियों के माध्यम से कानूनी सेवा संस्थान का प्रबंधन करता है। संगठन का मिशन हाशिये पर पड़े लोगों के लिए न्याय तक पहुंच को मजबूत करने के लिए निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करना है और कानूनी सुधार के लिए न्यायिक वकालत करता है। इसकी उत्पत्ति मानवाधिकारों के प्रचार, संरक्षण और प्रवर्तन के लिए इसके विभिन्न आयामों में कानूनी सेवाओं के क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए हुई थी। वर्षों से यह कानून और न्याय के क्षेत्र में एक विशेष संगठन के रूप में विकसित हुआ। (<https://clapindia.org/>)

SDG 17

यह देखते हुए कि एसडीजी 17 एसडीजी के लिए साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करता है, उपरोक्त सूचीबद्ध संगठन, और कई हजार अन्य, एक या दूसरे तरीके से, एसडीजी और एसडीजी के लिए साझेदारी की दिशा में काम कर रहे हैं। जैसा कि इस एसडीजी की सच्ची भावना में है, सरकारी एजेंसियों, सामुदायिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक और अनुसंधान एजेंसियों, कॉर्पोरेट और व्यावसायिक कंपनियों, नागरिक समूहों, सभी को गठबंधन और नेटवर्क के माध्यम से एसडीजी का एक जन आंदोलन बनाने के लिए एक साथ काम करने की आवश्यकता होगी।



पारिभाषिक शब्दावली

यहां एसडीजी और संबंधित शब्दों की चयनात्मक शब्दावली का दायरा मुख्य उपयोगकर्ता समूह - स्कूली छात्रों और शिक्षकों - को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया है।

एसडीजी - सतत विकास लक्ष्य: सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के तहत 17 एसडीजी को अपनाया गया था। उनका लक्ष्य आर्थिक, टिकाऊ और पर्यावरणीय आयामों को संतुलित करना है। ये 1 जनवरी 2016 को लागू हुए।

वायु प्रदूषक: वायु प्रदूषण वायु-जनित प्रदूषकों के एक संग्रह का वर्णन करता है जो हमारी वायु गुणवत्ता में योगदान करते हैं।

बायोडिग्रेडेबल: चीजों की क्षमता, विशेष रूप से अपशिष्ट पदार्थ, प्राकृतिक रूप से विघटित (विघटित) होने की क्षमता सूक्ष्म जीव जैसे बैक्टीरिया या कवक) प्राकृतिक वातावरण में समाहित हो जाते हैं।

जैव विविधता: विश्व की जैविक समृद्धि और परिवर्तनशीलता की अवधारणा को समझने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द। जैव विविधता में प्रकृति में पाए जाने वाले पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों की सभी आबादी और प्रजातियां और इन आबादी के भीतर और बीच की बातचीत शामिल है जो पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य में योगदान करती है।

बायोमास: बिजली उत्पादन के लिए विशेष रूप से बिजली स्टेशन में ईंधन के रूप में उपयोग किया जाने वाला कार्बनिक पदार्थ।

कार्बन फुटप्रिंट: किसी व्यक्ति, घटना, द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादित कुल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन संगठन, सेवा, स्थान या उत्पाद। कार्बन फुटप्रिंट को प्रति वर्ष टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (CO₂e) में मापा जाता है।

कार्बन ऑफसेटिंग: कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की भरपाई करने की प्रथा, उदाहरण के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने वाले पेड़ लगाकर। ऑफसेट को टन कार्बन डाइऑक्साइड-समतुल्य (CO₂e) में मापा जाता है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था: उत्पादन और उपभोग का एक मॉडल, जिसमें साझा करना, पट्टे पर देना, पुनः उपयोग करना, मरम्मत करना, नवीनीकरण करना शामिल है।

और जब तक संभव हो मौजूदा सामग्रियों और उत्पादों का पुनर्चक्रण करना। इस प्रकार, उत्पादों का जीवन चक्र बढ़ाया जाता है। व्यवहार में, 188 का तात्पर्य अपशिष्ट को न्यूनतम तक कम करना है।

जलवायु: किसी क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रचलित मौसम की स्थिति, जो अक्षांश, महासागरों या महाद्वीपों के सापेक्ष स्थिति, ऊंचाई आदि द्वारा निर्धारित होती है।

जलवायु परिवर्तन: तापमान, वर्षा, हवाओं और अन्य संकेतकों में परिवर्तन द्वारा मापा गया जलवायु में दीर्घकालिक बदलाव।

क्रेडल टू ग्रेव: एक मूल्यांकन जो किसी उत्पाद के जीवन चक्र के प्रत्येक चरण पर प्रभावों पर विचार करता है, जब प्राकृतिक संसाधनों को जमीन से निकाला जाता है और विनिर्माण, परिवहन, उत्पाद उपयोग, रीसाइक्लिंग और अंततः, प्रत्येक बाद के चरण के माध्यम से संसाधित (क्रेडल) किया जाता है। निपटान या पुनर्चक्रण (कब्र)।

सभ्य कार्य: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) सभ्य कार्य को 'स्वतंत्रता, समानता, सुरक्षा और मानवीय गरिमा की स्थितियों में महिलाओं और पुरुषों के लिए उत्पादक कार्य' के रूप में परिभाषित करता है।

पारिस्थितिक पदचिह्न: किसी दी गई आबादी के लिए एक निश्चित उपभोग स्तर पर मौजूद रहने के लिए आवश्यक जैविक रूप से उत्पादक भूमि और पानी का क्षेत्र। हमारा पारिस्थितिक पदचिह्न जीवनशैली और उपभोग पैटर्न की दक्षता या बर्बादी को इंगित करता है।

पारिस्थितिकी तंत्र: पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जहां पौधे, जानवर और अन्य जीव, साथ ही मौसम और परिदृश्य, जीवन का बुलबुला बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं। पारिस्थितिक तंत्र में जैविक या जीवित, भाग, साथ ही अजैविक कारक, या निर्जीव भाग होते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र कार्य: आवश्यक सेवाएँ जो मानव आवश्यकताओं जैसे भोजन, आश्रय, कपड़े, दवाएँ और ईंधन का समर्थन करती हैं।

सतत विकास के लिए शिक्षा: ईएसडी लोगों को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से काम करने के तरीके के बारे में निर्णयों में भाग लेने के लिए ज्ञान, मूल्यों और कौशल विकसित करने में सक्षम बनाता है, जो भविष्य के लिए ग्रह को नुकसान पहुंचाए बिना जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा। '

लुप्तप्राय प्रजातियाँ: एक वन्यजीव प्रजाति जो आसन्न विलुप्ति या विलुप्ति का सामना कर रही है।

एक्वालिटी: ऐसी स्थिति या स्थिति जहां किसी समाज या समूह के सभी सदस्यों को समान स्थिति, अधिकार और अवसर प्राप्त हों।

इक्विटी: यह एक तरह से निष्पक्ष और उचित होने का गुण है जो सभी के साथ समान व्यवहार करता है।

फेयरट्रेड: फेयरट्रेड सतत विकास के लिए एक प्रमाणन है। वे मानवाधिकारों के सम्मान और पर्यावरण के प्रति विचार के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की रक्षा करते हैं।

जीवाश्म: यह किसी प्रागैतिहासिक जानवर या पौधे के कठोर अवशेष हैं जो चट्टान के अंदर पाए जाते हैं।

जीवाश्म ईंधन: ये मृत जीवों के अपघटन और दफनाने जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनते हैं। यह कोयला, कोयला उत्पाद, प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैर-नवीकरणीय अपशिष्ट जैसे गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए एक सामान्य शब्द है। ये ईंधन भूवैज्ञानिक अतीत में मौजूद पौधों और जानवरों से उत्पन्न होते हैं, जीवाश्म ईंधन का उपयोग उनकी पूर्ति की तुलना में कहीं अधिक तेज़ी से किया जा रहा है।

ताज़ा पानी: स्थानीय नियमों के अनुसार सतही पानी या भूजल को 'ताज़ा' माना जाता है। नियामक परिभाषा के अभाव में, वह पानी जिसमें कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 2,000 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम हो।

जीडीपी: सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) किसी देश में एक निश्चित अवधि (जैसे एक तिमाही या एक वर्ष) में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को मापता है - यानी, जिन्हें अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा खरीदा जाता है। जीडीपी बाजार में बिक्री के लिए उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं से बना है और इसमें कुछ गैर-बाजार उत्पादन भी शामिल है, जैसे सरकार द्वारा प्रदान की गई रक्षा या शिक्षा सेवाएं।

ग्लोबल वार्मिंग: अधिक मात्रा में विकिरण रोकने वाली गैसों के उत्सर्जन के कारण पृथ्वी के तापमान में धीमी गति से वृद्धि।

ग्रीनहाउस प्रभाव: जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर पड़ता है, तो कुछ वापस अंतरिक्ष में परावर्तित हो जाता है, और शेष ऊष्मा बन जाता है। ग्रीनहाउस गैसों इस गर्मी को अवशोषित और प्रतिबिंबित करती हैं, जिससे इसे अंतरिक्ष में जाने से रोका जा सकता है। इसका परिणाम ग्रह का लगातार गर्म होना है।

ग्रीनहाउस गैसों: वे गैसों जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करती हैं, जैसे। कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂), मीथेन (CH₄), नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O), साथ ही फ्रीऑन/सीएफसी। ग्रीनहाउस गैसों को अक्सर CO₂e की एक द्रव्यमान इकाई के रूप में निर्धारित किया जाता है, जहाँ e समतुल्य का संक्षिप्त रूप है।

भूजल: पृथ्वी की सतह के नीचे मिट्टी और चट्टान के कणों के बीच के स्थानों में, या चट्टान संरचनाओं में फ्रैक्चर और दरारों में मौजूद पानी। भूजल अलग-अलग दरों पर जल धारण करने वाली संरचनाओं (जलभृतों) के माध्यम से धीरे-धीरे बहता है और रिचार्ज होता है, और अंततः सतह पर प्रवाहित होता है।

पर्यावास: प्राथमिक पारिस्थितिक कार्यों और प्रजातियों की संरचना का समर्थन करने वाले बड़े पैमाने पर मूल मूल के पौधों और/या पशु प्रजातियों के व्यवहार्य संयोजन से बना क्षेत्र।

भूख: इसे उस अवधि के रूप में परिभाषित किया जाता है जब लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का अनुभव करते हैं - जिसका अर्थ है कि वे पैसे, भोजन या अन्य संसाधनों तक पहुंच की कमी के कारण पूरे दिन बिना कुछ खाए गुज़ारते हैं। इससे तत्काल बीमारी, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं, कुपोषण हो सकता है। ऐसी स्थिति लोगों के स्वास्थ्य और उनकी कमाने और सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने की क्षमता पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकती है।

स्वच्छता: यह उन स्थितियों और प्रथाओं को संदर्भित करता है जो स्वास्थ्य को बनाए रखने और बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करते हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता से तात्पर्य शरीर की स्वच्छता बनाए रखने से है। घर और हर दिन की स्वच्छता में हाथ धोना, श्वसन स्वच्छता, घर पर भोजन की स्वच्छता, रसोई में स्वच्छता, बाथरूम में स्वच्छता और घर पर चिकित्सा स्वच्छता शामिल है।

समावेशी: इसमें हर चीज़ या सभी प्रकार के लोग शामिल हैं।

उद्योग: यह कच्चे माल के निर्माण, निष्कर्षण और प्रसंस्करण या निर्माण से संबंधित एक संगठित आर्थिक गतिविधि है।

जैविक खेती: जैविक खेती या सामग्रियों और उत्पादों के उत्पादन का मतलब है कि उनका उत्पादन कुछ सिद्धांतों, उद्देश्यों और व्यावहारिक उपायों के ढांचे के भीतर किया जाता है।

जीवन चक्र मूल्यांकन: किसी उत्पाद के पर्यावरणीय प्रभाव को निर्धारित करने के लिए किया गया एक अध्ययन। यह उक्त प्रभाव को मापने के लिए एक रूपरेखा भी प्रदान करता है, साथ ही एक घोषित लक्ष्य की दिशा में कदम भी उठाता है, जैसे कि उस उत्पाद को और अधिक टिकाऊ कैसे बनाया जाए।

स्थानीय रूप से उत्पादित: तथ्य यह है कि कुछ स्थानीय रूप से उत्पादित होता है इसका मतलब है कि उत्पाद का उत्पादन उस स्थान के आसपास किया जाता है जहां इसकी खपत होती है। स्थानीय रूप से उत्पादित उत्पादों की अवधारणा का उद्देश्य परिवहन दूरी को कम करना है और इसलिए जलवायु उत्सर्जन को कम करना है और साथ ही स्थानीय उत्पादकों और स्थानीय व्यवसायों को लाभ पहुंचाना है।

कुपोषण: डब्ल्यूएचओ कुपोषण को पोषक तत्वों के सेवन में कमी या अधिकता, आवश्यक पोषक तत्वों का असंतुलन या बिगड़ा हुआ पोषक तत्व उपयोग के रूप में परिभाषित करता है। कुपोषण के दोहरे बोझ में अल्पपोषण और अधिक वजन तथा मोटापा दोनों शामिल हैं, साथ ही आहार संबंधी गैर-संचारी रोग भी शामिल हैं।

एमएमआर: मातृ मृत्यु दर का तात्पर्य गर्भावस्था या प्रसव के दौरान जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों से है। मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) को एक निश्चित समय अवधि के दौरान प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

गैर-मीठा पानी: स्थानीय नियमों द्वारा परिभाषित समुद्री जल, खारा/खारा भूजल, भूरा-पानी या अपशिष्ट जल। नियामक परिभाषा के अभाव में, जिस पानी में कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 2,000 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है।

तेल भंडार: एक तेल भंडार हाइड्रोकार्बन, सल्फर, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन से युक्त तरल का एक भूमिगत पूल है जो भूवैज्ञानिक संरचना के भीतर फंसा होता है और ऊपरी खनिज स्तर द्वारा वाष्पीकरण से संरक्षित होता है।

पेट्रोलियम: यह पृथ्वी की सतह के नीचे पाया जाने वाला प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला तरल पदार्थ है जिसे ईंधन में परिष्कृत किया जा सकता है।

प्रदूषण: मानवीय गतिविधियों के परिणामस्वरूप हानिकारक पदार्थों से दूषित होने वाले प्राकृतिक पर्यावरण की अवांछनीय स्थिति को प्रदूषण कहा जाता है।

गरीबी: गरीबी को अक्सर किसी व्यक्ति या समुदाय की उस स्थिति के रूप में वर्णित किया जाता है जहां व्यक्ति अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर सकता है। हालाँकि, एसडीजी के संदर्भ में गरीबी केवल आय से परे है। उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति के पास पैसा हो सकता है, लेकिन वह किसी विशेष सार्वजनिक सेवा या सुविधा का समय पर उपयोग करने में असमर्थ है क्योंकि वह एक दूरस्थ स्थान पर रहता है, या क्योंकि वह एक लड़की/महिला है, आदि। इसलिए गरीबी एक बहुआयामी घटना है, जिसमें एक सामाजिक घटना भी शामिल है जिसमें समाज का एक वर्ग जीवन की सबसे बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा करने में असमर्थ है।

संरक्षित क्षेत्र: भूमि या समुद्र का एक क्षेत्र जो विशेष रूप से जैविक विविधता और प्राकृतिक और संबंधित सांस्कृतिक संसाधनों के संरक्षण और रखरखाव के लिए समर्पित है, और कानूनी या अन्य प्रभावी माध्यमों से प्रबंधित किया जाता है।

पुनर्चक्रण: पुनर्चक्रण का अर्थ है सामग्रियों की खरीद। यह विभिन्न प्रकार के कचरे से लेकर कपड़े जैसे सामग्री तक कुछ भी हो सकता है।

उपचार: पर्यावरण पर हानिकारक प्रभावों को रोकने के उद्देश्य से मिट्टी या पानी में प्रदूषकों की कमी, निष्कासन या रोकथाम।

नवीकरणीय ऊर्जा: नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगी ऊर्जा है जो नवीकरणीय संसाधनों से एकत्र की जाती है, जो प्राकृतिक रूप से मानव समय के पैमाने पर पुनःपूर्ति की जाती है, जिसमें सौर, पवन और जल विद्युत जैसे कार्बन तटस्थ स्रोत शामिल हैं।

स्वच्छता: यह स्थानों को साफ और स्वस्थ रखने की प्रक्रिया है, विशेष रूप से सीवेज प्रणाली और स्वच्छ जल आपूर्ति प्रदान करके।

एसडीजी लक्ष्य: विशिष्ट एसडीजी लक्ष्य जिनसे परिणाम संबंधित है; एक परिणाम एक से अधिक एसडीजी लक्ष्य से संबंधित हो सकता है, या एसडीजी लक्ष्यों के अलावा सतत विकास परिणामों से संबंधित हो सकता है।

सतही जल: जमीन पर या किसी नदी, झील, आर्द्रभूमि या महासागर में एकत्र होने वाले पानी को सतही जल कहा जाता है।

सतत विकास: वह विकास जो भविष्य की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है पीढ़ियों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए।

जल, स्वच्छता और स्वच्छता (WASH): बच्चों पर असुरक्षित जल, स्वच्छता और स्वच्छता (WASH) के परिणाम घातक हो सकते हैं। उचित वॉश सेवाओं की कमी के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के 700 से अधिक बच्चे हर दिन डायरिया से मर जाते हैं।

अपशिष्ट: अवांछित या अनुपयोगी सामग्री।

अपशिष्ट जल: वह जल जो मानव उपयोग से प्रभावित होकर उसकी जल गुणवत्ता को बदल रहा है।

मौसम: किसी विशिष्ट स्थान को प्रभावित करने वाली दिन-प्रतिदिन की मौसम संबंधी स्थितियाँ, विशेषकर तापमान, बादल, आर्द्रता और वर्षा, मौसम कहलाती है।

थोड़ा और सीखें...

SDG एक्सेलेरेशन टूलकिट: यह SDG प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए 100 उपयोगी उपकरण प्रदान करता है।

<https://sdgintegration.undp.org/sdg-acceleration-toolkit>

SDG एक्शन प्लैटफॉर्म: यह SDG में तेज़ी लाने के लिए सरकारों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला द्वारा बनाई गई स्वैच्छिक नीतियों, प्रतिबद्धताओं, बहु-हितधारक भागीदारी और अन्य पहलों की एक वैश्विक रजिस्ट्री है। <https://sdgs.un.org/partnerships/register>

SDG इंटीग्रेशन: यह मंच वैश्विक विकास चुनौतियों से निपटने और वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेज़ी लाने के लिए यूएनडीपी के समर्थन पर जानकारी प्रदान करता है। यह नॉलेज बैंक की भी मेज़बानी करता है, जो वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता के लिए नवीनतम संसाधनों के लिए वन-स्टॉप-शॉप है।

SDG नॉलेज हब: यूएनडीपी (UNDP) सियोल नीति केंद्र के सहयोग से विकसित, यूएनडीपी भारत का SDG नॉलेज हब SDG पर जानकारी का भंडार है। प्लेटफॉर्म और इसके सभी शिक्षण संसाधनों को विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए एक सुलभ प्रारूप में विकसित किया गया है।

[\(https://sdgknowledgehub.undp.org.in/\)](https://sdgknowledgehub.undp.org.in/)

SDG स्कूल: SDG स्कूल को 2015 में सतत विकास के लिए समुदाय के नेतृत्व वाले स्वामित्व को बढ़ावा देने के मिशन के साथ डिजाइन किया गया था। SDG स्कूल 'मेकर्स एसाइलम' द्वारा संचालित एक 2 सप्ताह लंबा अनुभवात्मक कार्यक्रम है। यूनेस्को (UNESCO) इस कार्यक्रम के लिए मौजूदा भागीदार रहा है और 2021 से एक्सीलरेटर लैब के माध्यम से यूएनडीपी (UNDP) भी इसमें शामिल हो गया है। अब तक 700 से अधिक प्रतिभागियों (65% महिला प्रतिभागियों) को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

टेक एक्शन टुडे : 17 SDG में से प्रत्येक के लिए गतिविधियों का एक सेट उन नागरिकों के लिए एक रेडी-रेकनर प्रदान करता है जो 17 वैश्विक लक्ष्यों को साकार करने की यात्रा में योगदान देना चाहते हैं। <https://www.globalgoals.org/take-action/>

संयुक्त राष्ट्र छात्र संसाधन: SDGs पर विस्तृत जानकारी के लिए दिए गए लिंक को ब्राउज़ करें।

<https://www.un.org/sustainabledevelopment/student-resources/>

वॉयस ऑफ यूथ: वॉयस ऑफ यूथ यूनिसेफ (UNICEF) द्वारा प्रेरित और संचालित युवाओं के लिए, युवाओं द्वारा डिजिटल समुदाय है।

<https://www.voicesofyouth.org/>

यूथ को: लैब: यूएनडीपी (UNDP) और सिटी फाउंडेशन द्वारा 2017 में सह-निर्मित, यूथ को: लैब का उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों को सशक्त बनाने और निवेश करने के लिए एक साझा एजेंडा स्थापित करना है। युवा ताकि वे नेतृत्व, सामाजिक नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से SDG (एसडीजी) के कार्यान्वयन में तेज़ी ला सकें। <https://www.youthcolab.org/>



United Nations Development Programme

55, Lodhi Estate, New Delhi - 110003, India
+91-11-46532333 | www.undp.org/india



@UNDPinIndia



@UNDP_India



@undpinIndia



@undpinIndia



@UNDPIndia